उ. प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय

परास्नातक पाठ्यक्रम
(समाज विज्ञान विद्याशाखा)

विश्वविद्यालय परिसर शान्तिपुरम् (सेक्टर–एफ),
फाफामऊ, इलाहाबाद – 211 013, उ.प्र.
www.uprtouallahabad.org.in

पाठ्यक्रम प्रकाशन समिति

डॉ. एच. सी. जायसवाल	(वरिष्ठ परामर्शदाता)	- संयोजक
श्री अच्छेलाल	(प्रवक्ता - संस्कृत)	- सदस्य
डॉ. ज्ञान प्रकाश यादव	(प्रवक्ता - प्रबन्ध शास्त्र)	- सदस्य
डॉ. राम प्रवेश राय	(प्रवक्ता - पत्रकारिता एवं जनसंचार)	- सदस्य
डॉ. दीप शिखा	(परामर्शदाता - राजनीतिशास्त्र)	- सदस्य
डॉ. स्मिता अग्रवाल	(परामर्शदाता - संस्कृत)	- सदस्य
श्री राजित राम यादव	(प्रवक्ता - कम्प्यूटर विज्ञान)	- सदस्य
श्री जितेन्द्र यादव	(परामर्शदाता - दर्शनशास्त्र)	- सदस्य

प्रस्तुति :

डॉ. (श्रीमती) रूचि बाजपेई (प्रवक्ता - हिन्दी)

परास्नातक पाठ्यक्रम
समाज विज्ञान विद्याशाखा

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के समाज विज्ञान विद्याशाखा के सौजन्य से समाज विज्ञान विभिन्न समाजोपयोगी आयामों की शिक्षा दी जाती है। इसके अन्तर्गत आने वाले पाठ्यक्रमों के निर्माण में गुणवत्ता के प्रति विशेष ध्यान रक्खा गया है। समाज विज्ञान का अध्ययन करने वाले छात्र-छात्राओं के परामर्श व्याख्यान के लिए विषय विशेषज्ञ योग्य एवं अनुभवी शिक्षक नियोजित हैं। इस विद्याशाखा का प्रयास है कि इस विषय में शिक्षा प्राप्त करने वाले अभ्यर्थी अपने 'स्व' के कार्यों के अलावा अपने देश की सामाजिक संरचना को और अधिक स्वस्थ एवं मजबूत बना कर अपने प्रदेश व देश की सेवा में भी अपना महान योगदान देकर इस विश्वविद्यालय का भी नाम रोशन करें।

वर्तमान समय में समाज विज्ञान विद्याशाखा के अन्तर्गत जो परास्नातक पाठ्यक्रम चलाये जा रहे हैं वे निम्नवत हैं।

1. परास्नातक (एम.ए.) समाजशास्त्र (MASY)
2. परास्नातक (एम.ए.) समाज कार्य (MASW)
3. परास्नातक (एम.ए.) इतिहास (MAHY)
4. परास्नातक (एम.ए.) राजनीति शास्त्र (MAPS)
5. परास्नातक (एम.एस.सी.) सांख्यिकी (M.Sc. Stat.)
6. परास्नातक (एम.एस.सी.) जैव रसायन (M.Sc. Bio-Chemistry)
7. पर्यावरण एवं संधृत विकास में स्नातकोत्तर डिप्लोमा कोर्स (PGD-ESD)

डॉ0 (एम0 एन0 सिंह)
समाज विज्ञान विद्याशाखा
उ0 प्र0 राजर्षि टण्डन मु0वि0वि0
इलाहाबाद

विषय सूची

कार्यक्रम			पृष्ठ संख्या
1-	एम0ए0एस0वाई0	-	1 - 31
2-	एम0ए0एस0डब्ल्यू0	-	32 - 38
3-	एम0ए0एच0वाई0	-	39 - 117
4-	एम0ए0पी0एस0	-	118 - 164
5-	पी0जी0एस0टी0ए0टी0	-	165 - 168
6-	पी0जी0बी0सी0एच0	-	169 - 170
7-	पी0जी0डी0-ई0एस0डी0	-	171 - 192

MASY-01

प्रथम खण्ड- भारत में समाजशास्त्र का उद्‌भव एवं विकास

इकाई- 1 भारत में समाजशास्त्रीय चिन्तन की सामाजिक पृष्ठभूमि

1. प्राचीन सामाजिक विचार
2. मध्यकालीन सामाजिक चिंतन के आयाम
3. भारत में समाजशास्त्र का विकास एवं उपनिवेशवाद
4. सामाजिक – धार्मिक आन्दोलन
5. भारत के स्वतन्त्रता संघर्ष की सामाजिक पृष्ठभूमि

इकाई- 2 भारत में समाजशास्त्रीय चिंतन की वैचारिक पृष्ठभूमि एवं विकास

1. स्वतंत्रता पूर्व की समाजशास्त्रीय विचारधारा
2. संस्थापन 1950 से पूर्व का काल
3. स्वतंत्रता पश्चात् की समाजशास्त्रीय प्रवृत्तियाँ
4. समाजशास्त्र का एक सैद्धान्तिक एवं व्यावहारिक विषय के रूप में विकास
5. समाजशास्त्र का एक सैद्धान्तिक एवं व्यावहारिक विषय के रूप में विकास
6. भारत में समाजशास्त्र एवं सामाजिक मानवशास्त्र के मध्य सम्बन्ध एवं विकास

इकाई- 3 भारत में समाजशास्त्र के संस्थापक

1. भारत में समाजशास्त्र के अग्रणी संस्थापक
2. राधाकमल मुखर्जी
3. गोविन्द सदाशिव धुरिये (जी.एस. धुरिए)
   (i) जीवन चित्रण
   (ii) केन्द्रीय विचार
   (iii) महत्वपूर्ण रचनाएँ

इकाई- 4 भारत में समाजशास्त्रीय विश्लेषण के उपागम

1. भारत में समाजशास्त्रीय विश्लेषण के उपागम
2. दार्शनिक उपागम
3. सांस्कृतिक उपागम

4. संरचनात्मक – प्रकार्यात्मक उपागम
5. द्वन्द्वात्मक – ऐतिहासिक उपागम
6. सूक्ष्म-समाजशास्त्रीय उपागम
   (i) प्रतीकात्मक अन्तः क्रियावाद
   (ii) सामाजिक विनिमय सिद्धान्त
7. प्रघटनशास्त्रीय उपागम
8. लोक विधि विज्ञान उपागम

इकाई-5 भारत में समाजशास्त्र के अध्ययन के केन्द्रीय मुद्दे एवं क्षेत्रीय अध्ययन

1. भारतीय समाजशास्त्र एवं नवीन शोध प्रवृत्तियाँ
2. जाति, परिवार और नातेदारी के अध्ययन
3. ग्रामीण अध्ययन व जनजातीय शोध
4. सामाजिक आन्दोलन व सामाजिक गतिशीलता के अध्ययन
5. औद्योगिक समाजशास्त्र से सम्बन्धित अध्ययन
6. आधुनिकीकरण, विकास एवं सामाजिक परिवर्तन के अध्ययन

इकाई-6 भारतीय समाजशास्त्र एवं नव-समाजशास्त्रीय विमर्श

1. वैश्वीकरण और भारतीय समाज
2. नव सामाजिक आन्दोलन एवं परिस्थितिशास्त्रीय अध्ययन
3. प्रजातिकता का विमर्श
4. उपभोक्तावाद की संस्कृति
5. जनसंचार का सामाजशास्त्र
6. भारतीय समाज के उत्तर आधुनिक स्थितियाँ

इकाई-7 मनु एवं मनुस्मृति : समकालीन परिदृश्य

1. समकालीन सामाजिक दर्शन
2. मनु आदिपुरुष मत वैभिन्य
3. ब्राह्मण युग का उत्कर्ष एवं मनुस्मृति की सांस्कृतिक पृष्ठभूमि
4. सृष्टि व समाज की रचना

इकाई-8 मनु की सामाजिक विचारधारा

1. धर्म के सम्बन्ध में विचार
2. आश्रम व्यवस्था के सम्बन्ध में विचार
3. वर्ण व्यवस्था तथा वर्ण धर्म
4. विवाह व परिवार के बारे में विचार
5. समाज में नारी की स्थिति
6. कर्म का सिद्धान्त
7. संस्कार

इकाई-9 मनु के राजनीतिक विचार

1. राज्य का स्वरूप
2. राज व्यवस्था
3. न्याय व्यवस्था
4. उपभोक्तावाद की संस्कृति

इकाई-10 मनु के व्यवहार निरूपण सम्बन्धी विचार

1. जीव जगत के प्रति व्यवहार
   (i) स्वयं के प्रति व्यवहार
   (ii) समाज के प्रति व्यवहार
2. प्रायश्चित निरूपण सम्बन्धी व्यवहार
3. अशौच निरूपण सम्बन्धी विचार
4. श्राद्ध विधि के सन्दर्भ में मनु के विचार
5. पर्यावरण के प्रति व्यवहार निरूपण सम्बन्धी विचार

इकाई-11 कौटिल्य, अर्थशास्त्र तथा चार विधाएँ

1. कौटिल्य
2. अर्थशास्त्र
3. चार विधाएँ

इकाई-12 कौटिल्य के राज्य विषयक विचार

1. राज्य की उत्पत्ति
2. राज्य सत्ता की सात प्राकृतियों के गुण

    (i) स्वामी (राजा) के गुण, राज्य का उत्तराधिकार

    (ii) अमात्य, जनपद तथा दुर्ग के गुण

        अमात्य के गुण

        जनपद के गुण

        दुर्ग के गुण

    (iii) कोष, दंड तथा मित्र के गुण

        कोष के गुण

        दंड (सेना) के गुण

        मित्र के गुण

3. मंत्रि परिषद्
4. मंत्रिमण्डल

इकाई-13 कौटिल्य की प्रशासनिक तथा बाह्य नीति

1. दुर्ग अथवा पुर जनपद संगठन

    (i) जनपद संगठन

2. मण्डल सिद्धान्त

    (i) अरि राज्य (ii) मित्र राज्य (iii) मध्यम राज्य (iv) उदासीन राज्य

3. षाड्गुण्य मंत्र
4. उपभोक्तावाद की संस्कृति

    (i) सन्धि (ii) विग्रह (iii) आसन (iv) यान (v) द्वैधीमान

इकाई-14 श्री अरविन्द घोष – जीवन वृत्त, कृतियाँ और मुख्य विचार

1. जीवन वृत्त

    (i) भारत लौटने के बाद

2. चिंतकों और घटनाओं का उन पर प्रभाव

3. कृतियाँ

4. मुख्य विचार

   1. परम तत्व   2. परम तत्व और सृष्टि   3. अति मानस

   4. चेतना की अपूर्व यात्रा   5. मानस (मन)   6. अन्तः प्रज्ञा

   7. चैत्य पुरुष   8. विवर्तन   9. विवर्तन की मुख्य विशेषताएँ

   10. समाज दर्शन

इकाई-15 योग

1. योग का शब्दार्थ
2. मनुष्य की प्रकृति तथा साध्य के अनुरूप योग साधना
3. योग प्रणाली का उद्देश्य
4. सर्वांग योग एक आध्यात्मिक अभियान
5. सर्वांग योग का अर्थ एवं शक्ति
6. मानव सत्ता के दो छोर
7. सर्वांग योग की विशेषता
8. समर्पण पर बल
9. सर्वांग योग विभिन्न प्रणालियों का समन्वय हठयोग, राजयोग, कर्मयोग, भक्ति योग, ज्ञान योग, तंत्र योग।
10. सर्वांग योक एक कठिन योग

इकाई-16 मानव विकास की प्रक्रिया

1. सृष्टि और विकास
2. विकासात्मक चिन्तन का प्रारम्भ
3. उन्मेषवादी सिद्धान्त
4. विकास और उससे जुड़ी कल्पनाएँ
5. चैत्य पुरुष के जागरण से विकास का आरम्भ

6. चैत्य पुरुष के जागने के बाद की जाने वाली सावधानी
7. विकास की त्रिधा गति
8. व्यक्तिगत विकास
9. अभीप्सा, शांति और समत्व, आत्म समर्पण वैश्विक विकास
   (i) चैत्य पुरुष का जागरण
   (ii) उच्चतर मानसीय रूपान्तरण
10. विकास के चक्रक नियम की खोज

इकाई-17 सामाजिक विकास के निर्धारक तत्व-। संस्कृति और नैतिकता-

1. सामाजिक विकास के साधन-संस्कृति और सभ्यता
   (i) संस्कृति का प्राण तत्व (ii) नैतिकता और सौन्दर्य
   (iii) संस्कृति की सीमाएं (iv) नीति और सौन्दर्य का समन्वय
   (v) बौद्धिक संस्कृति (vi) बर्बरता और सभ्यता का सतत खेल
   (vii) आध्यात्मिक संस्कृति (viii) आध्यात्मिक संस्कृति
   (ix) आत्मसात्करण (x) अन्तः क्रिया की भूमिका
2. नैतिकता – विकास के साधन के रूप में

इकाई-18 सामाजिक विकास के निर्धारक तत्व शिक्षा और धर्म

1. सामाजिक विकास की प्रणाली के रूप में शिक्षा

   1. स्वंय शिक्षा 2. शिक्षा और मनोविज्ञान 3. शिक्षा का लक्ष्य 4. शिक्षा का सिद्धान्त 5. इन्द्रिय शिक्षा 6. नैतिक शिक्षा 7. धार्मिक शिक्षा 8. शारीरिक शिक्षा 9. शिक्षा द्वारा व्यक्ति का आन्तरिक और बाह्य विकास
2. सामाजिक विकास की प्रणाली के रूप में धर्म, धर्म का अर्थ, धर्म का महत्व, धर्म का सार आध्यात्मिकता, बुद्धि की अपर्याप्तता, धर्म दर्शन सामाजिक विकास में धर्म का अंशदान, धर्म की सीमाएँ, योग-सामाजिक विकास की पूर्ण एवं अन्तिम प्रणाली।

इकाई-19 राष्ट्रीयता और मानव एकता

1. राष्ट्रीयता और मानव एकता परस्पर विरोधी नहीं
2. राष्ट्रीयता की नई व्याख्या

3. राष्ट्र क्या है?
4. सृष्टि क्या है?
5. राष्ट्र आत्मा की संकल्पना
6. आध्यात्मिक राष्ट्रीयता
7. राष्ट्रीयता और मानव एकता
8. मानव एकता का आदर्श

इकाई-20 गाँधीजी का आध्यात्मिक दर्शन

1. ईश्वर की अवधारणा
2. सत्य की अवधारणा
3. साध्य व साधन में एकता
4. अहिंसा की अवधारणा
5. धर्म सम्बन्धी अवधारणा

इकाई-21 महात्मा गाँधी का सामाजिक चिन्तन

1. सर्वोदय की अवधारणा
2. अस्पृश्यता निवारण
3. महिला उत्थान
4. विवाह
5. नशाबन्दी
6. शिक्षा

इकाई-22 गांधी के आर्थिक विचार

1. संरक्षता सिद्धान्त (ट्रस्टीशिप)
2. औद्योगीकरण
3. कुटीर उद्योग
4. नयी अन्तर्राष्ट्रीय आर्थिक व्यवस्था और गाँधी

इकाई-23 गाँधी जी का राजनीतिक दर्शन

1. धर्म और राजनीति

2. सत्याग्रह

3. राज्य संबंधी विचार

इकाई-24 समाजवाद और सर्वोदय

1. समाजवाद की सैद्धान्तिक समस्याएं

2. भूदान

3. सामाजिक परिवर्तन का नया गति विज्ञान

4. सर्वोदय की विचारधारा

इकाई-25 सम्पूर्ण क्रान्ति

1. जनशक्ति की आवश्यकता

2. वर्ग संगठन

3. सामाजिक क्रान्ति

4. शैक्षिक क्रान्ति

5. आर्थिक क्रान्ति

6. राजनीतिक क्रान्ति

7. संपूर्ण क्रान्ति की प्रक्रिया

इकाई-26 लोकतंत्र

1. लोकतंत्र का वास्तविक स्वरूप

2. सहभागी लोकतंत्र

3. संसदीय लोकतंत्र

इकाई-27 आचार्य नरेन्द्र देव का समाजवाद

1. समाजवाद की व्याख्या

2. मजदूर आन्दोलन और समाजवाद

3. किसान आन्दोलन और समाजवाद

4. राष्ट्रीय आन्दोलन और समाजवाद

5. राष्ट्रीयता

इकाई-28 आचार्य नरेन्द्र देव की शैक्षणिक विचारधारा

1. युवा वर्ग की शिक्षा का अधिकार
2. धार्मिक शिक्षा का औचित्य
3. जनशिक्षा
4. राजनीतिक संचेतना
5. अध्यापकों का कर्त्तव्य
6. अध्यापकों को प्रदत्त अधिकार व सुविधाएँ
7. अध्यापक संगठन का औचित्य
8. आधुनिकीकरण और शिक्षा

इकाई-29 आचार्य नरेन्द्र की संस्कृति की आवधारणा

1. संस्कृति का स्वरूप
2. भारतीय संस्कृति
3. धर्म का वैज्ञानिक अध्ययन
4. सांस्कृतिक आंदोलन के रूप में समाजवाद

MASY-02

प्रथम खण्ड-

इकाई-1 पश्चिम में समाजशास्त्र का उद्भव एवं विकास अगस्त कोत के विशेष सन्दर्भ में।

1. समाजशास्त्र के उदय की पृष्ठभूमि
2. समाजशास्त्र का उदय : विशलेषण पद्धतियाँ
3. यूरोप पुनर्जागरण
4. फ्रांस की क्रान्ति

इकाई-2 समाजशास्त्र के उदय की बौद्धिक पृष्ठभूमि

1. समाजशास्त्र का उदय एवं अट्ठारहवीं एवं उन्नीसवीं शताब्दी में पाश्चात्य दर्शन
2. इतिहास का दर्शन
3. उद्विकास का जैविकीय सिद्धान्त
4. सामाजिक राजनीतिक सुधार के आन्दोलन
5. सामाजिक सर्वेक्षण विधि का विकास

इकाई-3 अगस्त कोंत – जीवन परिचय एवं कृतियाँ

1. जीवन परिचय
2. कोत का सामाजिक परिवेश
3. मुख्य विचार अध्ययन और क्षेत्र
4. कोंत के समाजशास्त्र का स्वरूप
5. मुख्य कृतियाँ

इकाई-4 कोत का विज्ञानो का वर्गीकरण एवं पदानुक्रम तथा त्रिस्तरीय सोपानों का सिद्धान्त

1. विज्ञानों का पदानुक्रम (संस्तरण)
2. विज्ञानों का वर्गीकरण
3. त्रिस्तरीय सोपानों का सिद्धान्त
4. मानव चिन्तन के स्तर और सामाजिक संगठन

इकाई-5

1. कोंत का प्रत्यक्षवाद
2. मानवता का धर्म तथा सामाजिक पुनर्निमाण की योजना
3. नैतिकता का वैज्ञानिक सिद्धान्त
4. सामाजिक स्थिति-विज्ञान एवं सामाजिक गति-विज्ञान

इकाई-6 स्पेन्सर का उद्विकास गति-विज्ञान

1. सावयव व समाज में तुलना

2. समाजशास्त्र की प्रकृति से सम्बन्धित विचार
3. समाजशास्त्र की प्रकृति से सम्बन्धित विचार
4. उद्‌विकास सम्बन्धी विचार
5. स्पेन्सर का सामाजिक डार्विनवाद
6. स्पेन्सर के विचारों का आगे के समाजशास्त्र पर प्रभाव

इकाई-7 पारेटो की तार्किक और अतार्किक क्रियाओं की अवधारणा

1. समाजशास्त्र की परिभाषा व अध्ययन पद्धति
2. तार्किक क्रियाएँ
3. अतार्किक क्रियाएँ

इकाई-8 पारेटो की अवशिष्ट एवं भ्रांत तर्क की अवधारणा

1. अवशिष्ट - (i) अर्थ (ii) महत्व (iii) अवशिष्ट के वर्ग
2. भ्रांत तर्क (i) भ्रान्त तर्क का अर्थ (ii) भ्रांत तर्क के वर्ग
3. समाज के संतुलन की अवधारणा

इकाई-9 पारेटो का अभिजात वर्ग के परिभ्रमण का सिद्धान्त

1. अभिजात वर्ग का अर्थ एवं प्रकार - (i) अर्थ (ii) प्रकार
2. परिभ्रमण का सिद्धान्त
3. पारेटो के विचारों का बाद के समाजशास्त्र पर प्रभाव

इकाई-10 द्वन्द्वात्मक भौतिकवाद

1. द्वान्द्वात्मक की अवधारणा
2. द्वन्द्वात्मक भौतिकवाद के नियम
3. द्वन्द्ववाद के मुख्य लक्षण
4. द्वन्द्वात्मक भौतिकवाद के प्रयोग

इकाई-11 ऐतिहासिक भौतिकवाद

1. ऐतिहासिक भौतिकवाद की पृष्ठभूमि
2. इतिहास की अवधारणा
3. ऐतिहासिक भौतिकवाद क्या है?
4. भौतिकवाद उत्पादन-ऐतिहासिक भौतिकवाद की अनिवार्यता
5. ऐतिहासिक भौतिकवाद आर्थिक निर्धारण मात्र नहीं है।
6. समाजशास्त्रीय सिद्धान्त के रूप में ऐतिहासिक भौतिकवाद का योगदान

इकाई-12 वर्ग और वर्ग संघर्ष

1. वर्ग की अवधारणा
2. अलगाव की अवधारणा
3. अतिरिक्त मूल्य तथा अतिरिक्त श्रम

इकाई-13 सामाजिक क्रान्ति का सिद्धान्त

1. सामाजिक क्रान्ति की अवधारणा
2. क्रान्ति की विशेषताएँ
3. क्रान्ति की स्थिति
4. क्रान्ति और प्रतिक्रान्ति

इकाई-14 समाजशास्त्रीय पद्धति के नियम : सामाजिक तथ्य

1. सामाजिक तथ्य के नियम
2. सामाजिक तथ्यों के अवलोकन
3. सामान्य तथा व्याधिकीय तथ्य
4. समाजशास्त्रीय प्रमाणों की स्थापना के नियम

इकाई-15 समाज के श्रम विभाजन

1. श्रम विभाजन का अर्थ
2. श्रम विभाजन के प्रकार्य
3. श्रम विभाजन के कारण
4. श्रम विभाजन के परिणाम
5. श्रम विभाजन के असामान्य स्वरूप

इकाई-16 धर्म तथा समाज

1. धर्म की प्रारंभिक धारणा : आत्मवाद तथा प्राकृतिवाद
2. दुर्खीम की धर्म की अवधारणा
3. धर्म की उत्पत्ति : सरलतम समाज में

इकाई-17 आत्महत्या

1. आत्महत्या का सम्बोध
2. अहंवादी आत्महत्या
3. परार्थवादी आत्महत्या
4. प्रतिमानविहीन आत्महत्या
5. आत्महत्या की सामाजिक प्रकृति

इकाई-18 वेबर का पद्धतिशास्त्र

1. पद्धति शास्त्र : व्याख्या और महत्व
2. वर्स्टेहन (फस्टर्थेन)
3. आदर्श प्रारूप
4. कार्य कारण सम्बन्ध
5. कार्यकरण विश्लेषण का वेबर के विचारों में प्रयोग
6. समाजशास्त्र के मूल्य

इकाई-19 वेबर के आदर्श प्रारूप की व्याख्या

1. आदर्श प्रारूप : व्याख्या और विशेषताएँ
2. वेबर के आदर्श प्रारूपों के प्रकार
   (i) विशिष्ट ऐतिहासिक तत्वों के आदर्श प्रारूप
   (ii) सामाजिक यथार्थ के अमूर्त तत्व
   (iii) किसी विशिष्ट व्यवहार की पुनर्रचना

इकाई-20

1. धर्म और अर्थव्यवस्था – अर्थ एवं सम्बन्ध
2. प्रोटेस्टैणअट नैतिकता तथा पूँजीवाद की प्रकृति
3. धर्म के सम्बन्ध में वेबर का तुलनात्मक अध्ययन
4. वेबर के धर्म व अर्थव्यवस्था के पारस्परिक विचारों की समीक्षा

इकाई-21 शक्ति और सत्ता

1. शक्ति और सत्ता की अवधारणा
2. नौकरशाही

इकाई-22 वेबर के बाद का समाजशास्त्र

1. वेबर के संक्षिप्त विचार
2. वेबर के विचारों का समाजशास्त्र पर प्रभाव
3. वेबर के विचारों की भारतीय समाज के संदर्भ में प्रासंगिकता

MASY-03

प्रथम खण्ड-

इकाई- 1 सामाजिक अनुसंधान की अवधारणा

अनुसंधान की अवधारणा, अनुसंधान का वर्गीकरण, सामाजिक अनुसंधान की विधियाँ

इकाई- 2 सामाजिक अनुसंधान की प्रकृति

सामाजिक अनुसंधान की प्रकृति, सामाजिक सर्वेक्षण का अर्थ, सामाजिक अनुसंधान व सामाजिक सर्वेक्षण में अन्तर

इकाई- 3 सामाजिक अनुसंधान के प्रमुख चरण

विज्ञान की अवधारणा, वैज्ञानिक पद्धति का अर्थ, वैज्ञानिक पद्धति की विशेषताएँ, वैज्ञानिक पद्धति के कार्य, सामाजिक घटना और वैज्ञानिक पद्धति, सामाजिक अनुसंधान के प्रमुखचरण।

इकाई- 4 सामाजिक अनुसंधान के क्षेत्र व सामाजिक अनुसंधान में व्याप्त कठिनाइयाँ

सामजिक अनुसंधान के प्रेरक तत्व, सामाजिक अनुसंधान की उपयोगिता, वस्तुनिष्ठता की अवधारणा, सामाजिक अनुसंधान में वस्तुनिष्ठता की आवश्यकता, वस्तुनिष्ठता प्राप्त करने के माध्यम, सामाजिक अनुसंधान में वस्तुनिष्ठता की समस्या।

इकाई- 4 सामाजिक अनुसंधान के क्षेत्र व सामाजिक अनुसंधान में व्याप्त कठिनाइयाँ

सामजिक अनुसंधान के प्रेरक तत्व, सामाजिक अनुसंधान की उपयोगिता, वस्तुनिष्ठता की अवधारणा, सामाजिक अनुसंधान में वस्तुनिष्ठता की आवश्यकता, वस्तुनिष्ठता प्राप्त करने के माध्यम, सामाजिक अनुसंधान में वस्तुनिष्ठता की समस्या।

इकाई- 5 शोध अभिकल्प एक परिचयात्मक अध्ययन

शोध अभिकल्प – अवधारणा, परिभाषा, शोध अभिकल्प का उद्देश्य, सिद्धान्त, एक अच्छे अथवा समृद्ध शोध अभिकल्प के मानदण्ड शोध अभिकल्प के प्रकार्य, शोध अभिकल्पित करने की अवस्थाएँ।

इकाई- 6 शोध अभिकल्प के प्रकार

अन्वेषणात्मक अथवा निरूपणात्मक शोध अभिकल्प, व्याख्यात्मक अनुसंधान अभिकल्प, वर्णनात्मक शोध अभिकल्प, अन्वेषणात्मक एवं वर्णनात्मक शोध अभिकल्प में अन्तर, सर्वेक्षण शोध अभिकल्प, वैयक्तिक अध्ययन अभिकल्प।

इकाई-7 प्रयोगात्मक शोध अभिकल्प

प्रयोगात्मक शोध अभिकल्प अवधारणा एवं परिभाषा, प्रयोगात्मक शोध अभिकल्प निदर्श, चर, साक्ष्यों के प्रकार।

इकाई-8 प्रयोगात्मक शोध अभिकल्प के तार्किक आधार एवं प्रकार

प्रयोगात्मक अभिकल्प का तार्किक आधार, सहमति विधि, भिन्नता विधि, भिन्नता एवं सहमति की सम्मिलित विधि, सहपरिवर्तन विधि, अवेशष विधि, प्रायोगिक शोध अभिकल्प के प्रकार

इकाई-9 प्रायोगिक शोध के लिए कुछ मूल्यवान अथवा समृद्ध शोध अभिकल्प निदर्श

शोध अभिकल्प निदर्श, दो से अधिक यादृच्छिक समूह अभिकल्प, बहु समूह यादृच्छिक पात्र अभिकल्प, यादृच्छिक सादृश्य समूह अभिकल्प, सादृश्य पूर्व पश्चात् नियन्त्रित समूह अभिकल्प, अनुरूपित पूर्व पश्चात् यादृच्छिक अभिकल्प, तीन समूह स्वरूप प्रयोग समूह एवं नियन्त्रित समूह अभिकल्प चार समूह स्वरूप प्रयोग समूह एवं नियन्त्रित समूह अभिकल्प, 2 × 2 तात्विक अभिकल्प निदर्श, केवल यादृच्छीकृत समेलित पश्चात् परीक्षण नियन्त्रित समूह शोध अभिकल्प, पूर्व परीक्षण पश्चात् परीक्षण नियन्त्रित समूह शोध अभिकल्प, यादृच्छीकृत एक मार्गीय एनोवा शोध अभिकल्प, यादृच्छीकृत अवरूद्ध एक मार्गीय एनोवा अभिकल्प।

तृतीय खण्ड -

इकाई-10 अवलोकन

अवलोकन की परिभाषा व इसकी विशेषताएँ, अवलोकन के प्रकार, अवलोकन विधि का महत्व एवं सीमाएँ।

इकाई-11 साक्षात्कार

साक्षात्कार की परिभाषा व विशेषताएँ, साक्षात्कार के प्रमुख प्रकार, साक्षात्कार विधि का महत्व एवं दोष या सीमाएँ।

इकाई-12 अनुसूची

अनुसूची की परिभाषा उद्देश्य एवं विशेषताएँ, अनुसूची के प्रकार, अनुसूची निर्माण की प्रक्रिया, अनुसूची की उपयोगिता एवं सीमाएं।

इकाई-13 प्रश्नावली

प्रश्नावली का अर्थ एवं विशेषताएँ, प्रश्नावली के प्रारूप/स्वारूप, प्रश्नावली के निर्माण के समय सावधानियाँ, प्रश्नावली के गुण एवं दोष।

इकाई-14 एकल अध्ययन (वैयक्तिक अध्ययन) पद्धति

एकल अध्ययन की परिभाषा एवं विशेषतायें, एकल अध्ययन में तथ्य सामग्री के स्रोत, एकल अध्ययन पद्धति के गुण एवं दोष/सीमाएं।

चतुर्थ खण्ड

इकाई-15 निदर्शन

निदर्शन का अर्थ एवं परिभाषा, एक श्रेष्ठ निदर्शन की विशेषताएँ, निदर्शन का आयोजन, निदर्श का आकार एवं विश्वसनीयता, निदर्शन विधि के गुण एवं दोष।

इकाई-16 निदर्शन के प्रकार, निदर्शन की समस्याएँ एवं उनके उपाय

निदर्शन के प्रमुख प्रकार, दैव अथवा यादृच्छिक निदर्शन, दैव या यादृच्छिक निदर्शन की प्रविधियाँ, दैव निदर्शन के गुण एवं दोष (सीमाएं) स्तरीकृत निदर्शन – स्तरीकृत निदर्शन के प्रकार, स्तरीकृत निदर्शन के लाभ एवं हानियां, बहुस्तरीय निदर्शन, क्रमबद्ध या व्यवस्थित निदर्शन, गुच्छ निदर्शन, गुच्छ निदर्शन के लाभ एवं दोष, असंभावित निदर्शन के लाभ एवं दोष, असंभावित निदर्शन के प्रकार, निदर्शन की प्रमुख समस्याएं एवं उनके उपाय।

इकाई-17 अनुमापन विधियां

अनुमापन (प्रमापन), अनुमापन की आवश्यकता, एक उत्तम अनुमापन की विशेषताएँ, अनुमापन (प्रमापन) की समस्याएं, सामाजिक विज्ञानों में अनुमापन (प्रमापन), अनुमापन के कार्य, पैमाने के प्रकार।

इकाई-18 समाजमिति

समाजमिति पैमाना – समामिति की परिभाषा व प्रकृति, समाजमितिक परीक्षण, समाजमितीय परीक्षण, समाजमितीय पैमाने की प्रक्रिया, समाजमितीय पैमाने के गुण, समाजमितीय पैमाने का महत्व व सीमाएं

पंचम खण्ड

इकाई-19 सांख्यिकी : एक परिचय

सांख्यिकी : अर्थ व परिभाषा, सांख्यिकी के गुण, सांख्यिकी पद्धतियाँ, सांख्यिकी की प्रकृति व इसके कार्य, सांख्यिकी की सीमाएं, साख्यिकी का अन्य विज्ञानों से सम्बन्ध, सामाजिक अनुसंधान में सांख्यिकी का महत्व।

इकाई-20 तथ्यों का वर्गीकरण व सारणीयन

वर्गीकरण : अर्थ व परिभाषा, वर्गीकरण के उद्देश्य व वर्गीकरण की प्रक्रिया, आदर्श वर्गीकरण की विशेषताएँ, गुण व आधार, वर्गीकरण के प्रकार, सारणीयन : अर्थ व परिभाषा, सारणीयन के उद्देश्य, उत्तम सारणी के गुण, सारणी की संरचना, सारणी के प्रकार, सारणीयन के लाभ व सीमाएं।

इकाई-21 समान्तर माध्य, मध्यिका तथा बहुलक

समान्तर माध्यः अर्थ व परिभाषा, समान्तर माध्य निकालने की विधि, समान्तर माध्य के दोष, मध्यिका : अर्थ व परिभाषा, मध्यिका ज्ञात करने की विधियाँ, मध्यिका के दोष, बहुलक : अर्थ व परिभाषा।

इकाई-22 माध्य विचलन व मानक विचलन

माध्य विचलनः अर्थ व विशेषताएं, माध्य विचलन की विशेषताएँ, माध्य विचलन की गणना, माध्य विचलन के गुण एवं दोष, मानक विचलन का प्रमाप विचलन, अर्थ व परिभाषा, मानक विचलन की गणना, मानक विचलन के गुण व विशेषताएँ।

इकाई-23 सह-सम्बन्ध

सह-सम्बन्ध : अर्थ व परिभाषा, सह-सम्बन्ध : अर्थ व परिभाषा, सह-सम्बन्ध विश्लेषण, सह-सम्बन्ध विश्लेषण का महत्व, सह-सम्बन्ध के प्रकार, सह-सम्बन्ध का परिमाण, सह-सम्बन्ध ज्ञात करने की विधियां।

MASY-04

प्रथम खण्ड-

इकाई- 1 धर्म और पुरुषार्थ

धर्म एवं रिलीजन में भेद, धर्म के विभिन्न अर्थ, पुरूषार्थ के रूप में धर्म, धर्म के स्वरूप, आपद्धर्म, स्वधर्म, पुरूषार्थ।

इकाई- 2 वर्णाश्रम व्यवस्था एवं संस्कार

वर्णाश्रम धर्म, वर्ण व्यवस्था का अर्थ, वर्णधर्म, वर्ण प्रदान करने का आधार, वर्णव्यवस्था का समाजशास्त्रीय महत्व, आश्रम व्यवस्था, आश्रम के प्रकार, गृहस्थ आश्रम, वानप्रस्थ आश्रम, संन्यास आश्रम, संस्कार।

इकाई- 3 कर्म एवं पुनर्जन्म का सिद्धान्त

कर्म एवम् पुनर्जन्म की अवधारणा, कर्म के प्रकार, कर्म और संसार, कर्म के सिद्धान्त, कर्म और भाग्य, कर्म और सिद्धान्त का महत्व, कर्म के सिद्धान्त के दोष।

इकाई- 4 हिन्दुत्व की मान्यताएँ एवं अनेकता में एकता

हिन्दुत्व का परिचय एवं अर्थ, हिन्दुत्व की मान्यताएँ, ऋण, अनेकता में एकता, अनेकता में एक्य भाव।

द्वितीय खण्ड-

इकाई- 5 हिन्दू विवाह एवम् तत्सम्बन्धी सामाजिक विधान

हिन्दू विवाह की अवधारणा, हिन्दू विवाह एक धार्मिक संस्कार, हिन्दू विवाह को धार्मिक संस्कार मानने के कारण, हिन्दू विवाह के उद्देश्य अथवा आदर्श, अन्य उद्देश्य या आदर्श,हिन्दू विवाह के स्वरूप : परम्परागत एवं आधुनिक।

इकाई- 6 मुस्लिम इसाई एवं जनजातीय विवाह एवम् परिवार

मुस्लिम परिवार की अवधारणा, मुस्लिम सामाजिक संगठन, मुस्लिम परिवार का अर्थ, मुस्लिम परिवार की विशेषताएँ, मुस्लिम परिवार के संस्कार, मुस्लिम विवाह, मुस्लिम विवाह की प्रमुख विशेषताएँ, मुस्लिम विवाह की शर्तें, विवाह विधि, मेहर और दहेज, मुस्लिम विवाह में भेद, मुसलमानों में विवाह विच्छेद।

इकाई- 6(i) ईसाई परिवार एवम् विवाह

ईसाई परिवार के भेद, ईसाई परिवार की विशेषताएँ, ईसाई विवार के स्वरूप, जीवन साथी का चुनाव व विवाह पद्धति, विवाह विच्छेद।

इकाई-6(ii) ईसाई परिवार एवम् विवाह

अवधारणा, परिवार के भेद, जनजाति की विशेषताएँ, जनजातीय संगठन विवाह के संगठन विवाह के स्वरूप, विवाह सम्बन्धी निषेध, अधिमान्य विवाह, जीवन साथी चुनने की पद्धतियाँ, पूर्व वैवाहिक तथा अतिरिक्त वैवाहिक यौन सम्बन्ध, विवाह विच्छेद।

इकाई-7 संयुक्त परिवारः अवधारणा, विशेषताएँ, उपादेय परिवर्तन के कारक

संयुक्त परिवारः परिभाषा एवं अवधारणा, संयुक्त परिवार के प्रकार्य, संयुक्त परिवार के दोष, संयुक्त परिवार में परिवर्तन के कारक, संयुक्त परिवार में संरचनात्मक परिवर्तन, संयुक्त परिवार में अन्तक्रियात्मक परिवर्तन।

इकाई-8 विवाह एवम् परिवार में परिवर्तन

अवधारणा, परिवार में संरचनात्मक एवम् प्रकार्यात्मक परिवर्तन, परिवार का बदलता स्वरूप, पारिवारिक विघटन की प्रकृति, परिवार में आधुनिक परिवर्तन के कारण, संयुक्त परिवार का बदलता हुआ स्वरूप, मुस्लिम परिवार में परिवर्तन, परिवार का भविष्य, विवाह में परिवर्तन, बाल विवाह, विवाह के धार्मिक संस्कार के स्वरूप में गिरावट, विवाह सम्बन्धी निषेधों में अन्तर, हिन्दू विवाह अधिनियम, एक विवाह का प्रचलन, विवाह विच्छेद, विधवा पुर्नविवाह, दहेज निषेध अधिनियम 1961, प्रेम विवाह, मुस्लिम स्त्रियों की सामाजिक स्थिति में परिवर्तन, ईसाई विवाह में आधुनिक परिवर्तन।

तृतीय खण्ड

इकाई-9 वर्ण, अर्थ, अवधारणा, उत्पत्ति

वर्ण का अर्थ व अवधारणा, वर्ण व्यवस्था के उद्भव सम्बन्धी सिद्धान्त, विभिन्न वर्णों के कर्तव्य अथवा धर्म वर्णव्यवस्था की विशेषताएँ, वर्ण व्यवस्था का महत्व, वर्णव्यवस्था के दोष।

इकाई-10 जाति-अर्थ, अवधारणा, उत्पत्ति एवं भविष्य

जाति प्रथा का अर्थ व अवधारणा, जाति प्रथा की विशेषताएँ, जाति प्रथा की विशेषताएँ, जाति प्रथा की उत्पत्ति, जाति प्रथा के प्रकार्य, जाति प्रथा के दुष्कार्य, जाति व्यवस्था में परिवर्तन लाने वाले कारक व आधुनिक परिवर्तन, जाति प्रथा का भविष्य।

इकाई-11 वर्ग, अर्थ, अवधारणा, भारत में उदय व विकास

वर्ग, अर्थ, परिभाषा, वर्ग की विशेषताएँ, वर्ग के निर्धारक मापदण्ड, प्रमुख समाजशास्त्रियों के विचार, वर्ग संरचना में घटित आधुनिक परिवर्तन, भारतीय वर्ग संरचना – उदय का विकास।

इकाई-12 वर्ण, जाति एवं वर्ग में अन्तर व जाति व वर्ग के मध्य अन्तक्रियात्मक सम्बन्ध

जाति व वर्ण में अन्तर, जाति व उपजाति, जाति व वर्ग में अन्तर, जाति और वर्ग का अर्न्तक्रियात्मक स्वरूप।

चतुर्थ खण्ड-

इकाई-13 इस्लाम का प्रभाव तथा पारस्परिकता

इस्लाम ग्रन्थ, धार्मिक जीवन पर प्रभाव, जाति व्यवस्था पर प्रभाव, सामाजिक संरचना का प्रभाव, आर्थिक जीवन पर प्रभाव, संस्कृति पर प्रभाव, भाषा, संगीत और कला पर प्रभाव, भारतीय मुसलमानों पर पारस्परिक प्रभाव।

इकाई-14 ईसाईयत का प्रभाव तथा पारस्परिकता

ईसाइयत अर्थात् ईसाई सामाजिक व्यवस्था : अवधारणात्मक स्वरूप, ईसाईयों की भारत में रुचि एवं सांस्कृतिक प्रसार, ईसाइयत का भारतीय समाज पर प्रभाव, ईसाइयत पर भारतीय प्रभाव अर्थात् पारस्परिकता।

इकाई-16 सुधार सम्बन्धी सामाजिक आन्दोलन एवं उनका प्रभाव

सुधार सम्बन्धी सामाजिक आन्दोलन : एक अवधारणात्मक व्याख्या, सुधारवादी सामाजिक आन्दोलन की विशेषताएँ, भारत के प्रमुख समाज सुधार आन्दोलन एवं उनका प्रभाव।

पंचम खण्ड-

इकाई-17 संस्कृतिक और पश्चिमीकरण तथा संस्थागत परिवर्तन

अवधारणा, भारत में जाति और परिस्थिति गतिशीलता, निम्न जातियों द्वारा ब्राह्मणों की प्रथाओं की नकल, संस्कृतिकरण और ब्रह्माणीकरण, संस्कृतिकरण की विशेषताएं, संस्कृतिकरण तथा भारत में सामाजिक – सांस्कृतिक परिवर्तन के स्वरूप, पश्चिमीकरण की अवधारणा, पश्चिमीकरण की अवधारणा, पश्चिमीकरण और नगरीकरण, पश्चिमीकरण और आधुनिकीकरण, पश्मिीकरण की सीमा, पश्चिमीकरण एक जटिल अवधारणा।

इकाई-18 नगरीकरण एवं औद्योगीकरण का सामाजिक प्रभाव

नगरीकरण और औद्योगीकरण का अर्थ, नगरीकरण एवं औद्योगीकरण एक संयुक्त प्रक्रिया, भारतीय समाज पर औद्योगीकरण का प्रभाव।

इकाई-19 उदारीकरण एवं भूमण्डलीकरण के सामाजिक, सांस्कृतिक परिणाम

उदारीकरण का अर्थ, आर्थिक उदारीकरण की विशेषताएँ, आर्थिक उदारीकरण के विविध परिणाम, भूमण्डलीकरण की अवधारणा, भारत में भूमण्डलीकरण, भूमण्डलीकरण के सामाजिक परिणाम, भूमण्डलीकरण के सांस्कृतिक परिणाम।

इकाई-20 भारतीय समाज में आधुनिकीकरण : परम्परा एवं आधुनिकता

पाठ योजना, परम्परागत अथवा सरल भारतीय समाज, परम्परा इतर अथवा आधुनिक समाज, आधुनिकता का अर्थ एवं लक्षण – आधुनिकता पर समाज वैज्ञानिकों के मत, आधुनिकता के लक्षण, भारत में परम्परा की प्रकृति, आर्थिक दृष्टि से सरल समाज, आर्थिक दृष्टि से आधुनिक समाज, राजनैतिक दृष्टि से सरल एवं आधुनिक समाज।

MASY-05

प्रथम खण्ड-

इकाई- 1 सामाजिक परिवर्तन, उद्‌विकास, प्रगति एवं विकास

सामाजिक परिवर्तन की अवधारणा, सामाजिक परिवर्तन की विशेषताएँ, समाज परिवर्तन के विभिन्न परिवर्तन, सामाजिक परिवर्तन की प्रमुख प्रक्रियाएं, उद्‌विकास (अर्थ एवं परिभाषा), प्रगति (अर्थ एवं परिभाषा)।

इकाई- 2 अर्धविकास, विकास व स्थितर विकास

अर्ध विकास अभिप्राय, अर्ध विकास अवधारणा, अर्ध विकास के कारण, भारत में अर्ध विकास, विकास में अभिप्राय, सामाजिक विकास, सामाजिक विकास के मापदण्ड, सामाजिक विकास के आधार, सामाजिक विकास को प्रभावित करने वाले कारक, सामाजिक विकास के प्रकार्य, स्थिर विकास अभिप्राय व अवधारणा।

इकाई- 3 विकास के सिद्धान्त

विकास के सिद्धान्त का अर्थ एवं परिभाषा, विकास के आर्थिक सिद्धान्त, विकास के संस्थागत, प्रतिक्रियात्मक और वैश्विक सिद्धान्त।

इकाई- 4 विकास के मॉडेल

विकास के मॉडल प्रारूप का अर्थ एवं परिभाषा, सामाजिक परिवर्तन की विशेषताएँ, पूँजीवादी विकास के प्रारूप, सामाजिक विकास के प्रारूप, गाँधी विकास का प्रारूप।

द्वितीय खण्ड

इकाई- 5 आर्थिक विकास

आर्थिक विकास की अवधारणा, आर्थिक विकास के स्तर, क्षेत्रीय विषमताएँ, संतुलित क्षेत्रीय विकास की नीति, सातवीं पंचवर्षीय योजना (1985-90) आठवीं पंचवर्षीय योजना, नवीं पंचवर्षीय योजना।

इकाई- 6 सामाजिक एवं आर्थिक विकास

अर्थ एवं परिभाषा, सामाजिक परिवर्तन की विशेषताएँ, सामाजिक एवं सांस्कृतिक परिवर्तन दो भिन्न धारणायें, सामाजिक परिवर्तन एवं आर्थिक विकास के कार्यकारण, आर्थिक विकास के अवरोध।

इकाई- 7 आर्थिक विकास की सामाजिक, सांस्कृतिक एवं पर्यावरणीय सम्याएँ एवं परिणाम

समस्याएँ एवं ध्यान देने योग्य बातें, सामाजिक समस्याएँ, संस्कृति एवं विकास में प्रगाढ़ संबंध, अभौतिक संस्कृति का प्रभाव, पर्यावरणगत समस्याएं एवं परिणाम।

इकाई-8 उदारीकरण, वैश्वीकरण

उदारीकरण एवं वैश्वीकरण की अवधारणा, उदारीकरण एवं वैश्वीकरण से आर्थिक विकास, सामाजिक एवं सांस्कृतिक परिणाम, वैश्वीकरण अर्थव्यवस्था की चुनौतियाँ, उदारीकरण, एवं वैश्वीकरण के युग में गरीबी तथा असमानता, वैश्विक भोज्य पदार्थों की भावी सुरक्षा, वैश्वीकरण का बायोडाइवर्सिटी से सम्बन्ध, वैश्वीकरण और जल संसाधन।

तृतीय खण्ड-

इकाई-9 नगरीकरण एवं औद्योगीकरण

नगरीकरण की अवधारणा एवं प्रक्रिया, विश्व में नगरीकरण, नगरीकरण की विशेषतायें, नगरीकरण के कारण, नगरीकरण के प्रभाव, औद्योगिकरण की अवधारणा एवं प्रक्रिया, औद्योगीकरण के प्रभाव, औद्योगीकरण एवं सामाजिक परिवर्तन, नगरीकरण एवं औद्योगीकरण में सम्बन्ध।

इकाई-10 पश्चिमीकरण

पश्चिमीकरण की अवधारणा, पश्चिमीकरण की विशेषतायें अथवा लक्षण, पश्चिमीकरण एवं सामाजिक परिवर्तन, धार्मिक जीवन में परिवर्तन, पश्चिमीकरण एवं आधुनिकीकरण में अन्तर।

इकाई-11 आधुनिकीकरण एवं उत्तर आधुनिकीकरण

आधुनिकीकरण की अवधारणा, आधुनिकीकरण की विशेषताएँ, भारत में आधुनिकीकरण, आधुनिकीकरण का भारतीय समाज में प्रभाव, उत्तर आधुनिकीकरण का भारतीय समाज में प्रभाव, उत्तर आधुनिकीकरण : एक अवधारणा विवेचन।

इकाई-12 आधुनिकीकरण एवं विकास

आधुनिकीकरण की अवधारणा, विकास की अवधारणा एवं उसके विभिन्न आयाम, आधुनिकीकरण एवं विकास।

चतुर्थ खण्ड -

इकाई-13 विकसित व विकासशील समाज

विकसित समाज के तात्पर्य, विकसित समाज के लक्षण (विशेषताएँ), विकासशील समाज से तात्पर्य, विकासशील समाज के लक्षण (विशेषताएँ)।

इकाई-14 विकसित व विकासशील समाजों का सम्बन्ध

विकसित समाज से तात्पर्य, विकसित समाज के लक्षण (विशषताएँ) विकासशील समाज से तात्पर्य, विकासशील समाज के लक्षण (विशेषताएँ)।

इकाई-15 विकाशील समाजों की समस्याएँ

विकासशील समाज की परिभाषा, समस्याएं, सामाजिक समस्याएं, राजनैतिक बाधाएं, सांस्कृतिक कारक, पर्यावरणीय समस्या।

इकाई-16 परम्परा, आधुनिकता एवं विकास

परम्परा और आधुनिकता में संबंध, परम्परा का अर्थ एवं महत्व, आधुनिकता का अर्थ एवं महत्व, असमकालीन की समकालीनता (परम्पराओं की आधुनिकता), परम्परा, आधुनिकता और विकास, प्रतिमान चर, प्रतिमान चरों के आधार पर परम्परागत और आधुनिक समाज की प्रकृति।

पंचम खण्ड

इकाई-17 शिक्षा, सामाजिक परिवर्तन एवं विकास

समाजशास्त्र के उदय के पृष्ठभूमि, शिक्षा : प्रकार्यवादी परिप्रेक्ष्य, शिक्षा मार्क्सवादी व उदारवादी परिप्रेक्ष्य, शिक्षा के प्रकार व प्रकार्य, परम्परागत व आधुनिक भारत में शिक्षा, शिक्षा, असमानता और सामाजिक परिवर्तन, सामाजिक परिवर्तन के स्रोत के रूप में शिक्षा।

इकाई-18 जनसंचार एवं विकास (Mass Communication and Development)

जनसंचार माध्यम – अवधारणा व सिद्धान्त, जनसहभागी प्रसारण सामाजिक विकास का अस्त्र, जनसंचार माध्यमों की सामाजिक भूमिका, संचार और सांस्कृतिक विकास, जनसेवा प्रसारण, सामाजिक विकास के जनसंचार माध्यमों की भूमिका, विकाशील देशों में इलेक्ट्रानिक जनप्रसारण माध्यम।

इकाई-19 जनसंचार, वैश्वीकरण एवं उदारीकरण

जनसंचार की अवधारणा, जनसंचार माध्यमों की सामाजिक भूमिका, वैश्वीकरण की अवधारणा, उदारीकरण की अवधारणा, अन्य समानार्थक अवधारणायें वैश्वीकरण व उदारीकरण : भारतीय परिप्रेक्ष्य में।

इकाई-20 शिक्षा, जनसंचार एवं विकास का मिथक एवं वास्तविकता

शिक्षा : अर्थ परिभाषाएँ, विकास में भूमिका, जनसंचार की अवधारणा, सारांश।

MASY-06

प्रथम खण्ड-

इकाई-1 सामाजिक नियोजन का अर्थ एक परिभाषा

सामाजिक नियोजन का अर्थ एवं परिभाषा, सामाजिक नियोजन के उद्देश्य, नियोजन का प्रादुर्भाव, नियोजन का अर्थ, नियोजन की परिभाषा, नियोजन की भूमिका एवं महत्व।

इकाई-2 सामाजिक नियोजन की अवधारणा का उद्‌भव एवं विकास

सामाजिक नियोजन की अवधारणा का उद्‌भव, सामाजिक नियोजन एवं सामाजिक मूल्य, सामाजिक नियोजन का दूरगामी लक्ष्य।

इकाई-3 सामाजिक नियोजन के उद्देश्य एवं

सामाजिक नियोजन की आवश्यकता, सामाजिक नियोजन के उद्देश्य, सामाजिक नियोजन की सीमाएँ, सामाजिक नियोजन के चरण।

इकाई-4 नियोजन एवं विकास का सम्बन्ध

विकास की अवधारणा, सामाजिक विकास, सामाजिक विकास के अवयव, सामाजिक नियोजन एवं विकास, सामाजिक नियोजन का मूल्यांकन।

द्वितीय खण्ड-

इकाई-5 सम्पूर्णवादी नियोजन

सम्पूर्णतावादी नियोजन एवं अवधारणा, सम्पूर्णवादी नियोजन के गुण एवं दोष।

इकाई-6 प्रजातांत्रिक नियोजन

प्रजातन्त्रिक नियोजन का अर्थ, प्रजातान्त्रिक नियोजन की मूलभूत विशेषताएँ गुण एवं दोष।

इकाई-7 समाजवादी नियोजन

समाजवादी नियोजन का अर्थ, समाजवादी नियोजन की उपलब्धियों को प्राप्त करने में कठिनाइयां, समाजवादी नियोजन के प्रति आवश्यकता।

इकाई-8 नियोजन संबंधी भारतीय मत

नियोजन सम्बन्धी भारतीय मत, नियोजन के मुख्य उद्देश्य, विकेन्द्रीकृत नियोजन की प्रमुखता।

तृतीय खण्ड

इकाई-9 कल्याणकारी राज्य की अवधारणा का उदय एवं विकास

अर्थ व परिभाषा, कल्याणकारी राज्य की प्रकृति, कल्याणकारी राज्य की उत्पत्ति व विकास, कल्याणकारी राज्य के कार्य, कल्याणकारी राज्य के गुण, कल्याणकारी राज्य के दोष।

इकाई-10 अनुसूचित जाति : समस्याएँ एवं कल्याणकारी योजनाएँ

अनुसूचित जाति का अर्थ व परिभाषा, अनुसूचित जातियों की संख्या, अनुसूचित जातियों की समस्याएं (निर्योग्यताएं), समस्या सम्बन्धित वर्तमान स्थिति, संवैधानिक व कल्याणकारी विकास हेतु प्रावधान।

इकाई-11 अनुसूचित जनजाति व अन्य पिछड़े वर्गः समस्याएं एवं कल्याणकारी योजनाएँ

अनुसूचित जनजाति – अर्थ व परिभाषा, जनजातीय विशेषताएँ (लक्षण) जनजातियों का भौगोलिक वितरण, जनजातियों की समस्याएँ, जनजातीय कलयाण के कार्य, अन्य पिछड़े वर्ग - अर्थ व परिभाषा, अन्य पिछड़े वर्ग सम्बन्धित आयोग, अन्य पिछड़े वर्गों की समस्याएँ, अन्य पिछड़े वर्ग के कल्याण हेतु प्रावधान।

इकाई-12 कमजोर वर्ग : महिला व बाल विकास : समस्याएँ व प्रावधान

कमजोर वर्ग - महिला एवं शिशु, महिला विकास, महिलाओं की जनसंख्यात्मक स्थिति, भारतीय महिलाओं की समस्याएँ, कल्याणकारी प्रावधान, बाल विकास – अर्थ, बाल कल्याण के उद्देश्य, बाल कल्याण से सम्बन्धित संवैधानिक प्रावधान व अन्य कल्याणकारी कार्यक्रम।

चतुर्थ खण्ड-

इकाई-13 सामुदायिक विकास कार्यक्रम

सामुदायिक विकास की अवधारणा, सामुदायिक विकास योजना की पृष्ठभूमि एवं सूत्रपात, सामुदायिक विकास कार्यक्रम की आधारभूत मान्यताएं, सामुदायिक विकास योजना का प्रशासनिक संगठन, सामुदायिक विकास योजना का कार्य क्षेत्र, ग्रामीण विकास में सामुदायिक विकास कार्यक्रम का योगदान, सामुदायिक विकास योजना की उपलब्धियों का मूल्यांकन।

इकाई-14 समन्वित ग्रामीण विकास योजना

समन्वित ग्रामीण विकास कार्यक्रम की संरचना, समन्वित ग्रामीण विकास कार्यक्रम का स्वरूप, समन्वित ग्रामीण विकास योजना का प्रशासनिक क्रियान्वयन, समुचित ग्रामीण विकास कार्यक्रम : लक्ष्य एवं उलपब्धि, समन्वित ग्रामीण विकास कार्यक्रम की आलोचनात्मक समीक्षा।

इकाई-15 स्वर्ण जयन्ती ग्राम स्वरोजगार योजना

स्वर्णजयन्ती रोजगार योजना – कार्य प्रणाली, स्वर्ण जयन्ती ग्राम स्वरोजगार योजना की विशेषता, बैंक ऋण एवं अनुदान, कार्यान्वयन।

इकाई-16 सम्पूर्ण ग्रामीण रोजगार योजना

सम्पूर्ण ग्रामीण रोजगार योजना की विस्तृत रूपरेखा, सम्पूर्ण ग्रामीण रोजगार योजना के अंतर्गत खाद्यान्न, संपूर्ण ग्रामीण रोजगार योजना के अंतर्गत मजदूरी, संसाधनों का मानदंड, आवंटन तथा उपयोग, आयोजना, कार्य और निष्पादन, निगरानी एवं मूल्यांकन।

पंचम खण्ड

इकाई-17 नीति : अवधारणा, अर्थ एवं प्रकार

नीति : अर्थ सामाजिक नीति : अर्थ व परिभाषा, सामाजिक नीति की आवश्यकता, सामाजिक नीति : लक्ष्य व कार्य, सामाजिक नीति : उद्देश्य, सामाजिक नीति : विशेषतायें, सामाजिक नीति : क्षेत्र, सामाजिक नीति व सामाजिक विकास, सामाजिक नीति निर्धारण के प्रमुख तथ्य सामाजिक नीतिः सिद्धान्त, सामाजिक नीति व समाज कल्याण नीति में अंतर, सामाजिक नीति को प्रभावपूर्ण बनाने हेतु सुझाव।

इकाई-18 भारत की आर्थिक नीति : स्वतन्त्रता प्राप्ति से वर्तमान तक

आर्थिक नीति का अर्थ, आर्थिक नीति के उद्देश्य, आर्थिक नीति के उपकरण, आर्थिक नीति के आयाम, सन् 1991 के पूर्व आर्थिक नीति, नई आर्थिक नीति एवं इसकी विशेषतायें, नई आर्थिक नीति की समीक्षा।

इकाई-19 संस्कृति, नीति नियोजन व विकास

संस्कृति की अवधारणा, आर्थिक नीति के उद्देश्य, भारतीय अर्थव्यवस्था की कार्यनीति, संस्कृति, नीति नियोजन एवं विकास में अन्तर्सबन्ध।

इकाई-20 सामाजिक नीति एवं जीवन की गुणवत्ता

सामाजिक नीति का अभिप्राय, अच्छे जीवन के गुण अथवा लक्षण, सामाजिक नीति एवं जीवन की गुणवत्ता में सह सम्बन्ध, जीवन का अर्थ, जीवन जीना एक कला, विभिन्न जीवन दर्शन, गुणोपेत जीवन में आधारभूत आवश्यकताओं का मापदण्ड - क्रय शक्ति समता सूचकांक, भौतिक जीवन की गुणवत्ता सूचकांक। आर्थिक विकास और जीवन की गुणवत्ता में संबंध, जीवन सुधार से जुड़ी सरकारी नीतियों की झलक, जीवन की विभिन्न अवस्थाओं से जुड़ा जीवन, जीवन की गुणवत्ता एवं प्रो. राम कृष्ण मुकर्जी।

MASY-09

प्रथम खण्ड-

इकाई- 1 भारत में नगरीय समाज

नगर की अवधारणा, नगरों का प्रादुर्भाव

इकाई- 2

नगर की विशेषताएँ, नगरों का वर्गीकरण, प्रमुख नगरीय संस्थायें।

इकाई- 3 नगरीय समुदाय एवं स्थानीय आयाम-पार्क, बर्गेस एवं मैकेन्जी के सिद्धान्त

राबर्ट ई. पार्क का सिद्धान्त, अर्नेस्ट डब्ल्यू0 बर्गेस का सिद्धान्त, आर0 डी0 मैकेन्जी का सिद्धान्त।

इकाई- 4 नगरीय एवं शहरी आयाम के रूप में समाजशास्त्रीय परम्परा

इमाइल दुर्खीम : यान्त्रिक एवं सावयवी सुदृढ़ता वाले समाज, कार्ल मार्क्स : समाज के उद्विकास में उत्पादन के प्रकारों की भूमिका, टॉनीज : जैमिनशॉफ्ट से जैसिलशॉफ्ट की ओर, मैक्सवेबर : वाणिज्य-व्यापारिक सम्बन्धों का बढ़ता प्रभुत्व।

इकाई- 5 सांस्कृतिक स्वरूप

सांस्कृतिक स्वरूप सम्बन्धी सिद्धान्त।

द्वितीय खण्ड - भारत में नगरीय समाजशास्त्र

इकाई- 1 नगरीकरण की उभरती प्रवृत्तियाँ

नगरीकरण का अर्थ, परिस्थितियाँ, विश्व में नगरीकरण की प्रवृत्तियाँ, भारत में नगरीकरण की प्रवृतियाँ।

इकाई- 2 नगरीकरण के कारक

नगरीकरण के औद्योगिक कारक, प्रौद्योगिक कारक, आर्थिक कारक, राजनीतिक कारक, सामाजिक कारक, भूमण्डलीय कारक।

इकाई- 3 नगरीकरण के समाजशास्त्रीय आयाम

1. समाजशास्त्रीय विश्लेषण की कठिनाइयाँ
2. नगरीकरण एवं नगरीयता का भेद
3. औद्योगीकरण एवं नगरीकरण में अन्तर
4. औद्योगीकरण एवं नगरीकरण से सम्बन्ध

5. नगरीकरण और नगरीय विकास
6. नगरीय समस्याएँ और चुनौतियाँ
7. नगरीय समस्याएँ और चुनौतियाँ
8. नगर प्रशासन का बढ़ता दायित्व।

इकाई-4 नगरीकरण के सामाजिक परिणाम

1. परिवार की संरचना में परिवर्तन
2. जाति व्यवस्था पर प्रभाव
3. स्त्रियों की स्थिति में परिवर्तन
4. जनसंख्या की अनियंत्रित वृद्धि
5. धर्म के प्रभाव में कमी
6. सामुदायिक जीवन में अनिश्चित
7. मलिन बस्तियों का विकास

इकाई-5 नगरों का भावी स्वरूप

भावी नगरों की समस्याएँ, समाधान की भावी नीतियाँ

तृतीय खण्ड - नगरीय केन्द्रों का वर्गीकरण

इकाई-1 लघु नगर, बड़े नगर एवं वृहद, नगर

नगरीकरण अर्थ एवं परिभाषा, विश्व के नगरीकरण की प्रक्रिया भारत में नगरीकरण की प्रक्रियाएँ, नगर का विकास और उद्भव, नगरीय केन्द्रों का वर्गीकरण लघु नगर अर्थ व परिभाषा, जनगणना के अनुसार लघु नगर की आवधारणा, लघु नगर की विशेषताएँ, बड़े नगर का अर्थ व परिभाषाएँ, बड़े नगर की विशेषताएँ, महानगर अर्थ एवं परिभाषा, भारत में महानगर

चतुर्थ खण्ड - नगरीय, सामाजिक समस्यायें

इकाई-1 मलिन बस्तियों में वृद्धि एवं पर्यावरण प्रदूषण

1. मलिन बस्ती की अवधारणा, वर्गीकरण
2. भारत में मलिन बस्तियों का उद्भव एवं विकास
3. मलिन बस्तियों का पुनर्वास
4. पर्यावरण प्रदूषण की समस्या

इकाई-2 व्यावसायिक गतिशीलता एवं पारिवारिक अस्थिरता

व्यावसायिक गतिशीलता का अर्थ एवं स्वरूप, कारण एवं परिणाम पारिवारिक

अस्थिरता की अवधारणा, नगरीकरण, व्यावसायिक गतिशीलता एवं पारिवारिक अस्थिरता।

इकाई-3 आवास की समस्या एव मौलिक आवश्यकताओं की अपर्याप्तता

भारतीय नगरों की आवास की समस्या, मौलिक आवश्कताओं की अपर्याप्तता, राष्ट्रीय आवास नीति एवं विकास कार्यक्रम।

इकाई-4 नगरीय निर्धनता, बेरोजगारी तथा प्रवजन

भारत में नगरीय निर्धनता, निर्धनता एवं बेरोजगारी प्रवजन, नगरीकरण एवं निर्धनता।

इकाई-5 नगरों में अपराध की प्रकृति एवं स्वरूप

अपराध की अवधारणा, वर्गीकरण, भारतीय नगरों में अपराध वृद्धि, नगरीय अपराध की प्रकृति एवं स्वरूप।

पंचम खण्ड - नगरीय समाजशास्त्र के सैद्धान्तिक पक्ष

इकाई-1 नगरीय सामाजशास्त्र के अध्ययन के प्रमुख उपागम

नगरीय समाजशास्त्र की प्रकृति, नगरीय समाजशास्त्र में अध्ययन किये जाने वाले मुद्दे, नगरीय समाजशास्त्र से जुड़े उपागम, नगरीय समाजशास्त्र से संबंधित सिद्धान्त, नगरीय समाजशास्त्र का विषय क्षेत्र, नगरीय समाजशास्त्र से जुड़े मैक्स वेबर के विचार नगरीय समाजशास्त्र से जुड़े पार्क बर्गेस के विचार।

इकाई-2 नगर, नगरीकरण एवं नगरवाद

नगर उत्थान का ऐतिहासिक संदर्भ, नगर की परिभाषा, प्रकृति एवं विशेषताएं, नगरीकरण की प्रक्रिया ऐतिहासिक संदर्भ नगरीकरण की परिभाषा, प्रकृति एवं विशेषताएँ, नगरीकरण के तत्व एवं इससे जुड़े जनसांख्यिकीय दृष्टिकोण, नगरवाद के उदय का ऐतिहासिक संदर्भ, नगरवाद की अवधारणा से जुड़े सिद्धान्त।

इकाई-3 भारत में नगर-नियोजन एवं नगरीय प्रबंधन की समस्याएं

प्राचीन नगरों का स्वरूप आजादी के बाद भारत में नगर नियोजन एवं नगर नियोजन से संबंधित समस्याएं, नगर नियोजन तथा मलिन बस्तियों की समस्याएं वैश्वीकरण के दौर में नगर नियोजन की समस्या, भारत के बड़े शहर एवं मलिन बस्तियों की समस्या, पंचवर्षीय योजना में नियोजन तथा उसकी समस्या।

इकाई-4 क्षेत्रीय नियोजन तथा सामाजिक एवं स्थानीय सिद्धान्तों में संबंद्धता

नगरीय क्षेत्र के कार्य, क्षेत्रीय नियोजन नगरीय स्थानों के व्यापक प्रभाव, नगरीय क्षेत्र में संबंधित सिद्धान्त, शहरी स्थापन से जुड़े आधार, क्षेत्रीय आधार पर नगर

स्थापन से जुड़े अध्ययन, क्षेत्रीय नियोजन, बृहद नगर विशेषताएँ, वृहद नगर के उदाहरण।

इकाई-2 नगर के औद्योगिक आधार, उद्योग केन्द्रित विकास

नगर की अवधारणा, नगर बसके के आधार, नगर का औद्योगिक आधार, नगरीय औद्योगीकरण की विशेषताएँ, भारत के प्रमुख औद्योगिक नगर-केन्द्र नगरीकरण एवं विकास, नगर एवं उद्योग केन्द्रित विकास भारत में नगरीकरण और औद्योगीकरण का स्वरूप।

इकाई-3 नगर के व्यावसायिक संरचना में परिवर्तन का स्वरूप

सामाजिक संरचना अर्थ, नगरीय सामाजिक संरचना, नगरीय सामाजिक संरचना की प्रमुख विशेषताएँ, नगरीय सामाजिक संरचना के आधार, नगर के सामाजिक परिवर्तन एवं इसके कारक, नगरीय व्यावसायिक संरचना में परिवर्तन का स्वरूप।

इकाई-4 व्यावसाय संरचना में परिवर्तन का सामाजिक संरचना पर प्रभाव

व्यावसायिक संरचना का अर्थ, व्यावसायिक संरचना में परिवर्तन तथा उसका कारक, सामाजिक संरचना का अर्थ, परिभाषा, नगरीय समाज एवं सामाजिक संरचना व्यवसायी संरचना का सामाजिक संरचना पर प्रभाव।

इकाई-5 धार्मिक नगरों का स्वरूप एवं महत्व

नगर के अर्थ, धार्मिक नगर अर्थ एवं परिभाषा, नगर एवं धार्मिक नगर में अन्तर धार्मिक नगर का स्वरूप, विश्व के प्रमुख धार्मिक नगर, धार्मिक नगर के महत्व।

इकाई-5 ग्रामीण नगरीय सातत्य

ग्रामीण नगरीय द्विभाजन, ग्रामीण नगर सातत्यक, ग्रामीण नगर सातत्य से जुड़े लुई वर्थ के विचार, ग्रामीण नगरीय सातत्य का भारतीय समाज के अध्ययन में महत्व।

MASW-01

1. **समाज कार्य का अर्थ एवं विषय क्षेत्र**
   (Meaning and scope and Social Work)
   1. समाज कार्य का अर्थ
   2. समाज कार्य की परिभाषा
   3. समाज कार्य के उद्देश्य
   4. समाज कार्य का विषय क्षेत्र
   5. लोक तन्त्र तथा समाज कार्यों का स्वरूप
2. **समाज कार्य एवं अन्य अवधारणाएँ**
   (Social Work and other Concept)
   1. समाज कार्य / समाज कल्याण
   2. सामाजिक सेवाएं एवं समाज कार्य
   3. समाज कार्य एवं सामाजिक सुरक्षा
   4. सामाजिक कार्य एवं समाज सुधार
   5. समाज कार्य एवं सामाजिक नीति
3. **समाज कार्य एवं अन्य सामाजिक विज्ञान**
   (Social Work and other Social Science)
   1. समाज कार्य एवं समाज शास्त्र
   2. समाज कार्य एवं औद्योगिक समाज शास्त्र
   3. समाज कार्य एवं मनोविज्ञान
   4. समाज कार्य एवं सामाजिक मनोविज्ञान
   5. समाज शास्त्र एवं अर्थ शास्त्र
4. **समाज कार्य को मौलिक मूल्य**
   (Basic value of Social Work)
   1. मूल्य का अर्थ-समाज कार्य के मूल्य
   2. समाज कार्य-एक व्यवसाय
   3. व्यवसाय का अर्थ-व्यवसाय का गुण
   4. समाज का व्यावसायिक रूप

5. **समाज कार्य -एक व्यवसाय**
(Social Work as a Profession)

1. व्यवसाय का अर्थ, व्यवसाय के गुण एवं मानदण्ड, भारत में समाज कार्य का व्यावसायिक रूप।

6. **इंगलैण्ड में समाज कार्य का इतिहास**
(History of Social Work in England)

1. यूरोपीय पृष्ठभूमि
2. इंग्लैण्ड का आधुनिक सामाजिक सुरक्षा कार्यक्रम
3. इंग्लैण्ड में समाज सुधार एवं चैरिटी आर्गेनाइजेशन-समाज सुधार
4. चैरिटी आर्गेनाइजेशन सोसाइटी।

7. **अमेरिका में समाज कार्य का इतिहास**
(History of Social Work in America)

1. समाज कार्य का विकास
2. 1935 से 1960 तक समाज कार्य का विकास
3. 1961 और इसके बाद समाज कार्य का विकास

8. **भारत में समाज कार्य का इतिहास**
(History of Social Work in India)

1. समाज कार्य के विकास की धार्मिक पृष्टभूमि
2. धार्मिक एवं समाज सुधार आन्दोलन
3. सामाजिक सेवाओं का संस्थागत विकास
4. बीसवीं शताब्दी में समाज कार्य का विकास
5. कल्याणकारी राज्य का विकास
6. व्यावसायिक समाज कार्य शिक्षा एवं प्रशिक्षण का विकास

9. **व्यक्तिगत समाज कार्य (सिद्धान्त)**
(Social Case work-Principles)

1. व्यक्तिगत समाज कार्य की उत्पत्ति : अन्वेषीय एवं शास्त्रीय चरण
2. समाजशास्त्रीय चरण – मेरी रिचमण्ड का प्रभाव

3. व्यक्तिगत समाज कार्य क्या है?
4. विशिष्ट व्यक्तिगत समाज कार्य
5. डाइग्नोस्टिक एवं फंक्शनल स्कूल ऑफ केसवर्क
6. व्यक्तिगत समाज कार्य की परिभाषा
7. व्यक्तिगत समाज कार्य की मौकि मान्यतायें।

10. समाज कार्य के मौलिक मूल्य
(Basic value of Social Work)

1. मूल्य का अर्थ - समाज कार्य के मूल्य
2. समाज कार्य - एक व्यवसाय
3. व्यवसाय का अर्थ-व्यवसाय का गुण
4. समाज का व्यावसायिक रूप

11. व्यक्तिगत समाज कार्य (अभ्यास)
(Social casework-Practice)

1. व्यक्तिगत समाज कार्य की प्रमुख प्रक्रियाएँ
2. व्यक्तिगत समाज कार्य अभ्यास में साक्षात्कार, निदान एंव मूल्यांकन और उपचार की योजना का प्रतिपादन।
3. व्यक्तिगत समाज कार्य अभ्यास में निदान
4. निदान एक समग्राकृति अवधारणा, निदान में वर्गीकरण, उपचार
5. व्यक्तिगत समाज कार्य में उपचार का केन्द्र
6. समाज कार्य अभ्यास में परामर्श
7. व्यक्तिगत समाज कार्य अभ्यास में चिकित्सक हस्ताक्षर

MASW-02

1. भारतीय समाज सेवा
2. भारत में समाज-कार्य शिक्षण-प्रशिक्षण
3. वैयक्तिक सेवा कार्य
4. सामूहिक कार्य
5. सामुदायिक संगठन
6. समाज कल्याण प्रशासन
7. सामाजिक क्रिया
8. सामाजिक शोध
9. परिवार कल्याण
10. बाल कल्याण
11. युवा कल्याण

MASW-03

1. राजनैतिक समाजशास्त्र : परिचय, विषय-सामग्री एवं क्षेत्र

1. राजनैतिक समाजशास्त्र का अर्थ, परिभाषा तथा विषेषताएँ
2. राजनैतिक समाजशास्त्र की विषय-सामग्री एवं क्षेत्र
3. क्या राजनैतिक समाजशास्त्र एक विज्ञान है?
4. राजनैतिक समाजशास्त्र का अन्य सामाजिक विज्ञानों से सम्बन्ध

2. राजनैतिक समाजशास्त्र का विशिष्ट उपागम

1. राजनैतिक समाजशास्त्र का उद्भव और विकास
2. राजनैतिक समाजशास्त्र की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि
3. राजनैतिक समाजशास्त्र के अध्ययन का महत्व

3. राजनैतिक व्यवस्था एवं समाज में अंतः संबंध

1. राजनैतिक व्यवस्था : परिभाषा तथा विशेषताएँ
2. राजनैतिक व्यवस्थाओं का वर्गीकरण
3. राजनैतिक व्यवस्था व समाज में अंतःसंबंध

4. प्रजातांत्रिक व्यवस्था

1. प्रजातंत्र : परिभाषाएँ तथा विशेषताएँ
2. प्रजातंत्र : प्रकार, मूल सिद्धान्त, गुण व दोष
3. भारत में प्रजातंत्र

5. राजनैतिक समाजीकरण

1. राजनैतिक समाजीकरण : अर्थ एवं परिभाषा
2. राजनैतिक समाजीकरण की प्रकृति एवं विशेषताएँ
3. राजनैतिक समाजीकरण के प्रकार व अध्ययन के स्तर
4. राजनैतिक समाजीकरण के अभिकरण, निर्धारक तत्व तथा महत्व

6. समाज में शक्ति के वितरण का अभिजन सिद्धान्त

1. राजनैतिक अभिजन : अर्थ, परिभाषा एवं विशेषताएँ
2. राजनैतिक अभिजन के प्रकार
3. राजनैतिक अभिजन के सिद्धान्त एवं उनकी आलोचनाएँ
4. भारत में राजनैतिक अभिजन

7. प्रबुद्धजन (बुद्धजीवी)

1. बुद्धजीवीयों के प्रकार
2. बुद्धजीवियों का निर्माण
3. शहरी और ग्रामीण बुद्धजीवियों की स्थिति
4. प्रबुद्धजन की राजनैतिक भूमिका या महत्व

8. दबाव समूह और हित समूह

1. दबाव समूह या हित समूह का अर्थ, प्रकृति एवं विशेषताएँ
2. दबाव समूहों का वर्गीकरण, साधन और तरीके
3. दबाव समूह तथा राजनैतिक दल में अन्तर
4. दबाव समूह या हित समूह का राजनैतिक महत्व
5. दबाव समूह के दोष या हानियाँ
6. भारत में दबाव समूह : विशेषताएँ तथा वर्गीकरण

9. **नौकरशाही**

1. नौकरशाही का अर्थ, परिभाषाएँ एवं विशेताएँ
2. नौकरशाही के प्रकार
3. नौकरशाही का राजनैतिक विकास में महत्व
4. नौकरशाही की अवधारणा : बबर, मोरूका एवं मिचेल्स के विचार

10. **जन-सहभागिता या राजनैतिक सहभागिता**

1. राजनैतिक सहभागिता का अर्थ परिभाषा एवं विशेषताएं
2. राजनैतिक सहभागिता के लिए उत्तरदायी कारक
3. राजनैतिक सहभागिता की क्रियाएँ एवं प्रकार
4. राजनैतिक व्यवस्था में राजनैतिक सहभागिता का महत्व

MASW-04

1. **समाजशास्त्रीय पद्धति के नियम**
(Rule of Sociological Method)

1. सामाजिक तथ्य क्या है ?
2. सामाजिक तथ्यों का अवलोकन
3. सामान्य तथा असामान्य सामाजिक तथ्य
4. सामाजों के वर्गीकरण के नियम
5. सामाजिक तथ्यों की व्याख्या के नियम
6. समाजशास्त्रीय प्रमाणों की स्थापना के नियम

2. **समाज में श्रम-विभाजन**
(The Division of Labour in Society)

1. श्रम-विभाजन का प्रकार्य
2. यान्त्रिक एकता
3. प्रतिकारी कानून तथा सावयवी एकता

4. सामाजिक विकास अथवा सावयवी एकता का विकास
5. श्रम-विभाजन के कारण
6. श्रम-विभाजन के परिणाम
7. श्रम-विभाजन के असामान्य स्वरूप
8. समीक्षात्मक विश्लेषण

3. आत्महत्या
(Suicide)

1. आत्महत्या की परिभाषा
2. मनोव्याधिकीय अवस्थाएँ और आत्महत्या
3. मनोजैविकीय कारक और आत्महत्या
4. आत्महत्या के प्रकार
5. आत्महत्या के व्यक्तिगत स्वरूप
6. आत्महत्या की सामाजिक प्रकृति
7. व्यावहारिक निष्कर्ष
8. समीक्षात्मक विवेचना

4. धार्मिक जीवन के प्रारम्भिक स्वरूप
(Elementary Forms of Religious Life)

धर्म की अवधारणा

धर्म के सिद्धान्त – प्रारम्भिक धर्म की धारणा

प्रारम्भिक अथवा टोटमिक विश्वास

टोटमिक विश्वासों की उत्पत्ति

5. दुर्खेन के समाजशास्त्र
(Sociologies of Durkheim)

नैतिकता का समाजशास्त्र

ज्ञान का समाजशास्त्र

मूल्यों का समाजशास्त्र

MAHY-01
प्राचीन एवं मध्यकालीन समाज

इकाई-1 यूरोप में सामन्तवाद का क्रमिक विकास

यूरोपीय सामन्तवाद की परिभाषा

सामन्तवाद की उत्पत्ति और उसका क्रमिक विकास

- ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य
- जागीरदारी की उत्पत्ति
- माफी भूमि की उत्पत्ति

यूरोप में सामन्तवादी प्रथा का विस्तार

सामन्ती जोत के सिद्धान्त

- नियमित अधीनता और स्वामी भक्ति
- उत्तराधिकार
- ज्येष्ठाधिकार
- महिला उत्तराधिकार और प्रतिपाल्यता
- उपसामन्तवाद
- राहत और सहायक साधन
- स्वामी भक्ति का लोचान

इकाई-2 यूरोप में मध्यकालीन राजनीतिक विचारधारा और राजनैतिक संगठन

मध्ययुग के आगमन के समय यूरोप की राजनैतिक व्यवस्था

सामन्तवाद के उद्‌भव के विकास में विभिन्न धारणाएँ

- जूनर की धारणा
- पीरेन का मत
- मार्क ब्लाच की धारणा
- पेरी एंडरसन के विचार

सामन्तवाद का स्वरूप

- सामन्तवाद के विभिन्न घटक

- राजा व सामन्तों के पारस्परिक सम्बन्ध

मध्यकालीन युग में विभिन्न देशों में राजतन्त्र की प्रगति

- पश्चिम फ्रांस
- पूर्वी फ्रेंकिश राज्य (जर्मनी के प्रदेश)
- इंग्लैण्ड
- स्केन्डनेविया
- स्पेन
- इटली
- रूस

सामन्तवाद के पराभव के कारण

राष्ट्रीय राज्यों के उदय के कारण

मध्ययुग में राजनीतिक संगठन व विचारधारा के प्रमुख लक्षण

इकाई-3 सामन्तवाद की श्रेणियाँ एवं स्वरूप

सामन्तवादी वातावरण और दो सामन्ती युग

यूरोप में सामन्तवाद का उदय

फ्रांस की विविधता : दक्षिण पश्चिम और नौरमंडी

इटली

जर्मनी

ऐंग्लो सेक्सन इंग्लैण्ड

उत्तरी पश्चिमी स्पेन

इकाई-4 टर्की की राजनीति, अर्थव्यवस्था और समाज

टर्की का राजनीतिक विकास और प्रारूप

टर्की की सामाजिक और आर्थिक व्यवस्था

- समाज का स्वरूप
- सामाजिक वर्गीकरण
- कानून व्यवस्था
- मुख्य तत्कालीन संस्थाएँ

आर्थिक व्यवस्था

इकाई-5 मध्यकालीन यूरोपीय समाज का पतन

सामन्तवाद में संकट

वाणिज्य एवं व्यापार का पुनरूत्थान

जहाज निर्माण एवं नौपरिवहन में तकनीकी विकास

मुद्रा एवं लेनदेन का विकास

शहरों का उद्‌भव

मध्यम वर्ग का उदय

किसान विद्रोह

राष्ट्र राज्यों का उत्थान

बारूद का प्रयोग

केन्द्रीय शक्ति की स्थापना

इकाई-6 यूरोप में 18वीं शताब्दी में कृषि व्यवस्था

18वीं शदी के पहले के युग में कृषि व्यवस्था

खेती के प्राचीन तरीके

18वीं शदी के इंग्लैण्ड में खेती के तरीकों में परिवतन के लिए जिम्मेदार परिस्थितियाँ

इंग्लैण्ड में कृषि की नवीन पद्धति

18वीं सदी में अन्य देशों में कृषि

इंग्लैण्ड में नवीन कृषि का प्रभाव

इकाई-7 18वीं सदी में यूरोप में कृषक विद्रोह

इंग्लैण्ड में 18वीं सदी में जाडबन्दी आन्दोलन

फ्रांस में कृषकों की दशा

जर्मनी के राज्यों में सुधार

आस्ट्रिया-हंगरी

रूस में विद्रोह (1703-1772)

रूस में 1773-75 का कृषक विद्रोह

यूरोप में अन्य देशों में स्थिति

इकाई-8 नगरों व शहरों का विकास एवं यूरोप में नगरीकरण

प्राचीन काल के नगरों की आबादी व बनावट

नगरों की आबादी में वृद्धि व उसके आंकड़े

जनसंख्या में वृद्धि के कारण

ग्रामों से नगरों की ओर पलायन

नये नगरों का स्वरूप

इकाई-9 कारखाना एवं श्रमजीवी वर्ग

फैक्ट्री सिस्टम

- फैक्ट्री क्या है
- फैक्ट्री सिस्टम कैसे शुरू हुआ
- एक काल्पनिक फैक्ट्री का कार्य विन्यास

फैक्ट्री सिस्टम एवं औद्योगिक क्रान्ति

फैक्ट्री सिस्टम का सामाजिक असर

बुराईयाँ

बुराइयों को दूर करने के प्रयास एवं समाधान

- संसदीय प्रयास
- समाज सुधार एवं अंवधनीति
- सुधारक यत्न जारी रहे
- सैडलर के प्रयत्न
- एशले का कानून

समाज एवं सामाजिक परिवर्तन

इकाई-10 यूरोप में औद्योगिक अर्थ व्यवस्था : कृषि और उद्योग, व्यापार और व्यापारिक संघों के मध्य सम्बन्ध

औद्योगिक अर्थव्यवस्था से अभिप्राय

प्रेरक तत्व

कृषि और उद्योग

व्यापार और व्यापारिक संघ

इकाई-11 उदारवाद और यूरोप में संवैधानिक विकास

उदारवाद अभिप्राय

उदारवाद की आधारभूत मान्यताएँ

यूरोप में उदारवादी चेतना का विकास-बदलते सैद्धान्तिक प्रतिमान

ब्रिटिश उदारवाद और संविधानवाद

यूरोप में अन्य देशों में उदारवाद और संवैधानिक विकास पर उसका प्रभाव

इकाई-12 18वीं शदी में यूरोप का धार्मिक एवं बौद्धिक जीवन

यूरोप में आधुनिक संस्कृति का अभ्युदय व प्रबुद्ध काल

धर्म सुधार आन्दोलन से 17वीं सदी तक यूरोप का धार्मि जीवन

18वीं सदी में धार्मिक जीवन काक विश्लेषण

बौद्धिक जीवन के आयाम – दार्शनिक और विचारक

बौद्धिक जीवन के आयाम – विज्ञान, सामाजिक ज्ञान व शिक्षा

बौद्धिक जीवन के आयाम – कला और साहित्य

इकाई-13 औद्योगिक क्रान्ति

ब्रिटेन में औद्योगिक क्रान्ति प्रारम्भ होने के कारण

औद्योगिक क्रान्ति का आरम्भिक दौर (1760-1830)

औद्योगिक क्रान्ति का द्वितीय दौर

औद्योगिक क्रान्ति के परिणाम

महत्व

औद्योगिक क्रान्ति का यूरोप में मन्द गति से प्रसार

इकाई-14 औद्योगिक के बाद

औद्योगिक पूँजीवाद

कारखाना-पद्धति

आर्थिक असन्तुलन

नगरों का विकास

जनसंख्या में वृद्धि

रहन-सहन के स्तर में सुधार

आर्थिक साम्राज्यवाद

मजदूरों के लिए राजनीतिक अधिकार

उद्योगीकरण के बाद वैचारिक प्रतिक्रियाएँ

- अहस्तक्षेप की नीति
- सरकारी नियमन तथा सामाजिक विधान
- यूरोपियाई समाजवाद
- कार्ल मार्क्स

भौतिकवाद का विकास

- प्रकृति विज्ञान का विकास
- साहित्य और कला पर प्रभाव

इकाई-15 फ्रांस की क्रान्ति – राज्य का स्वरूप एवं बुद्धिजीवी वर्ग और क्रान्ति

प्रचलित संरचनाएँ

राजनीतिक संरचना

सामाजिक संरचना

धार्मिक संरचना

आर्थिक संरचना

बुद्धिजीवन वर्ग

- मोन्टिस्क्यूं
- वाल्टेयर
- जॉन जैफ रुसों
- अन्य विचारक

राज्य का बदलता हुआ स्वरूप

इकाई-16 फ्रांस की क्रान्ति का प्रभाव

फ्रान्स पर प्रभाव

- स्वेच्छाचारी व निरंकुश बूर्बो राजतन्त्र का अन्त
- सामाजिक व्यवस्था पर प्रभाव
- चर्च की सर्वोच्च स्थिति में गिरावट

- सामन्त वर्ग के महत्व की समाप्ति
- बुर्जुआ (मध्यम वर्ग) एवम् निम्न मध्यम वर्ग की दशा में सुधार
- बौद्धिक, वैचारिक व सांस्कृतिक प्रभाव
- न्याय व्यवस्था पर प्रभाव
- आर्थिक प्रभाव
- मानव अधिकारों की घोषणा
- प्रशासनिक एवं संवैधानिक सुधार
- लोक निर्माण कार्य
- हानिकारक प्रभाव

इंग्लैण्ड पर प्रभाव

- क्रान्ति का स्वागत
- क्रान्ति का विरोध
- पिट द्वारा इंग्लैण्ड में प्रतिक्रियावादी नीति का क्रियान्वयन
- व्हिग पार्टी में फूट
- आयर लैण्ड में राष्ट्रीय आन्दोलन
- आंग्ल साहित्य पर प्रभाव
- यूरोप पर प्रभाव
- अधिकारों के लिए संघर्ष का सूत्रपात
- क्रान्तिकारी युद्ध
- यूरोप में प्रतिक्रिया का युग
- सम्मेलनों का युग
- यूरोपीय साहित्य पर प्रभाव

विश्वव्यापी स्थाई प्रभाव

- स्वतन्त्रता की भावना
- समानता
- राष्ट्रीयता की भावना
- प्रजातन्त्र की विचारधारा

- बन्धुत्व
- समाजवाद
- शैक्षणिक क्षेत्र में परिवर्तन
- वाल्टेयर

इकाई- 17

नेपोलियन का उत्थान (कोन्सुलशिप 1799-1804)

- आन्तरिक समस्याएँ
- प्रशासनिक
- वित्तीय
- धार्मिक
- शिक्षा प्रणाली
- नागरिक प्रशासन
- विदेश नीति

नेपोलियन सम्राट के रूप में

नेपोलियन का पतन

- कन्टीनेन्टल सिस्टम, बर्लिन घोषणा 1806,
- मिलान घोषणा 1807, फ्रोन्टेनब्लू घोषणा 1810
- पेपल राज्य का विलय - 1809
- पुर्तगाल से युद्ध, स्पेन के सम्राट चार्ल्स चतुर्थ का गद्दी से उतरना
- प्रायद्वीप का युद्ध
- आस्ट्रिया से युद्ध 1809
- रूस पर आक्रमण 1812

नेपोलियन के साम्राज्य का विनाश

- चतुर्थ गुट
- नेपोलियन की रूस और प्रशिया पर विजय
- कुलिच की सन्धि 1813, लुटजेन और बाटजेन का युद्ध 1813
- आस्ट्रिया का नेपोलियन के प्रति दृष्टिकोण

- लिपजिंग का युद्ध 1813
- संयुक्त देशों का फ्रांस पर आक्रमण 1814
- फ्रोन्टेन ब्लू की सन्धि 1814
- नेपोलियन का ऐल्बा से वापसी 1815
- वाटरलू का युद्ध 1815

नेपोलियन की भूलें

- और राष्ट्रीयता, जर्मनी, इटली, पोलैण्ड, तुर्की साम्राज्य
- और वैज्ञानिक प्रगति

इकाई-18 रूस का अर्थव्यवस्था – एक पृथक संसार

सामन्तवादी रूस की अर्थव्यवस्था

- ऐतिहासिक सन्दर्भ
- उद्योग नगर तथा व्यापार
- कृषि दासता का अन्त

रूसी अर्थ व्यवस्था औद्योगिक पूँजीवाद के युग में (1861-1900)

औद्योगिक क्रान्ति समापन तथा पूँजीवादी उद्योग का उत्थान

रूस में समाजवाद

स्टालीपिल सुधार

क्रान्ति के युग में वित्तीय व्यवस्था

- राजधानी पर रेड गार्ड आक्रमण
- भूमि आप्राप्ति

वित्तीय पूँजीवादी

- आन्तरिक व बाह्य व्यापार में वृद्धि
- इन्डस्ट्री का राष्ट्रीयकरण तथा श्रमजीवियों का नियन्त्रण

सोशलिस्ट सरकार की आर्थिक नीति

नेप अथवा नवीन वित्तीय योजना

इकाई-19 अमेरिकी स्वतन्त्रता संग्राम

अमेरिका : खोज का उपनिवेशन

उपनिवेशन के कारण

उपनिवेशों की प्रकृति

वाणिज्यवाद

अमेरिका में वाणिज्यवाद

ब्रिटिश नीति में परिवर्तन

अमेरिका स्वतन्त्रता संग्राम

स्वतन्त्रता संग्राम का परिणाम

इकाई-20 अमेरिकी क्रान्ति का महत्व

अमेरिका के इतिहास के सन्दर्भ में महत्व

- राजनीतिक क्षेत्र में
- आर्थिक क्षेत्र में
- कृषि क्षेत्र में
- नौ परिवहन के क्षेत्र में
- सामाजिक क्षेत्र में

विश्व इतिहास के परिप्रेक्ष्य में महत्व

- विचारधारा के रूप में
- इंगलैण्ड पर प्रभाव
- फ्रांस पर प्रभाव
- आयरलैण्ड पर प्रभाव
- भारत पर प्रभाव

इकाई-21 अमेरिकन संविधान का निर्माण

उपनिवेशों की स्थापना

असन्तोष की लहर

स्वतन्त्रता की ओर

संविधान निर्माण प्रक्रिया

वर्तमान संविधान की रचना

संविधान अनुमोदन

MAHY-02
आधुनिक विश्व

खण्ड-1

इकाई-1 आधुनिक विश्व

19वीं शताब्दी में आस्ट्रिया

मैटर्निख की शासन नीति

मैटर्निख की गृहनीति

मैटर्निख की विदेश नीति

मैटर्निख और वियमा सम्मेलन

संयुक्त व्यवस्था

मैटर्निख का पतन

मैटर्निख के व्यक्तित्व का मूल्यांकन

इकाई-2 यूरोप में 1830-70 ई0 के मध्य कृषि विस्तार

भूमि का उपजाऊपन

- जानवरों की खाद का उपयोग
- भूमि को ऊसर छोड़ने की विधि
- फील्ड व्यवस्था

18वीं सदी में कृषि में प्रगति

- हरी घासों एवं सर्द ऋतु की जड़ो की खोज
- भूमि की घेराबन्दी

कृषि सुधारों के प्रभाव

- 1830 एवं 1870 के मध्य विस्तार एवं कृषि में प्रगति

इकाई-3 पूर्वी समस्या एवं क्रीमिया का युद्ध

पूर्वी समस्या

- पूर्वी समस्या क्या थी

- समस्या का आधार
- टर्की साम्राज्य के पतन के कारण
- पूर्वी समस्या के प्रति प्रमुख यूरोपीय शक्तियों का दृष्टिकोण एवं निहित स्वार्थ
- रूस की बाल्कन प्रदेश में महत्वाकांक्षाएँ
- तुर्की साम्राज्य में इंग्लैण्ड की रुचि एवं स्वार्थ
- तुर्की साम्राज्य में आस्ट्रिया के हित
- तुर्की साम्राज्य में फ्रांस की रुचि
- तुर्की साम्राज्य में जर्मनी की रुचि

रूस की विस्तारवादी नीति एवं पूर्वी समस्या

क्रीमिया युद्ध से पूर्ववर्ती कतिपय महत्वपूर्ण घटनाएँ

- कुजुक कैनाईजी की सन्धि
- जैसी की सन्धि
- बुखारेस्ट का सन्धि
- यूरोपीय शक्तियों के दृष्टिकोण में परिवर्तन
- ईसाई राष्ट्रों का विद्रोह
- एड्रियानोपल की सन्धि
- मेहमल अली की महत्वाकांक्षा
- अन्कीयर एकेल्सी की सन्धि

क्रीमिया युद्ध (1854-56 ई0)

- क्रीमिया के कारण
- टर्की में बढ़ता रूसी प्रभाव
- टर्की के बँटवारे की रूसी पेशकश
- पवित्र स्थानों के संरक्षण का झगड़ा

- ईसाई प्रजा परसंरक्षण की रूसी माँग
- रूस द्वारा बैलेशिया व मोल्डेविया पर अधिकार
- वियना वोट
- टर्की द्वारा युद्ध की घोषणा
- साइनोप का कत्लेआम
- इंगलैण्ड तथा फ्रांस द्वारा संयुक्त चेतावनी
- क्रीमिया युद्ध की घटनाएँ
- क्रीमिया युद्ध का अन्त व पेरिस की सन्धि
- क्रीमिया युद्ध व पेरिस सन्धि की समीक्षा
- क्रीमिया युद् के प्रमुख राष्ट्रों पर प्रभाव

इकाई-4

इटली का एकीकरण

- नवीन युग की शुरुआत
- नेपोलियन और इटली
- 1815 ई0 में इटली
- इटली के एकीकरण की बाधाएँ
- एकीकरण में सहायक तत्वों का उदय
- कार्बोनारी
- आर्थिक विकास
- प्रारम्भिक विद्रोहों का इटली पर प्रभाव
- लेखकों के प्रयास
- मेजिनी और युवा इटली
- उदार राज तन्त्रवादी
- पोप की उदारवादी नीति

- 1848 की क्रान्ति और इटली

एकीकरण यथार्थता की ओर

- विक्टर एमेनुअल द्वितीय (1849-1870)
- काबूर (1810-1861)
- क्रीमिया का युद्ध और काबूर
- नेपोलियन का सहयोग एवं लोम्बार्ड़ी की प्राप्ति
- आर्सिनी काण्ड
- प्लोम्बियर्स समझौता
- आस्ट्रिया-सार्डीनिया युद्ध
- विलाफ्रेंका की विराम सन्धि
- मध्य इटली का विलय
- नेपल्स और सिसली का विलय
- गैरीबाल्डी (1807-1882)
- सिसली विद्रोह
- नेपल्स पर अधिकार
- काबूर द्वारा कोण की रियासतों पर आक्रमण
- गैरीबाल्डी की महानता
- काबूर का मूल्यांकन
- इटली के एकीकरण का अन्तिम चरण
- जेनेशिया की प्रगति
- रोम की प्रगति

इकाई- 5

जर्मनी का एकीकरण

- जर्मनी के एकीकरण में साधक तत्व
- संयुक्त जर्मनी के निर्माण में मन्द गति के कारण

- एकीकरण के प्रयास में सहायक तत्व
- बौद्धिक आन्दोलन
- औद्योगिक क्षेत्र में सहयोग
- फ्रांस की 1848 की क्रान्ति
- जर्मनी का औद्योगिक विकास
- प्रशा का शासक विलियम प्रथम एवं उसके सैनिक सुधार
- जर्मनी के एकीकरण का सूत्रधार – बिस्मार्क
- चांसलर बनने के बाद बिस्मार्क के उद्देश्य एवं योजना
- एकीकरण की ओर
- प्रथम चरण – डेनमार्क से युद्ध एवं गेस्टाइन समझौता
- द्वितीय चरण – आस्ट्रिया प्रशा युद्ध एवं प्राग की सन्धि
- तृतीय चरण – फ्रकों – प्रशियन युद्ध एवं फ्रैकफर्ट की सन्धि

खण्ड - 2

इकाई-6

पूर्वी यूरोप में राजनीतिक व राष्ट्रवादी संघर्ष (1856-1878 ई0)

- पूर्व की समस्या (1856-1870 ई0)
- मोल्डेवियस व वैलेशिया का एकीकरण
- रूस द्वारा पेरिस की सन्धि का उल्लंघन (1870-71 ई0)
- बाल्कन में राष्ट्रीयता का विकास
- टर्की की दशा में उत्तरोत्तर गिरावट
- सर्वरूलाववाद

पूर्वी समस्या (1870-1870)

- बोस्निया तथा हर्जेगोबिना में विद्रोह
- बुल्गारिया में विद्रोह

- यूरोप के देशों की प्रतिक्रिया
- एंड्रेसी नोट
- बर्लिन मेमोरेण्डम
- कुस्तुन्तुनिया सम्मेलन

रूस टर्की युद्ध सैनस्टीफेनो की संधि

- सैनस्टीफेनो संधि की समालोचना

बर्लिन कांग्रेस (सन् 1878 ई0)

- बर्लिन कांग्रेस की आलोचना

सन् 1878 ई0 के बाद बाल्कन की घटनाएँ

इकाई-7 ग्रेट ब्रिटेन, जर्मनी और फ्रांस के संवैधानिक सुधारों और समाजवादी आन्दोलनों का तुलनात्मक अध्ययन

ग्रेट ब्रिटेन में संवैधानिक सुधारों का युग

- 1800 ई0 के आस-पास ग्रेट ब्रिटेन में लोकतंत्र
- 19वीं सदी के आरंभ में ग्रेट ब्रिटेन में अलोकतंत्रीय व्यवस्थाएँ सुधारों के लिए संघर्ष

1832 ई0 का संवैधानिक सुधार

- निर्वाचन क्षेत्रों से संबंधित धाराएँ
- मताधिकार सम्बन्धी धाराएँ
- सुधार अधिनियम का महत्व

चार्टिस्ट आन्दोलन

- चार्टिस्ट आन्दोलन से तात्पर्य
- चार्टिस्ट आन्दोलन के कारण
- आन्दोलन का आरंभ
- मताधिकार की पात्रता

- आंदोलन की असफलता के कारण

1867 का सुधार अधिनियम

- सुधार अधिनियम का धाराएँ
- 1867 के सुधार अधिनियम की कमियाँ
- सुधार अधिनियम की समीक्षा

ग्लैडस्टेन का मंत्रीकाल तथा सुधारों का युग

- गुप्त मतदान विधेयक
- 1884 संवैधानिक सुधार अधिनियम
- मताधिकार की पात्रता
- सुधार अधिनियम की समीक्षा

1911 के संवैधानिक सुधार

- 1911 के संवैधानिक सुधार अधिनियम की धाराएँ
- अधिनियम की समीक्षा

इंग्लैण्ड में समाजवाद का विकास तथा श्रमिक हितकारी अधिनियम

- 1833 के फैक्टरी अधिनियम की धाराएँ
- अधिनियम का महत्व

इंग्लैण्ड में श्रमिकों के हित में सुधारों का युग प्रारम्भ

- नव उदारवाद
- इंग्लैण्ड में फेबियनवाद व श्रमिकों के लिए सुधार
- फेबियनवाद की विशेषताएँ
- उग्रश्रमसंघवाद का प्रबल होना

मजदूर दल का गठन

बीसवीं सदी के प्रारंभ में इग्लैण्ड में श्रमिक सुधार स्त्री मताधिकार बूबे वंश की पुनर्स्थापना

- लुई 18वें द्वारा संवैधानिक घोषणा पत्र
- राजा
- संसद
- प्रतिनिधि सभा
- धर्म
- मौलिक अधिकार
- उदारवाद का पुनः आरंभ तथा निर्वाचन सुधार
- देकाजे के नेतृत्व में चुनाव सम्बन्धी सुधार
- चार्ल्स दशम तथा प्रतिनिधि सभा
- फ्रांस में संसदीय सरकार की पुनरावृत्ति
- लुई फिलिप के संवैधानिक सुधार
- सामन्तों की सभा को उच्चाधिकारियों की सभा में बदलना
- प्रतिनिधि सभा
- मताधिकार को व्यापक बनाना
- फ्रांस में समाजवाद का उदय
- समाजवाद के विकास के कारण
- समाजवाद के प्रवर्तक सेंट साइमन
- चार्ल्स फाउरिए
- लई ब्लां
- द्वितीय गणतन्त्र
- अस्थायी सरकार के कार्य
- नवीन संविधान
- 1852 का नवीन संविधान
- संवैधानिक परिवर्तन
- द्वितीय साम्राज्य
- नेपोलियन तृतीय के सुधार
- तृतीय गणतन्त्र

- तृतीय गणतन्त्र का संविधान राष्ट्रपति
- मन्त्रिमण्डल
- संसद
- सिनेट
- प्रतिनिधि सभा
- राष्ट्रीय सभा
- जर्मनी में संवैधानिक सरकार की स्थापना के प्रयास
- निर्बल संसद की व्यवस्था
- जर्मनी में राष्ट्रवाद का उदय
- कार्ल्सबाड के आदेश
- जर्मनी में बौद्धिक क्रान्ति तथा राष्ट्रीयता और उदारवाद का विकास
- फ्रेंकफर्ट संसद का अधिवेशन
- फ्रेंकफर्ट संसद की असफलता
- असफलता के कारण
- एफर्ट का अधिवेशन
- फ्रेडरिक विलियम चतुर्थ द्वारा दूसरा संविधान स्वीकृत करना
- राष्ट्रीय उदारवाद का जन्म
- विलियम प्रथम का गद्दी पर बैठना तथा बिसमार्क का शक्ति में आना
- बिस्मार्क के राजनीतिक विचार
- जर्मनी का एकीकरण तथा नवीन संविधान
- सम्राट
- संसद
- साम्राज्य परिषद्
- लोक सभा
- जर्मनी में समाजवादी आन्दोलन तथा श्रमिक सुधार
- आन्दोलन के प्रबल होने के कारण
- विसमार्क व समाजवादियों में संघर्ष के कारण

- समाजवादी दल का दमन
- राज्य समाजवाद
- श्रमिकों के लिए जीवन बीमा कानून
- 1890 के उपरान्त जर्मनी का संवैधानिक विकास

इकाई- 8

1815 में रूस

- रूस का पिछड़ापन
- रूस के पिछड़ेपन के कारण

रूस की भूतकाल की विरासत

- निरंकुशता
- अभिजात वर्ग
- अर्द्धदास प्रथा (जिसे कृषिदास प्रथा भी कहा जाता है)
- दास प्रथा, अर्द्धदास प्रथा और कृषक समाज
- 1815 में अर्द्धदास प्रथा की स्थिति
- नई परम्परा राजनैतिक विचार व आर्थिक विकास
- रूस का आर्थिक जीवन

एलेक्जेण्डर प्रथा (1801 से 825) का शासन काल

- कृषिदासों की दशा सुधारने का प्रयास
- फिनलैण्ड का स्वायत्त शासन
- पोलैण्ड का स्वायत शासन

निकोलस प्रथम (1825 से 1855) का शासन काल

- दिसम्बर विद्रोह के कारण
- दिसम्बर विद्रोह की विफलता
- दिसम्बर क्रान्ति के परिणाम
- निकोलस का चरित्र
- निकोलस पद्धति

- क्रीमिया का युद्ध और उसके परिणाम

एलैकजेन्डर द्वितीय (1855 से 1881)

- कृषिदासों की स्वतंत्रता
- अर्द्धदास प्रथा पर स्वामियों का अधिकार
- अर्द्धदास प्रथा का विरोध
- अर्द्धदास प्रथा समाप्त करने का कानून
- मुक्ति कानून की मुख्य धाराएँ
- भूमि का विभाजन
- भीर पद्धति

इकाई-9

यूरोप में नवीन शासन-तन्त्र

- जनसंख्या में तेजी से वृद्धि
- औद्योगिक विकास
- नगरीकरण
- मध्यम वर्ग का शिक्षित व शक्तिशाली होना
- यूरोप में तीव्र होता राष्ट्रवाद
- उदारवाद व समाजवाद का विकास
- राजनीतिज्ञों का आविर्भाव
- अन्य शक्तियाँ

खण्ड-3 राष्ट्रवाद पूँजीवाद एवं समाजवाद

इकाई-10

यूरोप में सामाजिक विचारधारा और संस्कृति (1815-1917)

- स्वच्छन्दतावाद
- आदर्शवाद
- स्वच्छन्दतावादी साहित्य
- कला में स्वच्छन्दतावादी भाव

- 1870 से 1917 तक सामाजिक विचारधारा और संस्कृति
- 1870 से 1917 के बीच प्रचलित सामाजिक चिन्तन और संस्कृति का सामान्य स्वरूप
- मोहभंग का दर्शन
- यथार्थवादी साहित्य
- प्रभाववादी और आधुनिक चित्रकला एवं मूर्तिकला
- क्रियात्मक वास्तुकला
- संगीत

इकाई- 11

सन्धियों और समझौतों की पद्धति महाद्वीपीय उच्चता की राजनीति (1878-1890)

- सुंधियों और समझौतों की पद्धति
- प्रथम चरण में सन्धि स्थापना तीन सम्राटों का गुट-1873
- युद्ध का भय 1875
- बर्लिन सम्मेलन
- आस्ट्रिया के साथ मैत्री संधि की पृष्ठभूमि
- संधि का मूल्यांकन
- त्रिगुट की स्थापना 1882
- रूस के साथ पुनरावासन संधि 1887
- बिस्मार्क का पतन

इकाई- 11

महान शक्तियों में विश्व सर्वोच्चता के लिए प्रतिस्पर्धा साम्राज्यवाद के विभिन्न चरण तथा उसका बदलता स्वरूप

- पुरातन साम्राज्यवाद
- शिथिल साम्राज्यवाद
- नवीन साम्राज्यवाद

- नवीन साम्राज्यवाद के परिप्रेक्ष्य में राजनीतिज्ञों के विचार
- प्रतिस्पर्धा के प्रेरक-तत्व

(अ) आर्थिक

- अतिरिक्त उत्पादन
- अतिरिक्त पूँजी
- खाद्यान्नों की कमी
- यातायात के साधनों का विकास
- जनसंख्या में वृद्धि

(ब) राजनीतिक

- उग्र राष्ट्रवाद
- राष्ट्रीय प्रतिष्ठा
- कुछ प्रशासकों व सेनानायकों की उपनिवेशवादक के लिए प्रेरणा

(स) अन्य

- महत्वाकांक्षी पुरुषों व अन्वेषकों का योगदान
- ईसाई धर्म प्रचारकों का योगदान
- यूरोप के साम्राज्यवादी देशों द्वारा असभ्य लोगों को सभ्य बनाने का बहाना लेना

प्रतिस्पर्धा के क्षेत्र

- जनसंख्या का क्षेत्र
- औद्योगिक क्षेत्र
- प्रथम-काल (1815 से 1870 ई0 तक)
- दूसरा-काल (1871 से 1917 ई0 तक)
- राजनयिक क्षेत्र
- प्रथम काल (1815 से 1870 ई0 तक)
- दूसरा काल (1871 से 1914 ई0 तक)
- मोरक्को संकट
- सैनिकवाद

- आंग्ल-जर्मन नाविक प्रतिस्पर्धा
- औपनिवेशिक क्षेत्र

(अ) अफ्रीका का बटवारा

(ब) प्रशान्त महासागर

(स) रूस का विस्तार

(द) चीन में लूट

इकाई-13

सुदूर पूर्व में जापान का उत्थान जापान का पश्चिम से व्यापक सम्पर्क

शपथ पत्र

महत्ता

आधुनिकीकरण का प्रारम्भ

- शिक्षा
- अर्थव्यवस्था
- सेना का आधुनिकीकरण

शक्तिशाली जापान द्वारा सैनिक साम्राज्यवादी प्रवृत्तियों का प्रकटीकरण कोरिया

- शिमोनोसकी की सन्धि
- परिणाम
- त्रिपक्षीय हस्तक्षेप

रूस जापान युद्ध 1904-1905

- कोरिया में रूस और जापान
- मंचूरिया में रूस जापान के स्वार्थ
- पोर्टस माउथ की संधि
- परिणाम
- आंग्ल जापानी समझौता 1902 ई0

जापानी साम्राज्यवाद तथा प्रथम विश्व युद्ध

साम्राज्यवाद प्रसार के कारण

फारमोसा पर प्रभुत्व

कोरिया पर प्रभुत्व

मंचूरिया में जापान

इक्कीस मांगे

इकाई- 14

साम्राज्यवाद-चीनी और भारतीय साम्राज्यवाद का अध्ययन उसका स्वभाव एवं विकास

साम्राज्यवाद का अर्थ

उपनिवेशवाद द्वारा साम्राज्यवाद की उत्पत्ति

साम्राज्यवाद की प्रकृति एवं उसके वर्ग

उपनिवेशवाद की प्रगति के कारण

- औद्योगिक क्रान्ति
- आर्थिक विनियोग
- सैन्य आवश्यकताएँ
- ईसाई धर्म का प्रचार
- राष्ट्रीय गौरव या सम्मान

चीन में साम्राज्यवाद उसकी प्रकृति, विकास एवं पतन

- चीन में साम्राज्यवाद की प्रकृति
- चीन में साम्राज्यवाद का विकास
- चीन में साम्राज्यवाद का पतन

भारत में साम्राज्यवाद उसकी प्रकृति, विकास एवं पतन

- भारत में साम्राज्यवाद का विकास
- भारत में साम्राज्यवाद का पतन

चीन और भारत में साम्राज्यवाद समानताएँ तथा असमानताएँ साम्राज्यवाद का प्रभाव

आधुनिकीकरण, आर्थिक शोषण, जातीय मतभेद, अन्तर्राष्ट्रीय कलह के कारण प्रथम महायुद्ध का प्रारम्भ

इकाई-15

साम्राज्यवाद : मिस्र, दक्षिण अफ्रीका तथा मोरक्कों के सन्दर्भ में अफ्रीका में साम्राज्यवाद

मिस्र में ब्रिटिश साम्राज्यवाद व राष्ट्रीय चेतना

अफ्रीका का विभाजन

खण्ड-4 राष्ट्रवाद, पूँजीवाद एवं समाजवाद - 4

इकाई-16

बाल्कन में उथल-पुथल व उत्तेजना (बाल्कन युद्ध) 1878-1914

बाल्कन क्षेत्र, पूर्वी समस्या एवं बाल्कन राज्य, बार्लिन कांग्रेस एवं बाल्कन संकट, बाल्कन विद्रोह, रूस व आस्ट्रिया की प्रतिक्रिया, रूस टर्की संघर्ष, सेनस्टीफेनों का सन्धि, यूरोपीय राज्यों में सन्धि की प्रतिक्रिया, बार्लिन सम्मेलन, समीक्षा,प्रथम बाल्कन युद्ध के कारण, बाल्कन संघ का गठन, युवा तुर्क आन्दोलन, यूरोप में राष्ट्रीय भावनाओं।

- टर्की सुल्तान के अत्याचार व प्रशासनिक भ्रष्टाचार
- आस्ट्रिया द्वारा बोस्निया व गोविना पर अधिकार
- रूस का कूटनीतिक सहयोग
- इटली का ट्रिपोली पर अधिकार
- मेसीडोनिया में सुधारों की माँग, लन्दन सन्धि
- द्वितीय बाल्कन युद्ध कारण
- लन्दन सन्धि, अल्बानिया का निर्माण, बुल्गेरिया का अहंकार, आस्ट्रिया द्वारा सर्वया का विरोध, मेसोडोलिया का प्रश्न

घटना

बुखारेस्ट की सन्धि

सन्धि समीक्षा

परिणाम

- अपार धन-जन की हानि, तुर्की साम्राज्य का पतन, सर्बिया का शक्तिशाली होना, रूस की यूरोप में सक्रियता, सर्विया व आस्ट्रिया की

शत्रुता, बाल्कन संघ का विघटन, बुल्गरिया में बदले की भावना सैनिकवाद का प्रबल होना, बाल्कन क्षेत्र के ईसाइयों को राहत, प्रथम विश्व युद्ध की पृष्ठभूमि तैयार होना।

इकाई-17

चर्च और राज्य के सम्बन्ध

- चर्च का विकास
- प्रारम्भिक ईसाई रोमन साम्राज्य में चर्च और सम्राट के सम्बन्ध
- प्रारम्भिक मध्ययुग में सम्राट व चर्च के सम्बन्ध
- सामन्ती युग में सम्राट व चर्च के सम्बन्ध
- चर्च व उत्तर मध्यकालीन राजतन्त्र
- चर्च और राज्य के सम्बन्ध निरंकुशवादी काल में
- चर्च और उदार राज्य – 1801 की धर्म सन्धि, कांग्रेस आफ वियना के पश्चात् राज्य और चर्च के सम्बन्ध पोप और इटली के सम्बन्ध, जर्मनी में सभ्यता का सम्बन्ध, आधुनिक युग में चर्च व राज्यों के सम्बन्ध।

इकाई-18

टर्की में समाज सुधार व युवातुर्क आन्दोलन

- टर्की में सुधार योजना
- युवातुर्क आन्दोलन जुलाई 1908
- आन्दोलन के उद्देश्य
- घटनाक्रम
- युवा तुर्कों की समस्याएँ
- युवा तुर्क सुधार कार्य
- युवा तुर्क आन्दोलन एवं विश्व
- युवा तुर्क आन्दोलन की असफलता के कारण
- तुर्कीकरण की नीति का प्रभाव
- आन्दोलन के बाद तुर्की

इकाई-19

अमेरिका की खोज, वहाँ के मूल निवासी तथा वहाँ जाकर बसने वाले लोग

- आरम्भिक यूरोपवासियों के उद्देश्य
- काले लोगों को दास बनाकर अमेरिका ले जाने के उद्देश्य
- काले लोगों की सामाजिक तथा आर्थिक स्थिति 1830 तक
- काले लोगों का दासता से मुक्त कराने के प्रयास
- अब्राहम लिंकन का निर्वासन, दास समर्थक राज्यों का संघ से अलग होना।
- अमेरिका का गृह युद्ध, दास प्रथा का अन्त।

खण्ड-5

इकाई-20

राष्ट्रवाद-पूँजीवाद एवं समाजवाद – 5

प्रथम विश्व युद्ध के कारण व उसकी पृष्ठभूमि

- दूरगामी कारण
- अन्तर्राष्ट्रीय अव्यवस्था
- तत्कालीन कारण सराजवों का हत्याकाण्ड

इकाई-21

रूसी क्रान्ति की बौद्धिक नींव

- बोल्सेविक यूरोपिया
- ऐतिहासिक रूपरेखा
- 1848 एवं रूस
- रूसी नारोदानिक (पापुलिस्ट)
- बुद्धिवाद तथा बुद्धजीवियों की उत्पत्ति तथा स्वरूप
- बुद्धि जीवी संविदा तथा सिद्धान्त

इकाई-22

रूसी क्रान्ति एवं इसका प्रभाव

- क्रान्ति के लिए उत्तरदायी परिस्थितियाँ

- क्रान्ति का सूत्रपात
- ब्रेस्ट लिटोवस्क की सन्धि एवं रूस का युद्ध से अलग होना
- बोल्शेविक शासन के विरोधी
- नवीन सरकार का स्वरूप
- क्रान्ति का महत्व

इकाई-23

लेनिन : आन्तरिक तथा विदेशी नीति

- लेनिन की आन्तरिक तथा परराष्ट्र नीति
- न्यू एकोनोमिक पालिसी (नवीन आर्थिक नीति)

खण्ड-6 युद्ध एवं औद्योगिक समाज (1917-1945)

इकाई-24

1918-1919 रूपान्तरण और पेरिस समझौता

- पेरिस शान्ति सम्मेलन
- वर्साय की सन्धि
- अन्य लघु सन्धियाँ
- पेरिस शान्ति सम्मेलन का सारांश

इकाई-25

सामूहिक सुरक्षा और निःशस्त्रीकरण

- जेनेवा विज्ञप्ति
- विज्ञप्ति का मूल्यांकन
- लोकार्नों समझौता
- समझौते का मूल्यांकन
- समझौते का परिणाम
- पेरिस का समझौता
- समझौते की व्यवस्थाएँ

- समझौते की आलोचना
- सामूहिक सुरक्षा प्रयासों की विफलता

इकाई- 26

फ्रांस द्वारा सुरक्षा की खोज

- भौगोलिक सुरक्षा की माँग
- राष्ट्र संघ के बाहर प्रयास
- फ्रांस द्वारा लघु राष्ट्रों से समझौता
- राष्ट्रसंघ के अन्तर्गत सुरक्षा प्रयास
- निःशस्त्रीकरण

इकाई- 26

आर्थिक थकान - क्षतिपूर्ति का समस्या

- क्षतिपूर्ति का अर्थ
- समस्या का स्वरूप
- समस्या का प्रथम चरण (जनवरी 1921-अप्रैल 1921)
- समस्या का द्वितीय चरण (मई-1921-29)
- क्षतिपूर्ति समस्या का अन्तिम चरण (1930-32)
- क्षतिपूर्ति समस्या की समीक्षा

इकाई- 27

राष्ट्रसंघ और अन्तर्राष्ट्रीय शान्ति व्यवस्था का उत्थान एवं पतन

- राष्ट्रसंघ की स्थापना
- राष्ट्रसंघ का संविधान
- राष्ट्रसंघ की सदस्यता
- राष्ट्रसंघ के माँग
- राष्ट्रसंघ के कार्य
- राष्ट्रसंघ की असफलता के कारण
- राष्ट्रसंघ का मूल्यांकन

खण्ड-7 युद्ध और औद्योगिक समाज (1917-1945)-2

इकाई-28

लोकार्नों एवं पेरिस समझौता

- लोकार्नों समझौता
- समझौते की धाराएँ
- समझौते की समालोचना
- पेरिस समझौता
- पेरिस समझौता और राष्ट्र संघ
- पेरिस समझौता की समाचोलना
- समझौता की प्रतिक्रिया

इकाई-29

वाशिंगटन सम्मेलन

- शान्ति को बचाने का प्रयास
- सम्मेलन के लिए जिम्मेदार तत्व
- सम्मेलन की कार्यवाही
- सम्मेलन का मूल्यांकन

इकाई-30

नवीन टर्की का जन्म – मुस्तफा कमालपाशा

- लोसान की सन्धि
- कमालपाशा का आरम्भिक जीवन
- टर्की गणराज्य की घोषणा
- कमालपाशा के विचार एवं सुधार
- गणतन्त्रवाद
- राष्ट्रवाद
- अन्य सुधार
- आर्थिक सुधार

इकाई-31

नव-गणतन्त्र वाईमर गणतन्त्र

- जर्मन गणतन्त्र
- वाईमर संविधान निर्माण
- वाईमर गणतन्त्र की कठिनाइयाँ (1919-33)
- फ्रांस का प्रदेश पर कब्जा
- आर्थिक कठिनाइयाँ
- डावेस योजना
- वाईमर गणतन्त्र
- वाईमर गणतन्त्र की विदेश नीति
- वाईमर गणतन्त्र का पतन
- वाईमर गणतन्त्र के पतन के कारण

इकाई-32

समाजवाद का सिद्धान्त-मार्क्स, लेनिन एवं माओत्सेतंग

- सर्वहारा क्रान्ति का मार्क्सवादी सिद्धान्त
- द्वन्द्वात्मक भौतिकवाद का मार्क्सवादी सिद्धान्त
- आर्थिक निर्धारणवाद का मार्क्सवादी सिद्धान्त
- वर्ग संघर्ष का मार्क्सवादी सिद्धान्त और सर्वहारा वर्ग का तानाशाही
- मार्क्स का राज्यवादी सिद्धान्त
- बिलगाव का मार्क्सवादी सिद्धान्त
- अतिरिक्त मूल्य का मार्क्सवादी सिद्धान्त
- लेनिन की पार्टी का सिद्धान्त
- द्वन्द्वात्मक भौतिकवाद का लेनिनवादी सिद्धान्त
- लेनिन का सर्वहारा वर्ग की क्रान्ति का सिद्धान्त
- लेनिन का राज्यवादी सिद्धान्त
- साम्राज्यवादी पूँजीवाद का लेनिनवादी सिद्धान्त

- लेनिन और नई आर्थिक नीति
- माओत्सेतुंग का एशियाई साम्यवादी सिद्धान्त
- माओत्सेतुगं और कृषक वर्ग
- माओत्सेतुगं की गुरिल्ला युद्ध
- माओत्सेतुंग का द्वन्द्वात्मक भौतिकवाद का सिद्धान्त
- माओत्सेतुंग और सांस्कृतिक क्रांति

खण्ड-8 युद्ध और औद्योगिक समाज (1917-1945)-3

इकाई-33

सोवियत संघ का नवीन संविधान

- संविधान निर्माण प्रक्रिया
- न्यायपालिका
- लोकतान्त्रिक केन्द्रीयकरण
- एकदलीय व्यवस्था

इकाई-34

लेनिन की नई आर्थिक नीति

- वाह्य हस्तक्षेप और गृहयुद्ध
- उद्योगों का राष्ट्रीकरण
- वस्तु अधिग्रहण कानून
- जमींदारों के भय से मुक्ति
- खाद्यान्न अधिग्रहण
- लघु उद्योगों को स्वतन्त्रता
- स्थाई मुद्रा एवं मुद्रा नियन्त्रण
- श्रमिकों की दशा सुधारने हेतु प्रयास

इकाई-35

नवीन आर्थिक विचार केंच के सिद्धान्त

- जीवन परिचय व पृष्ठभूमि
- आर्थिक विचारधारा में का स्थान

- आर्थिक नीति की केंचीयन व्यवस्था में नीति मान्यताएँ
- केंचीयन आर्थिक व्यवस्था की सामान्य विशेषताएँ
- केंचीयन प्रणाली की विस्तृत व्याख्या-प्रवृत्तियाँ एवं नियन्त्रण
- केंच के आर्थिक विचारों की आलोचना
- केंच के विचारों का मूल्यांकन
- केंच और अर्द्ध विकसित अर्थव्यवस्थाएं

इकाई-36

विश्वव्यापार का संकुचन एवं 1929-31 में गिरावट

- व्यापार संकुचन के कारण
- 1929 का आकस्मिक संकट
- आर्थिक मन्दी के कारण
- आर्थिक मन्दी का विस्तार
- आर्थिक मन्दी के प्रभाव

इकाई-37

गाँधी दर्शन एवं अहिंसात्मक आन्दोलन

- गाँधी दर्शन की विशेषताएँ
- दक्षिण अफ्रीका में सत्याग्रह
- गाँधी जी का भारत आगमन चम्पारण आन्दोलन
- असहयोग आन्दोलन
- सविनय अवज्ञा आन्दोलन
- गाँधी इरविन समझौता
- भारत छोड़ो आन्दोलन

खण्ड-9 युद्ध एवं औद्योगिक समाज (1917-1645)

इकाई-38

सामाजिक असन्तोष और मजदूर विद्रोह

- मजदूर वर्ग की राजनीति
- पूँजीवादी देशों में आर्थिक संकट
- फासिस्ट राज्यों का उदय और मजदूर आन्दोलन
- मजदूरों के प्रति राज्य का दृष्टिकोण

- मजदूरों का मुख्य उद्देश्य
- राष्ट्रीय आन्दोलन और मजदूर

इकाई-39

संयुक्त राज्य अमेरिकाकी अर्थव्यवस्था की सफलता व असफलता रूजवेल्ट की ''न्यूडील'' नीति

- राष्ट्रपति रूजवेल्ट का परिचय
- 20वीं शताब्दी के तीसरे दशक में संयुक्त राज्य अमेरिका की स्थिति
- आर्थिक मन्दी व उसके प्रभाव
- न्यूडील योजना
- 1936 का चुनाव
- पुनरूत्थान व गिरावट
- न्यूडील योजना के गुण-दोष
- न्यूडील योजना की समीक्षा

इकाई-40

चतुर्थ विश्व की अर्थव्यवस्था सुदूरपूर्व में जापान का उत्कर्ष

- जापानी आर्थिक विकास के विभिन्न चरण
- जापान की अर्थव्यवस्था (1919-30)
- जापान की अर्थव्यवस्था (1930-36)
- जापान की अर्थव्यवस्था (1936-45)

इकाई-41

इण्टरनेशनल कामिण्टर्न पैक्ट तथा सोवियत नीति

- कामिण्टर्न का (अ) अस्तित्व (आ) संरचना
- कामिण्टर्न की प्रकृति एवं उदय
- आकामिण्टर्न की नीतियाँ
- कामिण्टर्न का अन्त

इकाई-42

फासिस्ट राज्य

- मुसोलिनी पश्चिम
- फासिस्ट राज्य का स्वरूप
- फासिस्ट दल
- व्यक्ति और समाज
- शक्ति विरोधी युद्ध समर्थक
- नात्सीवाद
- नात्सी राज्य
- नात्सी दल
- जर्मन आर्य जाति
- अर्थव्यवस्था का केन्द्रीकरण

खण्ड-10 युद्ध एवं औद्योगिक समाज (1917-1945) 5

इकाई-43

विश्व राजनीति में नारियों के उद्देश्यों

- प्रथम महायुद्ध के पश्चात् जर्मनी का परिदृश्य
- नाजीवाद : दर्शन एवं विचार धारा
- नाजीवाद के उत्कर्ष के कारण

इकाई-44

अर्थ शान्ति-आस्ट्रिया का अन्त

- हिटलर का उत्कर्ष और सुरक्षा व्यवस्था
- हिटलर की विस्तारवादी नीति
- विस्तारवादी नीति के प्रमख कार्य
- जर्मन भाषा-भाषी प्रदेशों का जर्मनी में विलय
- आस्ट्रिया का जर्मनी में विलय
- आस्ट्रिया पर अधिकार के परिणाम और विदेशी प्रतिक्रियाएँ
- म्यूनिख समझौता
- जर्मन आक्रमण के कारण
- म्यूनिख समझौते का प्रमुख विशषताएँ
- म्यूनिख समझौते के परिणाम
- म्यूनिख समझौते पर विदेशी प्रतिक्रियाएँ

इकाई-45

समझौतों हमलों की घोषणा शान्ति का (1939 ई0)

- प्रथम विश्व युद्ध के बाद मित्रराष्ट्रों एवं पराजित राष्ट्रों के बीच सन्धियाँ
- वर्साय, जैन्ट जर्मेन, न्यूली ट्रीलों सेव्र एवं सोसान की सन्धियाँ
- राष्ट्र संघ की संरक्षता में की गई सन्धि
- द्विपक्षीय सन्धियाँ
- ब्रिटेन-ब्रिटिश इराकी सन्धियाँ, 1922, ब्रिटिश टर्की सन्धि 1925, ब्रिटिश ईराकी सन्धि 1930, आंग्ल मिश्र सन्धि 1936, आंग्ल इटली

समझौता 1938

- इटली
- रूस
- टर्की
- पोलैण्ड
- चेकोस्लोवाकिया
- जापान
- जर्मनी
- निःशस्त्रीकरण
- शान्ति का विनाश

इकाई-46

अफ्रीका संकट – अबीसीनिया का युद्ध

- अबीसीनिया का युद्ध
- इटली की विदेश नीति
- अबीसीनिया द्वारा राष्ट्रसंघ की सदस्यता ग्रहण करना
- अबीसीनिया पर आक्रमण के कारण
- समस्या का समाधान
- अबीसीनिया पर इटली आक्रमण की प्रमुख घटनाएँ
- राष्ट्रसंघ की असमर्थता
- अबीसीनिया युद्ध के परिणाम
- द्वितीय विश्वयुद्ध एवं अबीसीनिया का प्रश्न

- स्पेन का युद्ध औरिटली का रूख
- हिटलर की यूरोप में दादागिरी
- द्वितीय विश्वयुद्ध की प्रगति
- शान्ति स्थापना के प्रयत्न-इटली के साथ सन्धि

इकाई-47

स्पेन का गृहयुद्ध और द्वितीय विश्वयुद्ध की पृष्ठभूमि में महान युद्ध नीतियाँ

- भौगोलिक कारण
- सामाजिक कारण
- आर्थिक कारण
- राजनीतिक कारण
- सैनिक कारण
- महान युद्ध नीतियाँ (विदेशी हस्तक्षेप)

खण्ड-11 युद्ध एवं औद्योगिक समाज (1917-1947) 6

इकाई-48

युद्ध एवं औद्योगिक समाज (1919-1947)

- असहयोग आन्दोलन 1920
- राष्ट्रीय आन्दोलन का स्वरूप 1922-1937
- 1937 से 1947 तक भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन का स्वरूप

इकाई-49

ब्रिटिश राष्ट्र मण्डल

- राष्ट्र मण्डल का अर्थ एवं स्वरूप
- राष्ट्र मण्डल के संगठन एंव संस्थाएँ
- राष्ट्र मण्डल के उद्देश्य
- राष्ट्र मण्डल का ऐतिहासिक विकास
- प्रथम विश्वयुद्ध के पश्चात् राष्ट्र मण्डल का विकास
- राष्ट्र मण्डल की विशेषताएँ

इकाई-50

सुदूरपूर्व में संकट – मंचूरिया संकट

- चीन में प्राचीन राजवंश

MAHY-03
प्रथम खण्ड

इकाई- 1 ऐतिहासिक चिन्तन

- इतिहास एवं प्रकृति
- इतिहास एवं समाज
- राजनीतिक इतिहास
- संवैधानिक इतिहास
- आर्थिक इतिहास
- सामाजिक इतिहास
- राजनयिक इतिहास
- सांस्कृतिक इतिहास
- धार्मिक इतिहास
- औपनिवेशिक इतिहास
- संसदीय इतिहास
- सैनिक इतिहास
- कामनवेल्थ का इतिहास
- विचारों का इतिहास
- इतिहास दर्शन
- मानव स्वतन्त्रता तथा मानव प्रगति का इतिहास
- प्रगति का इतिहास
- विश्व इतिहास

इकाई- 2 इतिहास प्रगति के समरूप

प्रगति की परिभाषा

मानव इतिहास की संरचना

- इतिहास और मानव संकल्प
- मानवीय समाज के विभिन्न आयाम

ऐतिहासिक प्रगति के निर्णायक तत्व

- मार्क्स की प्रगति की नियतिवादी व्याख्या
- इतिहास निर्माता का आत्मबोध और मानसिकता

संक्रान्ति के वस्तुनिष्ठ एवं वैयक्तिक कारक

- ऐतिहासिक के वस्तुनिष्ठ आदर्श और इतिहास के नायकों की अभिलाषा

क्या सम्पूर्ण मानव जाति के विकास का कोई सुस्पष्ट प्रारूप है।

- समकालीन सार्वभौम इतिहास में अराजक विशिष्टों की समस्या जातीय नानत्व एवं विशिष्ट परम्पराएँ।
- क्या सम्पूर्ण मानवीय इतिहास किसी केन्द्रीय लक्ष्य को प्राप्त कर रहा है।
- नाना जातीय सांस्कृतिक परम्पराएँ अन्योन्य विशिष्ट मूल्य परिप्रेक्ष्य व्यक्त करती है।

इकाई- 3 इतिहास विज्ञान और नैतिकता

इतिहास क्या है ?

- इतिहास के स्रोत और साधन
- इतिहास वार्ता में व्यक्तित्व का सवाल
- इतिहास और नियतिवाद
- इतिहास वृतांत और इतिहासकार की परिकल्पनाएँ
- इतिहासकार के मूल्यांकन और मानव मूल्य

विज्ञान नीति, भावोन्मेष

- विज्ञान और समाज विज्ञान
- विज्ञान का इतिहास और समाज विज्ञान

नैतिकता

- नैतिक मूल्यों की सापेक्षता का इतिहास

नैतिकता विज्ञान और इतिहास

- मानवीय अस्तित्व एवं मूल्य
- सर्वकालिक आधार मूल्य

इतिहास की सीख एवं निष्कर्ष

इकाई-4 इतिहास और सामाजिक विज्ञान

19वीं सदी में इतिहास एवं सामाजिक विज्ञान

- हेगेल
- रांके
- कार्ल मार्क्स
- डाकवर्न तथा अन्य वैज्ञानिक
- डिल्थे
- वेबर

20वीं सदी के पूर्वार्द्ध में इतिहास और सामाजिक विज्ञान

- ऐक्टन
- क्रोचे और कालिंगवुड
- ओसवाल्ड स्पेंगलर और आरनान्ड टायनबी
- ई0एच0 कार

20वीं सदी के उत्तरार्द्ध में इतिहास और सामाजिक विज्ञान इतिहास पर सामाजिक विज्ञान का प्रभाव

- समाजशास्त्र और मानव विज्ञान
- मनोविज्ञान
- अर्थशास्त्र
- राजनीतिशास्त्र
- भूगोल

द्वितीय खण्ड

इकाई-5 चीनी इतिहास लेन का भूमिका और उसका स्वरूप

- इतिहास लेखन परम्परा की उत्पत्ति
- कनफ्यूसियसवाद और इतिहास लेखन
- विवरणात्मक इतिहास लेखन का विकास
- वृहद इतिहास लेखन परम्परा का प्रादुर्भाव एवं विकास
- पान कू (32-12ई0 पूर्व)

अधिकारिक इतिहास लेखन का विकास

विश्लेषणात्मक व आलोचनात्मक इतिहास लेखन

चीनी इतिहास लेखन परम्परा की विशेषताएँ

इकाई-6 अरबी एवं इस्लामी इतिहास लेखन की परम्पराएँ

इतिहास के सम्बन्ध में मुस्लिम विचार

इस्लाम के उदय के पूर्व अरब में ऐतिहासिक चेतना

- वंशावलियाँ
- शिलालेख

यहूदियों और ईसाइयों की भूमिका

इस्लाम में ऐतिहासिक चेतना का विकास

मुस्लिम इतिहास लेखन की आधारभूत पद्धतियाँ

- खबर इतिहास
- काल कलात्मक इतिहास लेखन
- राजवंश सम्बन्धी इतिहास लेखन
- वंशावली सम्बन्धी पद्धति
- तबक्षात पद्धति (वर्गीकृत चरित्र चित्रण)

खलीफाओं के समय का चरित्र लेखन

अब्बासी खलीफाओं के काल में इतिहास लेखन

ईरान का सांस्कृतिक उत्थान और इतिहास लेखन

मंगोल आक्रमण और इतिहास लेखन

भारत में मुस्लिम इतिहास लेखन

अन्दलूसी और मगरिकी इतिहास लेखन

टूब्र सल्टून के पश्चात् इतिहास लेखन

इकाई-7 ईसाई धर्म एवं इतिहास चिन्तन

ईसाई इतिहास दर्शन की निर्धारक ईसाई धार्मिक मान्यताएँ

ईसाई इतिहास चिन्तन

ईसाई इतिहास दर्शन की प्रमुख अवधारणाएँ

ईसाई इतिहास दर्शन का परवर्ती इतिहास दर्शन पर प्रभाव

इकाई-8 इतिहास दर्शन की निश्चयात्मक अभिगम : राँके के विशेष सन्दर्भ में

इतिहास दर्शन की धाराएँ : (1) आध्यात्मवादी एवं भौतिकवादी

इतिहास का विकासवादी सिद्धान्त

वैज्ञानिक इतिहास लेखन की तलाश

ऐतिहास भौतिकवाद

समाज का सम्पूर्ण दर्शन

सामाजिक परिवर्तन की शक्तियाँ एवं प्रक्रिया

वर्ग और वर्ग संघर्ष

ऐतिहासिक युग

इकाई-10 20वीं शताब्दी का इतिहास लेखन : स्पैंगलर एवं टायन्बी के सन्दर्भ में

स्पैंगलर के विचार

प्रकृति और इतिहास

- इतिहास में संस्कृतियों का उत्थान एवं पतन
- संस्कृति
- संस्कृति की वृत्तात्मकता
- संस्कृति और सभ्यता
- तोलमेक एवं कोपर निकस का दृष्टिकोण
- संस्कृतियों का जीवन काल

टायन्बी के विचार

- सामाजिक अध्ययन की महत्ता
- सभ्यता की समस्याएँ
- सभ्यता का विकास और पतन
- सभ्यताओं से सम्पर्क
- सर्पिल सिद्धान्त

स्पैंगलर एवं टायन्बी के विचारों का तुलनात्मक विश्लेषण

20वीं शताब्दी के इतिहास दर्शन की प्रेरक शक्तियाँ

इकाई-11 महाकाव्य, कौटिल्य का अर्थशास्त्र, धर्मशास्त्र व भास साहित्य की ऐतिहासिक विवेचना

महाकाव्य

रचनाकाल

- रामायण
- महाभारत

महाकाव्यों का कथानक

- रामायण
- महाभारत

महाकाव्यों का महत्व

महाकाव्य : ऐतिहासिक स्त्रोत के रूप में

- राजनीतिक जीवन
- सामाजिक जीवन
- आर्थिक जीवन
- धार्मिक जीवन

अनुभागीय सारांश

अर्थशास्त्र

- अर्थशास्त्र का कृतित्व
- अर्थशास्त्र विषयक विवाद
- अर्थशास्त्र का प्रभाव
- अर्थशास्त्र की विषय वस्तु

अर्थशास्त्र ऐतिहासिक स्त्रोत के रूप में

धर्मशास्त्र

- धर्म
- धर्मशास्त्रों का परिचय
- धर्मशास्त्र ग्रंथों का निर्माण काल

ऐतिहासिक स्त्रोत के रूप में धर्मशास्त्र

स्मृति ग्रन्थों में वर्णित जीवन

- आर्य संस्कृति का क्षेत्र
- राजनीतिक जीवन
- सामाजिक जीवन
- आर्थिक जीवन

भास का काल

भास की रचनाएँ

इकाई-12 कालिदास-साहित्य, पुराण व हरिषेण की प्रमाण प्रशस्ति की ऐतिहासिक विवेचना

कालिदास

- काल निर्णय
- कालिदास की रचनाएँ
- कालिदास की रचनाओं का ऐतिहासिक महत्व

पुराण

पुराणों का ऐतिहासिक महत्व

हरिषेण प्रयाग प्रशस्ति

प्रयाग प्रशस्ति का ऐतिहासिक महत्व

इकाई-13 फाहियान, युवानच्वांग और ईस्सिंग की भारत यात्रा वृत्तांत

फाहियान

- मध्य एशिया
- अफगानिस्तान और सीमा प्रान्त
- भास में प्रवेश : पंजाब और मथुरा
- मध्यप्रदेश
- पाटलिपुत्र
- कठिनाइयाँ
- विभिन्न सम्प्रदाय तथा पूजा पद्धतियाँ
- प्रशासन
- समाज

युवान च्यांग

- कन्नौज का राजगद्दी पर बैठना
- राजनैतिक दशा
- विजयें और साम्राज्य
- प्रशासन
- कन्नौज की महत्ता
- कन्नौज का सभा
- प्रयाग की सभा
- हर्ष का धर्म
- देश की धार्मिक स्थिति
- विद्या का संरक्षक
- सामाजिक दशा
- आर्थिक दशा

ई-त्सिंग

- बौद्ध धर्म
- नालन्दा विश्वविद्यालय और शिक्षा पद्धति
- सफाई व्यवस्था
- उत्पादन
- वस्त्र
- राजनैतिक घटनाएँ

इकाई-14 बाबरनामा, अकबरनामा तथा सुजन राय भण्डारी की कृत खुलासतुत्तवशिख

ऐतिहासिक स्त्रोतों में बाबरनामा, अकबरनामा, तथा खुलासतुत्तवशिख का महत्व

बाबरनामा-बाबर के बौद्धिक जीवन पर आनुवंशिकता तथा वातावरण का प्रभाव

बाबर की उपलब्धियाँ-विद्वत्ता के क्षेत्र में

बाबरनामा

बाबरनामा एक ऐतिहासिक ग्रन्थ के रूप में

अकबरनामा

अबुलफजल की जीवनी, कृतियाँ

खुलासतुत्तवशिख के लेखक सुजन राय

खुलासतुत्तवशिख एक ऐतिहासिक ग्रन्थ के रूप में

इकाई-15 ख्यात साहित्य सामान्य परिचय

विषयवार वर्गीकरण

शैलीगत वर्गीकरण

ख्यात साहित्य की प्राचीनता एवं उसके लेखक

ख्यातों की विषयवस्तु

- राजवंश सम्बन्धी ख्यातों की विषय वस्तु
- शासक विशेष सम्बन्धी ख्यातों की विषय वस्तु
- जाति विशेष सम्बन्धी ख्यातों की विषय वस्तु

कुछ प्रसिद्ध ख्यातोंकारों का सामान्य परिचय

- मृदुत नैजसी
- दयालदारा सिंढायत
- बोकीदास

बातसाहित्य

बातों का वर्गीकरण

- ऐतिहासिक बातें

अर्द्ध ऐतिहासिक बातें

अन्य विषयों की बातें

इकाई-16 गुजराती रासमाला साहित्य का ऐतिहासिक महत्व

- गुजराती रासमाला साहित्य
- रासमाला के आधारभूत साधन स्रोत
- रासमाला में गुजरात-सौराष्ट्र की भौगोलिक सीमा और स्थिति
- रासमाला में वर्णित विभिन्न राजवंश

सल्तनत कालीन गुजरात और विशिष्ट शासक

रासमाला में वर्णित विशिष्ट घटनाएँ

गुजरात के उद्योग धन्धे का व्यापारिक केन्द्र

गुजरात का राजनैतिक स्वरूप

- प्रशासनिक व्यवस्था
- राजस्व व्यवस्था

गुजरात में बसने वाली प्रमुख जातियाँ

- शासक जातियाँ
- जनजातियाँ
- अन्य जातियाँ

गुजरात का सांस्कृतिक स्वरूप

इकाई-17 भारतीय इतिहास एवं इतिहास लेखन का यूरोपीय मत

विलियम जोन्स के विचार

धर्मपरायण साम्राज्यवाद और इतिहास लेखन

उपयोगितावादी इतिहासकार जेम्स मिल के विचार

एल्फिंस्टन का मत

भारत के प्रान्तीय इतिहास के कुछ लेखक

1850 के उपरान्त यूरोपीय इतिहासकारों का अध्ययन एवं लेखन

इकाई-18 स्वातन्त्र्य पूर्व राष्ट्रवादी इतिहास लेखन : आर0सी0 दत्त एवं दादाभाई नौरोजी

स्वातन्त्र्य पूर्व भारत में राष्ट्रवादी इतिहास लेखन

आर0 सी0 दत्ता – उनके विचार

दादाभाई नौरोजी – उनके विचार

राष्ट्रीय ऋण

भूराजस्व

उद्योग, वाणिज्य तथा कृषि का ह्रास

यातायात के साधन (रेलवे, सड़क तथा सिंचाई) की असंतुलित व्यवस्था

इकाई-19 भारतीय इतिहास लेखन में अधुनातन प्रवृत्तियाँ परम्परावादी सम्प्रदायवादी राष्ट्रवादी तथा मार्क्सवादी

भारतीय इतिहास लेखन में अधुनातन प्रवृत्तियाँ

परम्परावादी इतिहास लेखन

सम्प्रदायवादी इतिहास लेखन

मार्क्सवादी इतिहास लेखन

इकाई-20 भारतीय लोक साहित्य का ऐतिहासिक दृष्टि से महत्व

लोक साहित्य की परिभाषा और उसकी विधाएँ

लोक साहित्य और समाज का सांस्कृतिक प्रारूप

लोक साहित्य में वर्णित आदिम विचार

लोक साहित्य का ऐतिहासिक दृष्टि से मूल्यांकन

इकाई-21 इतिहास में तथ्य

इतिहास में तथ्यों का इतिहास

ऐतिहासिक तथ्य क्या है।

- सामान्य तथ्य
- मूलभूत तथ्य
- विशिष्ट तथ्य

काले बेबर की अवधारणा

ई0 एच0 कार का विवेचन

तथ्यों के स्रोत

- वैज्ञानिक स्रोत
- अवैज्ञानिक स्रोत
- साहित्यिक स्रोत

तथ्यों की व्याख्या

तथ्यों एवं मूल्यांकन

वास्तुपरकता एवं तथ्य

इकाई-22 इतिहास में वस्तुनिष्ठता

इतिहास में वस्तुपरकता की अवधारणा

इतिहास में वस्तुनिष्ठता

- वस्तुनिष्ठ तथ्यता
- वस्तुनिष्ठ दृष्टिकोण
- वस्तुपरक व्याख्या
- मूल्य एवं उद्देश्य

MAHY-04
भारत की राजनीतिक संरचना

इकाई- 1 प्राचीन भारतीय राज्य एवं शासन पद्धति के अध्ययन स्त्रोत एवं सामग्री

साहित्यिक स्त्रोत

- ब्राह्मण साहित्य
- बौद्धिक साहित्य
- विदेशी वृत्तान्त

पुरातात्विक स्त्रोत

- अभिलेख
- सिक्के

इकाई- 2 वैदिक काल में राजनीतिक विचार एवं संस्थाएँ

- वैदिक काल की अवधारणा
- वैदिक साहित्य निर्माता क्या विदेशी थे।

वैदिक राजनीतिक के स्त्रोत

राज्य की उत्पत्ति सम्बन्धी विचार

- शासन विधान के प्रकार
- राज्य के उद्देश्य
- राज्य के धर्म निगड़ित होने की कल्पना
- सर्वोच्च सत्ता का अस्तित्व

राजस्व पर विचार (राजपद का जन्म)

- राजा ब्राह्मण सम्बन्ध
- राजा के देवत्व की कल्पना

राजा का निर्वाचन

- राज्य के अन्य कृत
- राज्य युति और पुनः निर्वाचन
- राजा के कर्तव्य

राजा पर नियन्त्रण

- समिति
- सभा
- विदथ

राजपद गौरव का प्रतीक अभिषेक

- राज्याभिषेक से सम्बन्धित राजसूय यज्ञ
- रत्न हवि
- देवस्तुति
- अभिषेक जल संग्रह
- अभिषेचन
- अधिकार ग्रहण घोषणा
- राजपद दान
- अभिषेकेतर कृत्य
- अधीनता स्वीकृति
- शासन सूचक क्रीड़ा
- राजपद प्रतिष्ठा

मन्त्रिमण्डल का प्रारम्भिक स्वरूप

वैदिक गण का विवेचन

सैन्य व्यवस्था

कर व्यवस्था

न्याय व्यवस्था

न्याय प्रक्रिया

ग्रामों का प्रशासन

इकाई-3 महाकाव्यों से ज्ञात राजनीतिक विचार एवं प्रशासनिक संस्थाएँ

महाकाव्यों के सम्बन्ध में पश्चिमी इतिहासकारों की अवधारणा

महाकाव्यों के राजनीतिक आदर्श

महाकाव्यों में राजनीतिक विचार एवं संस्थाएँ

- राजधर्म एवं दण्डनीति
- राजा की आवश्यकता

- राजा की दैवीय उत्पत्ति का सिद्धान्त
- राज्य उत्पत्ति हेतु सामाजिक अनुबन्ध का सिद्धान्त
- राजा के चुनाव का संकेत
- राजा का आवयविक स्वरूप
- साम्राज्य की अवधारणा
- राजा के कर्तव्य
- उत्तराधिकारी के नियम एवं राज्याभिषेक का उल्लेख
- राजा के गुण दोष
- धर्म और राजनीति का सम्बन्ध
- ब्राह्मण-क्षत्रिय सम्बन्ध
- मन्त्रि परिषद्
- जनसंसद
- राज्य में विधि का सर्वोपरि स्थान
- राज्य में दण्ड की महत्ता
- न्याय व्यवस्था
- न्याय के स्रोत
- क्षेत्रीय प्रशासन
- प्रमुख अधिकारी
- आर्थिक व्यवस्था
- कोष की व्यवस्था
- कर संचय सिद्धान्त
- विविध कर
- सैनिक व्यवस्था
- गुप्तचर
- राजदूत
- पुलिस
- षडगुण्य नीति, एवं उसका व्यावहारिक पक्ष
- गुण एवं संघ राज्य

- पुर और रजनपद

इकाई-4 प्राचीन भारत में राज्य की उत्पत्ति और स्वरूप

- अध्ययन के स्रोत
- छठी शताब्दी ईसापूर्व की राजनैतिक व्यवस्था
- प्राचीन भारत में राज्य की उत्पत्ति
- प्राचीन भारत में राज्य की उत्पत्ति सम्बन्धी प्रचलित विचार धाराएँ
- प्राचीन भारत में राज्य का स्वरूप

इकाई-5 राज्य के प्रकार एवं कार्य

- राजतन्त्र के प्रकार

राजतन्त्र, गणतन्त्र, वैराज्ञ, स्वराज्य, योग्य, परयेष्ठी, विपृ राज्य, समर्थ राज्य।

पेत्तानिका, राष्ट्रिका, द्वैराज्य

साम्राज्य

राज्य के कार्य

प्रजारक्षण, लोक कल्याण, अर्थ व्यवस्था पर नियन्त्रण सामाजिक व्यवस्था का निर्वाह व नियन न्याय की व्यवस्था, प्रशासनिक प्रणाली का निर्वाह परराष्ट्र सम्बन्धों का निर्वाह

इकाई-6 प्राचीन भारत में जनपद : स्वरूप का संगठन

जनपद : अवधारणा, ऐतिहासिक विकास, संगठन और व्यवस्था

इकाई-7 गण और संघ

प्राचीन भारतीय गणराज्य

संविधान एवं प्रशासन

गणराज्य – ह्रास एवं पतन

इकाई-8 ईसा पूर्व छठीं शताब्दी में राज्य और साम्राज्य का उदय

राज्यों के उदय की पृष्ठभूमि

ईसापूर्व छठी शदी में जनपद राज्यों का उदय

जनपदों के नाम तथा भौगोलिक वितरण

1. अंग

2. मगध

3. काशी

4. कौशल

5. वज्जि

6. मल्ल

7. चेदि

8. वत्स

9. कुरु

10. पांचाल

11. मत्स्य

12. सूरसेन

13. अश्मक

14. अवन्ति

15. गंधार

16. कम्बोज

राज्य की उत्पत्ति सम्बन्धी सिद्धान्त

- राज्य की उत्पत्ति का अनुबन्ध
- राज्योत्पति का दैवीय सिद्धान्त
- राज्योत्पत्ति का युद्ध मूलक तथा बल सिद्धान्त

प्राचीन भारत में साम्राज्यवाद का उदय

मगध साम्राज्य के विकास की पृष्ठभूमि

इकाई-9 राजत्व (राजतन्त्र) उत्पत्ति, प्रकृति एवं कर्तव्य

राजत्व उत्पत्ति सम्बन्धित प्राचीन भारतीय विचारधाराएँ

1. चयन का सिद्धान्त
2. दैवीय उत्पत्ति का सिद्धान्त

प्राचीन भारत में राजत्व की प्रकृति

प्राचीन भारत में राजत्व (राजतन्त्र) के कर्तव्य

इकाई-10 राजत्वका स्वरूप एवं उस पर नियन्त्रण (मर्यादाएँ)

राजत्व का स्वरूप एवं देवत्व का विकास

राजत्व पर नियन्त्रण

सैद्धान्तिक नियन्त्रण

- धर्म की सर्वोच्चता
- राजा का प्रजा पालकत्व एवं पैतृक सिद्धान्त
- राजधर्म की प्रतिष्ठा या दण्ड का सिद्धान्त
- राजत्व का संविदात्मक स्वरूप

संस्थागत नियन्त्रण

- निर्वाचन
- सभा व समिति
- पुरोहित
- मन्त्रिमण्डल
- सत्ता का विकेन्द्रीकरण
- जनमत का भय

इकाई-11 व 16 प्राचीन भारत में विधि : स्वरूप एवं संहिताकरण

- विधि का स्वरूप
- विधि के स्रोत एवं सद्विताकरण

1. श्रुति
2. स्मृति (धर्मशास्त्र)
3. सूत्रकाल
4. स्मृतियुगीन विधि व्यवस्था
5. सदाचार
6. राजशासन

इकाई-12 व 17 धर्मशास्त्रों में राजनीतिक विचार

धर्मशास्त्र एवं उनका वर्ण्य विषय

धर्मशास्त्रीय राजनीतिक चिन्तन

- विधि के स्रोत एवं सद्दिताकरण
- राजा के गुण दायित्व
- राज्य के सात अंग
- मन्त्रिपरिषद्
- अन्य कर्मचारीगण

इकाई-13 व 18 प्राचीन भारत में प्रशासन

- न्यायिक प्रशासन का विकास
- न्यायालय व न्यायाधीश
- संगठन व स्वरूप
- धर्म स्थायी व कष्टक साधन
- साक्ष्य
- साक्ष्य और साक्षी

इकाई-14 व 19 प्राचीन भारत में अपराध और दण्ड

- विधि का विकास
- विवाद के प्रकार
- न्यायालय
- दण्ड

इकाई-15 व 20 प्राचीन भारत में सैनिक संगठन (प्रारम्भ से 1200 ई0)

प्रागैतिहासिक एवं वैदिक काल में सैनिक संगठन

महाकाव्यों से ज्ञात सैनिक संगठन

- रामायण
- महाभारत

महाजन पदों का युग

मौर्य सैनिक संगठन

- मेगास्थनीज वर्णित सैन्य व्यवस्था
- अर्थशास्त्र वर्णित सैन्य व्यवस्था

शुंगकालीन सैन्य संगठन

सातवाहन कालीन सैन्य संगठन

शक-कुषाण सैन्य संगठन

गुप्त सम्राटों का सैनिक संगठन

वर्धनों का सैनिक संगठन

चोल सैनिक संगठन

चालुक्य सैनिक संगठन

राजपूत कालीन सैनिक व्यवस्था

इकाई-14 व 21 स्थानीय स्वशासन

स्थानीय स्वाशासन का अर्थ एवं उद्देश्य

वैदिक काल में स्वशासन : सभा एवं समिति

रामायण एवं महाभारत काल

बौद्ध युगीन स्वशासन का स्वरूप

मौर्य प्रशासन में स्वशासन

- नगर प्रशासन
- ग्राम प्रशासन
- व्यवसायियों की श्रेणियाँ

चतुर्थ खण्ड - भारत में भक्ति आन्दोलन एवं सूफीवाद-1

इकाई-15 व 22 उद्भव और अवधारणा – दक्षिण भारत में भक्ति आन्दोलन

अड़वार क ख ग

शैवनयनार – स्रोत, दार्शनिक, पृष्ठभूमि, रहस्यवाद (क)

शैवनयनार – (ख)

रामानुज : भक्ति को दार्शनिक पृष्ठभूमि की देन

इकाई-16 व 23 शंकराचार्य एवं उनका अद्वैत वेदान्त

शंकराचार्य का जीवन वृत्तान्त

- शंकर का जन्म
- शिक्षा
- सन्यास ग्रहण

- विरोधियों से शास्त्रार्थ
- वेदान्तपीठों की स्थापना
- देहावसान

वेदान्त का विकास : वेदान्त का अर्थ, उपनिषदों से भाष्य तक अद्वैतवेदान्त के ग्रन्थ

शंकराचार्य का अद्वैत दर्शन

- सत्ता के त्रिविध स्तर
- परब्रह्म
- ईश्वर
- माया
- जगत
- जीव
- बन्धन और मोक्ष
- मोक्ष का स्वरूप
- ब्रह्म और जीव में सम्बन्ध

इकाई-17 व 24 भारत में भक्ति आन्दोलन का विकास

- भक्ति ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य में
- भक्ति आन्दोलन के उत्कर्ष के कारण
- मध्यकालीन भक्ति का स्वरूप
- मध्ययुगीन प्रमुख सन्त
- भक्ति आन्दोलन के सन्तों की देन एवं उनका प्रभाव
- परवर्ती सन्त

इकाई-18 व 25 इस्लाम का भक्ति आन्दोलन पर प्रभाव

- तसब्वुक की परिभाषा
- भक्ति आन्दोलन
- सन्त कबीर
- मलिक मुहम्मद जायसी
- मीरा

- गुरुनानक का भक्ति दर्शन
- राम भक्ति व कृष्ण भक्ति सम्प्रदाय
- मुस्लिम शासकों के समय के सूफी सन्तों पर भक्ति आन्दोलन का प्रभाव

इकाई-19 व 26 भक्ति सन्तों की विशेषताएँ

प्रमुख भक्ति सन्तों की विशेषताएँ

1. रामानुज
2. निम्बार्क
3. माध्वाचार्य
4. रामानन्द
5. बल्लभाचार्य
6. चैतन्य महाप्रभु
7. मीराबाई
8. सन्त कबीर
9. गुरुनानक
10. सन्त दादू
11. सूरदास
12. तुलसीदास

खण्ड -5

इकाई-20 व 27 सन्त कबीर की शिक्षाएँ एवं जीवन

तत्कालीन सामाजिक व्यवस्था

एकेश्वरवादी विचारधारा का जन्म

इस्लामिक विचारधारा एवं भारतीय समाज

नवीन सामाजिक वर्गो का उदय

कबीर का काल

कबीर के उपदेस (शिक्षाएँ)

कबीर पन्थ

कबीर पन्थियों की संख्या

इकाई-21 व 28 नानक एवं उनकी शिक्षाएँ, खालसा पन्थ की उत्पत्ति, विकास, सिद्धान्त एवं दर्शन

गरुनानक का जीवन वृत्त

गुरुनानक का उपदेश

खालसा पन्थ का विकास

गुरु अंगद (1539-1552)

गुरु अमरदास (1552-1574)

गुरु रामदास (1574-1581)

गुरु अर्जुन (1581-1606)

गुरु हरगोविन्द (1606-1645)

गुरु तेग बहादुर (1664-1675)

गुरु गोविन्द सिंह (1675-1708)

खालसा पन्थ का निर्माण

सिद्धान्त दर्शन अथवा खालसा पन्त की विशेषताएँ

मुख्य शब्द

इकाई-22 व 29 भक्ति आन्दोलन के अन्य सन्त एवं उनकी शिक्षाएँ

1. शंकराचार्य
2. रामानुजाचार्य
3. रामानन्द
4. माध्वाचार्य
5. निम्बार्क
6. बल्लभाचार्य
7. चैतन्य महाप्रभु
8. नामदेव
9. सन्त दादू
10. रैदास
11. मीराबाई
12. सन्त धन्ना

13. सन्त पीपा

14. जयदेव

इकाई-23 व 30 सांस्कृतिक संश्लेषण और भक्ति आन्दोलन

भक्ति आन्दोलन की उत्पत्ति एवं विकास

मध्यकालीन भक्ति आन्दोलन एवं भागवत पुराण

मध्यकालीन भक्ति आन्दोलन के प्रभु उन्नायक

मध्यकालीन धार्मिक वातावरण और भक्ति आन्दोलन की आवश्यकता

कबीर की भक्ति का दर्शन

हिन्दू व मुस्लिम समाज पर पारस्परिक प्रभाव

इकाई-24 व 31 भक्त सन्तों का भारतीय समाज एवं संस्कृति में योगदान

दक्षिण भारत के सन्त : नयनार, और मलवार सन्त, शंकराचार्य, रामानुज, निम्बार्क मध्वाचार्य

उत्तर भारत के सन्त : रामानन्द बल्लभाचार्य, चैतन्य, नामदेव, रैदास, कबीर, नानक, दादू, मीरा, तुलसीदास, तुकाराम

नव सामाजिक संरचना के निर्माण का प्रयास

मानव माल की एकता पर बल

मानवतावादी विचारों का पोषण

सात्विक आचरण पर बल

लोभाषा का विकास एवं विस्तार

खण्ड-6 भारत में भक्ति आन्दोलन एवं सूफीवाद

इकाई-24 व 31 भारत के बाहर सूफीमत की उत्पत्ति और विकास

- अर्थ
- परिभाषा
- उत्पत्ति
- विकास
- सूफियों का प्रथम वर्ग
- सूफियों की द्वितीय पीढ़ी

- सूफियों की तृतीय पीढ़ी
- 10वीं शताब्दी में सूफीमत
- 11वीं शताब्दी में सूफीमत
- 12वीं शताब्दी में सूफीमत
- 13वीं शताब्दी में सूफीमत

इमाम गजाकी

शेख अब्दुल कादिर जिलानी

शेख मुदीउद्दीन इब्ने अरवी

शेख शहाबुद्दीन उमर सुहरावर्दी

इकाई-25 व 32 सूफीमत का भारत में विकास

चिश्ती

- ख्वाजा मुइनद्दीन चिश्ती
- शेख फरीदुद्दीन चिश्ती
- हजरत निमामुद्दीन औलिया
- हजरत नासिरुद्दीन मेहमूद

सुहारावर्दी

- शेख बहाउद्दीन जकरिया
- शेख नुरूउद्दीन मुबारकक गजनवी
- काजी हमीदुद्दीन नागोरी
- शेख जलालुद्दीन तबरेजी
- शेख सदरुदुदीन आरिफ
- शेख जलालुद्दीन बुखारी
- शेख एकनुद्दीन अबुल फतह

फिरदौसिया

- ख्वाजा एकनुद्दीन और ख्वाजा नाजिबुद्दीन
- शेख शफरूद्दीन याहया मनेरी
- शेख शरफुद्दीन के मुरीद

अन्यसूफी सिलसिले

- सूफी सिलसिले के मकानी केन्द्र

सूफीमत का प्रभाव

इकाई-26 व 33 चिश्ती सिलसिले के प्रमुख सन्त और उनका सूफी आन्दोलन

प्रमुख चिश्ती सन्त और उनका सूफी आन्दोलन

- ख्वाजा मुइनद्दीन चिश्ती
- शेख बकक्तियारुद्दीन काकी
- शेख हमीदुद्दीन नागौरी
- बाबा फरीदगंज शंकर
- हजरत निजामुद्दीन औलिया
- हजरत नसीरुद्दीन चिराग देहलवी
- हजरत अमीर खुसरो
- शेख मुहिगुल्लाह इलाहाबादी
- जलालुद्दीन गेजूदराज
- शेख सलीम चिश्ती

इकाई-27 व 34 चिश्ती सन्तों का खानकाही जीवन और राज्य के साथ उनका सम्बन्ध खानकाह सम्बन्धी शेख शिहाबुद्दीन सुहरावर्दी के विचार

चिश्ती खानकाह

- दैनिक जीवनचर्या
- खानकाह लोगों के कार्य
- खानकाह के निवासी

खानकाह में आने वाले लोगों एवं उनकी समस्याएँ

चिश्ती सन्तों का राज्य सम्बन्धी दृष्टिकोण

शासकों की संगत से दूर रहना

जागीर ग्रहण न करना

राजकीय सेवा ग्रहण न करना

इकाई-28 व 35 भारत में सुहरावर्दी सिलसिले के प्रमुख सूफी तथा उनकी शिक्षाएँ एवं सिद्धान्त

सूफी शब्द का उद्गम

- प्रथम सूफी
- सिलसिला

- खानकाह
- विभिन्न सूफी परिभाषाओं का विकास

प्रमुख सूफीमत एवं उनकी भारत में स्थापना

भारत में सुहरावर्दी सिलसिला की प्रस्तावना व विस्तार

- राजस्थान
- बंगाल
- देहली
- मुल्तान
- कच्छ
- गुजरात

सुहरावर्दी सूफियों की शिक्षा प्रणाली

खानकाह संगन

सुहरावर्दी सूफियों का राजनीतिक सम्बन्ध

- समाज कल्याण
- आलिमों से सम्बन्ध

खण्ड-7 भारत में भक्ति आन्दोलन एवं सूफीवाद

इकाई-29 व 36 सहरावर्दी खानकाह और उनका राजनीतिक सम्बन्ध

खानकाह का अर्थ

खानकाह का उद्देश्य

सुहरावर्दी खानकाह का लक्षण

खानकाह के प्रतिबन्ध

सुहरावर्दी सिलसिले के राज्य और समाज के बारे में विचार

सुहरावर्दी सिलसिले के राजनैतिक और आर्थिक सम्बन्ध

इकाई-30 व 37 आन्ध्र प्रदेश की जनजातियों की दशा

श्रीराम राजू के नेतृत्व में पहाड़ी रोडियों के विद्रोह के पहले उनके द्वारा किये गये विद्रोह

श्रीराम राजू का जीवन वृत्त

विद्रोह के कारण

विद्रोह की घटनाएँ

राजू की मृत्यु के बारे में विभिन्न मत

राजू की मृत्यु पर जनता की प्रतिक्रिया

आन्दोलन का प्रभाव

आन्दोलन की असफलता के कारण

विद्रोह का स्वरूप

इकाई-31 व 38 मोती लाल तेजावत के नेतृत्व में आदिवाई आन्दोलन

आन्दोलन के समय आदिवासियों की सामाजिक, आर्थिक एवं राजनैतिक दशा

तत्कालिक परिस्थितियाँ और कुछ भील आन्दोलन

मोतीलाल तजावत का आदिवासी कृषक आन्दोलन

इकाई-32 व 39 अखिल भारतीय किसान सभा की स्थापना और भारत के किसान आन्दोलन में

1951 तक उसकी भूमिका

किसानों के स्थानीय संगठनों का निर्माण तथा उनके संघर्ष

पंजाब, चम्पारण, खेड़ा, अकाली मोर्चा, मोपला विद्रोह, उत्तर प्रदेश, बारदोली

अखिल भारतीय किसान सभा की स्थापना : विस्तार, संविधान तथा कार्यक्रम

- स्थापना सम्मेलन के प्रमुख प्रस्ताव
- फैजपुर किसान कांग्रेस
- संगठन के संविधान तथा झण्डे का निर्माण

किसान सभा के सम्मेलन (1936-1951) तथा परित प्रमुख प्रस्ताव

- कौमिल्ला अधिवेशन, गया सम्मेलन, पलास सम्मेलन, बिहटा सम्मेलन, भखना सम्मेलन, बेजबाडा सम्मेलन, नेत्रकोना सम्मेलन, सिकन्दराशनु सम्मेलन

किसान सभा के तत्वावधान में हुए प्रमख आन्दोलन

बकाशत आन्दोलन, तेभागा आन्दोलन, पुत्रप्राबायलर आन्दोलन, तेलंगाना आन्दोलन

इकाई-33 व 40 तेलंगाना में कृषकों का विद्रोह

भारत में कृषक आन्दोलनों का स्वरूप (1818 ई0-1946ई0)

तेलंगाना के कृषक आन्दोलन की प्रकृति

तेलंगाना के कृषक विद्रोह के कारण

आन्दोलन का उत्कर्ष एवं विकास

तेलंगाना के कृषक आन्दोलन के परिणाम

तेलंगाना के कृषक विद्रोह की असफलता के कारण

आन्दोलन के प्रति सरकार की नीति

खण्ड-8 भारत में किसान आन्दोलन (1818-1951 ई0)-1

इकाई-34 व 41 भारत में किसान आन्दोलन का परिचय

भूमि राजस्व तथा किसान असन्तोष

1857 के पूर्व आदिवासी किसान विद्रोह

1857 के पश्चात् के किसान विद्रोह

- नील उत्पादक किसानों का आन्दोलन
- पावना किसान आन्दोलन
- महाराष्ट्र के किसान आन्दोलन
- विरसामुण्डा का विद्रोह
- पंजाब का किसान आन्दोलन

गाँधी तथा किसान आन्दोलन

- चंपारण किसान आन्दोलन
- खेड़ा किसान आन्दोलन

असहयोग आन्दोलन के दौरान एवं पश्चात् किसान आन्दोलन

- अकाली मोर्चा
- मोपला विद्रोह
- अवध का किसान आन्दोलन
- बारदोली का किसान आन्दोलन

अखिल भारतीय किसान संगठन का गठन

प्रान्तों में कांग्रेसी सरकारें, किसान सम्स्याएँ तथा किसान आन्दोलन

- बकश्त आन्दोलन

स्वतन्त्रता की पूर्व संध्या पर किसान आन्दोलन

- तेभागा आन्दोलन
- तेलंगाना किसान आन्दोलन
- पुन्नमा बासलर आन्दोलन

जमींदारी प्रथा के उन्मलून के प्रयत्न

इकाई-35 व 42 अंग्रेजी शासन काल के अन्तर्गत भारत में कृषि संरचना

अंग्रेजी शासन व्यवस्था से पूर्व कृषि संरचना का स्वरूप

भारत की आर्थिक, सामाजिक व्यवस्था में कृषकों की स्थिति

अंग्रेजी शासनकाल के अन्तर्गत कृषि संरचना (1764-1947 ई0)

- द्वैध शासन के अन्तर्गत कृषि संरचना
- स्थाई बन्दोबस्त व्यवस्था और कृषि संरचना
- लार्ड वैंइक एवं कर्जन के शासन काल में कृषि संरचना
- कृषि संरचना का प्रभाव

इकाई-36 व 43 राजस्थान में जनजातियों के विद्रोह (1818-1900 ई0)

भीलों का परिचय एवं ऐतिहासिक पृष्ठभूमि

भीलों का विद्रोह (1818-1825 ई0)

- कारण
- घटनाएँ
- डूँगरपुर एवं बांसवाडा में अशान्ति

दौलतसिंह एवं गोविन्दा का विद्रोह (1826-28 ई0)

भीलों के उत्पाद (1836-38 ई0)

1810 से 1841 तक अंग्रेजों की भीलों के प्रति समीक्षा

मेवाड़ भील कोर्प्स की स्थापना (1841)

भीलों के विद्रोह एवं उनके द्वारा अशांति फैलाने की घटनाएँ (1844-1880)

भील विद्रोह (1881)

कारण : आर्थिक, सामाजिक, प्रशासनिक, मनोवैज्ञानिक एवं धार्मिक, अंग्रेजों के प्रति असन्तोष, आकस्मिक कारण

घटनाएँ : बारापाल की पुलिस चौकी पर भीलों का हमला, अन्य स्थानों पर विद्रोह, खेराबाडा का घेरा, अंग्रेजों की तैयारियाँ, रिखलदेव का समझौता, समझौते की शर्तें।

विद्रोह के समय भीलों का आचरण

प्रभाव : भीलों के प्रतिरोध की घटनाएँ, भीलों के साथ एक नया समझौता प्रशासनिक व्यवस्था में सुधार, भीलों के हितों के लिए कार्य करने के आदेश, शैल कांतर हितकारिणी सभा की स्थापना, हाकिमों तथा भील गतियों में परामर्श की व्यवस्था, भील क्षेत्रों में सैनिक बल की वृद्धि

1883 से 1900 तक की छिटपुट घटनाएँ

1818 – 1900 तक भीलों के विद्रोह तथा प्रतिरोध आन्दोलन की विशेषताएँ

भीरों का विद्रोह (1818-23)

19वीं सदी भद्राजून के मीजाओं के उत्पाद

इकाई-37 व 44 सन्थाल विद्रोह (1855-56)

सन्थाल हूल यानि विद्रोह की पहली चिन्गारी

सन्थाल विद्रोह के कारण

सन्थाल विद्रोह के घटनाक्रम

विद्रोह की अवधि में संथालों का दमन

सन्थाल विद्रोह के परिणाम

इकाई-38 व 45 नील विद्रोह

नील की खेती की व्यवस्थाएँ

1810 एवं 1830 ई0 के कानून

नील विद्रोह के कारण

बंगाल के लेफ्टीनेंट गवर्नर के आदेश

1860 ई0 की घटनाएँ तथा लेफ्टीनेंट गवर्नर की घोषणा

प्रान्तीय सरकार द्वारा प्रस्तावित विल एवं नील आयोग की नियुक्ति

प्रस्तावित विल का विरोध तथा आन्दोलन की लोकप्रियता

भारत सरकार का आदेश (1860 ई0)

सेक्रेटी आफ स्टेट की भारत के निर्णय के प्रति असहमति

नील आयोग का गठन व कार्य

भारत सरकार के प्रस्तावों का सेक्रेटी आफ स्टेट द्वारा विरोध

बंगाल में नील की खेती का अन्त

नील विद्रोह की विशेषताएँ

खण्ड-9

इकाई-39 व 46 पालन एंव बोगुरा क्षेत्रों में कृषकों का विद्रोह

भारत में कृषक आन्दोलनों का 1818 ई0 से 1870 ई0 के मध्य स्वरूप

बंगाल प्रान्त के पालना एवं बोगुरा क्षेत्रों के कृषक विद्रोह की प्रकृति

पालना एवं बोगुरा कृषक विद्रोह के कारण

कृषक आन्दोलन का उत्कर्ष एवं विकास

कृषक विद्रोह के प्रभाव

विद्रोह के सम्बन्ध में ब्रिटिश सरकार की नीति

इकाई-40 व 47 दक्षिण भारत में कृषक विद्रोह

भारत में कृषक आन्दोलन की पृष्ठभूमि 1818 ई0 – 1857 ई0

दक्षिण भारत में हुए कृषक आन्दोलन की प्रकृति

कृषक विद्रोह के कारण

आन्दोलन का उत्कर्ष एवं विकास

दक्षिण के कृषक विद्रोह के प्रति सरकार की नीति

दक्षिण के कृषक विद्रोह के परिणाम

इकाई-41 व 48 राजस्थान एवं गुजरात में जनजातीय विद्रोह

गोविन्द गिरी का जीवन वृत्त

गोविन्द गिरी की शिक्षाएँ एवं भीलों की उन्नति का कार्यक्रम

गोविन्द गिरी के विरुद्ध सामन्तवादी तत्वों की विरोधी प्रतिक्रिया के कारण

गोविन्द गिरी एवं उसके अनुयायियों में असन्तोष के कारण

मानगढ़ का घेरा

गोविन्द गिरी व उसके साथियों पर मुकदमा

विद्रोह का स्वरूप

भारत के अन्य जनजातियों के आन्दोलनों से गोविन्द
गिरी के आन्दोलन की भिन्नताएँ प्रभाव

इकाई-42 व 49 चम्पारण, खेड़ा एवं बारदोली के किसान आन्दोलन

चम्पारण, खेड़ा एवं बारदोली के कृषक आन्दोलन से पूर्व भारत में कृषक आन्दोलनों का स्वरूप (1818 ई0 से 1917 ई0)

चम्पारण, खेड़ा एवं बारदोली के विकास आन्दोलन की प्रकृति कृषक विद्रोह के कारण

किसान आन्दोलनों का उद्‌भव एवं विकास महत्व

इकाई-43 व 50 बिंजोलिया में सामन्ती एवं उपनिवेशी शासन के विरुद्ध कृषक विद्रोह (1887-1930)

बिंजोलिया आन्दोलन की भूमिका एवं कारण (1887-1922)

बिंजोलिया आन्दोलन का प्रभाव और बेगू आन्दोलन

बिंजोलिया आन्दोलन द्वितीय चरण 1927-1930

इकाई-44 व 51 प्रथम विश्व युद्धोत्तर कृषि समस्याएँ और जागृति

प्रथम विश्व युद्धोत्तर कालकी कृषि समस्याएँ

प्रथम विश्व युद्धोत्तर काल के किसान आन्दोलन

प्रथम विश्व युद्धोत्तर काल के कृषक आन्दोलन का स्वरूप

प्रथम विश्व युद्धोत्तर काल के कृषक आन्दोलनों के परिणाम

इकाई-45 व 52 मोपला विद्रोह (1920-22 ई0)

मोपला कृषकों की स्थिति

19वीं शदी के मोपला विद्रोह

मोपला विद्रोह के कारण

मोपला विद्रोह की घटनाएँ

मोपला विद्रोह का स्वरूप

मोपला विद्रोह के परिणाम

इकाई-46 व 53 उत्तर प्रदेश के किसान आन्दोलन में कांग्रेस और किसान सभी की भूमिका

किसान असन्तोष के कारण

किसान सभाओं का संगठन और कार्य

प्रतापगढ़ में किसान संघर्ष
रायबरेली में किसान संघर्ष
एका आन्दोलन
किसान आन्दोलनों का स्वरूप
कांग्रेस और किसान संघर्ष
1922-29 के मध्य किसान संघर्ष
लागन बन्दी आन्दोलन की परिस्थितियाँ
1920-22 और 1930-32 के किसान आन्दोलन की तुलना

इकाई-47 व 54 बिहार के किसान आन्दोलनों में कांग्रेस और किसान सभा की भूमिका (1920-1939)

बिहार प्रान्तीय किसान सभा की संगठन और प्रारम्भिक कार्य
किसान सभा और कांग्रेस समाजवादियों में सहयोग
कांग्रेस मन्त्रिमण्डल की समझौतावादी नीति से किसानों में असन्तोष
बकाश्त आन्दोलन
किसान सभा का घटता हुआ प्रभाव

इकाई-47 व 54 बंगाल में तेभागा आन्दोलन (1946-1947 ई0)

भारत में कृषक आन्दोलन की पृष्ठभूमि एवं स्वरूप (1818-1946 ई0)
तेभागा कृषक आन्दोलन की प्रकृति
तेभागा विद्रोह के कारण
आन्दोलन का उद्भव घटना एवं विकास
तेभागा कृषक विद्रोह के प्रति सरकार की नीति
तेभागा विद्रोह के परिणाम

MAHY-05
5अ

1. **भारत का सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक इतिहास**

- भौगोलिक पृष्ठभूमि और संस्कृति
- प्रागैतिहासिक और ऐतिहासिक व्यवस्था
- वैदिक जीवन एवं विचार
- राजनीतिक तथा प्रशासनिक संस्थाएँ
- हिन्दुओं का सामाजिक संगठन
- आर्थिक जीवन
- शिक्षा पद्धति और साहित्य
- धर्म तथा दर्शन
- ललित कलाएँ, शिल्प तता स्थापत्य
- विदेशों में भारतीय संस्कृति का प्रभाव

5ब

- राजनीतिक और प्रशासनिक संस्थाएँ
- समाज और धर्म
- आर्थिक स्थिति
- शिक्षा साहित्य और विज्ञान
- कला और स्थापत्य
- समाज और धर्म

5स

- प्रशासनिक और संवौधानिक घटनाएँ
- समाज और धर्म
- आर्थिक जीवन
- शिक्षा साहित्य और विज्ञान
- कला, स्थापत्य, संगीत और नृत्य

MAHY-06

6अ

प्राचीन भारत में भौतिक प्रगति एवं सामाजिक संरचनाएँ

- प्राचीन भारत में सामाजिक संरचनाओं की समस्या
- ऋग्वेद के प्रारम्भिक भागों में सम्पत्ति तथा जीविका के प्रकार
- ऋग्वैदिक समाज में लूट की सम्पत्ति, वितरण तथा विभेदीकरण
- उत्तर वैदिक काल और चित्रित मृदभांड संस्कृति
- गंगा द्वारा विभाजित मैदान तथा गंगा के ऊपरी तटवर्ती क्षेत्र में भौतिक विकास एवं सामाजिक संरचनाएँ (लगभग 1000-500 ई0पू0)
- उत्पादक शक्तियों तथा मध्य गंगा के तटवर्ती क्षेत्र में बुद्ध के काल में उनका सामाजिक निहितार्थ
- बौद्ध धर्म की उत्पत्ति का भौतिक वातावरण
- महाकाव्यों में सामाजिक विकास की प्रवृत्तियाँ

6ब

- सल्तनत काल में राज्य का स्वरूप
- सल्तनत काल में राज्यत्व सिद्धान्त
- केन्द्रीय शासन व्यवस्था एवं राजमहल के कर्मचारी
- प्रान्तीय एवं स्थानीय प्रशासन
- सल्तनत कालीन सैन्य व्यवस्था
- सल्तनत कालीन वित्त व्यवस्था
- सल्तनत कालीन न्याय व्यवस्था
- मुगलों का केन्द्रीय प्रशासन
- मुगलों का प्रान्तीय व स्थानीय प्रशासन
- मनसबदारी प्रथा
- मुगलकालीन भू राजस्व व्यवस्था
- मुगलकालीन न्याया व्यवस्था
- मध्यकाल में स्त्रियों की दशा
- भारत में इस्लाम का पदार्पण व भक्ति आन्दोलन का विकास

- सूफीवाद
- मध्यकाल में स्थापत्य कला का विकास
- मध्यकाल में चित्रकला का विकास
- दक्षिण के हिन्दू मुसलमान राज्यों का प्रशासन
- मध्यकालीन दक्षिण भारतीय समाज एवं संस्कृति

6स

- वर्णजाति व्यवस्था और मर्दवाद सम्बन्धित इतिहास लेखन का सर्वेक्षण
- ऋग्वैदिक समाज में सोपानीकरण : साक्ष्य और प्रतिमान
- आर्यों का प्रश्न
- प्रारम्भिक बौद्ध धर्म में सामाजिक सोपानीकरण और गहपति की बदलती अवधारणा
- जाति और हिन्दू धर्म : ब्राह्मणीय एकीकरण के बदलते प्रतिमान

MAHY-07
7अ

धर्म दर्शन

- धर्म, धर्मशास्त्र और धर्मदर्शन की परिभाषा एवं विषय क्षेत्र
- धार्मिक दर्शन के प्रकार
- धर्म के विकास की अवस्थाएँ
- धार्मिक विश्वास के आधार : अस्था, दैवी, प्रकाशन, तर्क और रहस्यानुभूति।
- धार्मिक चेतना
- अनीश्वरवाद एवं द्वैतवाद
- धर्म एवं नैतिकता
- ईश्वर का स्वरूप और ईश्वर के गुण
- प्रकृतिवादी ईश्वर की धारणा
- धार्मिक विकास की परम्परा
- भारतीय धर्म परम्परा
- ईश्वर और धर्म
- धर्म और विज्ञान
- धार्मिक भाषा और विश्लेषणात्मक धर्म दर्शन
- हिन्दू धर्म, जैन धर्म, बौद्ध धर्म, ईसाई धर्म, इस्लाम धर्म, सिख धर्म, यहूदी धर्म, पारसी धर्म, कन्फ्यूशियस धर्म, ताओवाद शिन्तो धर्म,

7ब

जैन धर्म की ऐतिहासिक रूपरेखा

- जैन तीर्थकर
- जैन सम्प्रदाय
- आजीविका मत
- श्रमण संघ और उनकी आचार प्रणाली
- जैन धर्म का प्रचार

- जैन देव मण्डल
- जैन दर्शन
- जैन कला

MAHY-08

8अ

पर्यावरण अध्ययन

- पर्यावरण अध्ययन की बहुविषयी प्रकृति
- प्राकृति संसाधन
- पारिस्थितिक तन्त्र
- जैव विविधता एवं इसका संरक्षण
- पर्यावरण प्रदूषण
- सामाजिक समस्याएँ और पर्यावरण
- मानव जनसंख्या एवं पर्यावरण

8ब

पुरातत्व अनुशीलन

- भारत में लोहे की प्राचीनता
- कृष्ण लोहित पात्र परम्परा
- चित्रित धूसर पात्र परम्परा
- उत्तरी कृष्ण भार्जित पात्र परम्परा
- बृहत् पाषाण समाधि संस्कृति
- भारत तथा रोम का सम्बन्ध
- कतिपय पुरास्थल

मोहनजोदड़ो, हड़प्पा, लोथल, कालीवली, सुरकोटदा, धौलाबीरा, टोकबा, इमली, कौशाम्बी इत्यादि।

MAPS-01
पाश्चात्य राजनीतिक चिंतन का इतिहास

खण्ड-1 यूनानी राजनीतिक दर्शन

इकाई-1 प्लेटो

रिपब्लिक में प्लेटो के विचार, प्लेटो की शाश्वत स्वरूप की अवधारणा, आदर्श राज्य का सिद्धान्त, प्लेटो का न्याय सिद्धान्त, प्लेटों का शिक्षा सिद्धान्त, साम्यवाद की योजना, दर्शन का शासन अथवा दार्शनिक राजा के शासन का सिद्धान्त, स्टेटमैन तथा लॉज में प्लेटो के राजनीतिक विचार, लॉज में वर्णित विचार, पाश्चात्य राजनीतिक चिन्तन को प्लेटो का अनुदान।

इकाई-2 अरस्तू

अरस्तू का राज्य सिद्धान्त, अरस्तू का आदर्श राज्य, नागरिकता, परिवार तथा संपति संबंधी अरस्तू के विचार, शिक्षा पर अरस्तू के विचार, कानून संबंधी विचार, न्याय की अवधारणा, दास प्रथा, क्रांतियाँ, राजनीतिक चिंतन को अरस्तू की देन।

इकाई-3 उत्तर अरस्तू कालीन विचारधाराएँ

इपीक्यूरियन विचारधारा, इपीक्यूरियनवाद का दर्शन, सिनिक संप्रदाय, स्टाइक विचारधारा,स्टाइक विचारधारा में संशोधन, राजनीतिक चिन्तन पर प्रभाव।

खण्ड-2 रोमन एवं मध्ययुगीन राजनीतिक चिन्तन

इकाई-1 पोलिबियस एवं सिसरो

वृहत्तर यूनानी युग की विशेषताएँ, पोलिबियस – शासन का वर्गीकरण, मिश्रित संविधान का विचार, भाग्य व धर्म की भूमिका, सिसेरो-रोमन विधि शास्त्र, सिसरो का राजदर्शन, ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, मिश्रित संविधान की धारणा, राज्य संबंधी विचार, प्राकृतिक विधि, मानवीय समानता की धारणा।

इकाई-2 आगस्टीन एवं एक्वीनास

प्रारंभिक ईसाई राजदर्शन, दो तलवारों का सिद्धान्त, सन्त आगस्टीन का इतिहास दर्शन, दो राज्यों की अवधारणा, राज्य का स्वरूप, चर्च सम्बन्धी विचार, दासता व युद्ध सम्बन्धी विचार; सन्त टामस एक्वीनास – पाण्डित्यवाद एवं सन्त एक्वीनास, विधि की अवधारणा, राज्य सिद्धान्त, शासन सिद्धान्त, शासक के कार्य, चर्च-राज्य सम्बन्ध, युद्ध सम्बन्धी। मध्य युग में चर्च राज्य संघर्ष।

इकाई-3 दान्ते एवं मार्सिलियो

दान्ते – सार्वभौमिक सम्राट की आवश्यकता, सार्वभौमिक राजतंत्र एवं रोमन लोगों की पात्रता, सम्राट की सत्ता का स्रोत, मार्सिलियो – राज्य संबंधी विचार, शासन सिद्धान्त, विधि एवं विधि निर्माता, चर्च संबंधी विचार। परिषदीय आंदोलन, क्या मध्ययुग अराजनीतिक युग था।

खण्ड-3 आधुनिक राजनीतिक चिन्तन का प्रारम्भ

इकाई-1 पुनर्जागरण और धर्म-सुधार आंदोलन

नामकरण की समस्या, आंदोलनों का काल-क्रम, पुनर्जागरण का राजनैतिक पक्ष; पुनर्जागरण की महत्वपूर्ण प्रवृत्तियाँ, पुनर्जागरण कालीन साहित्य, कला और विज्ञान; धर्म सुधार आंदोलन-पृष्ठभूमि और प्रारम्भिक आंदोलन, मुख्य घटनाएँ, रेडिकल सुधारवाद और प्रतिसुधार आंदोलन, योगदान, राजनैतिक-आर्थिक पक्ष, धर्म-राज्य सम्बन्धों के रूप।

इकाई-2 मैकियाविली

जीवन-वृत्त, मैकियाविली की कृतियाँ, राजनैतिक स्थापनाओं का आधार, राजनीति, धर्म और नैतिकता, शासन के प्रकार-राजतंत्र और गणतंत्र, राष्ट्रीय सेना और राष्ट्रवाद की वैचारिक पृष्ठभूमि, शासनकला, कुशल शासक के गुण, मैकियावाली का मूल्यांकन।

इकाई-3 जीन बोदां

व्यक्तित्व और कृतित्व, तत्कालीन परिस्थितियां, राज्य के जन्म का 'परिवादी' सिद्धान्त, राज्य के लक्ष्य, सम्प्रभुता की अवधारणा, सम्प्रभुता की अवधारणा, सम्प्रभुता की सीमाएँ, राज्य का चरित्र, विस्तृत राज्य के लिए 'नागरिकता' का अनुकूलन, क्रान्ति-कारण और निवारण, धार्मिक सहिष्णुता की नीति का प्रतिपादन।

खण्ड-4 सामाजिक संविदावादियों का राजनीतिक चिन्तन

इकाई-1 टॉनस हॉब्स

जीवन परिचय, हॉब्स पर प्रभाव, प्रमुख रचनाएं, पद्धति, हॉब्स द्वारा मानव स्वभाव का चित्रण, प्राकृतिक अवस्था, सामाजिक समझौता एवं राज्य की उत्पति, संप्रभुता, स्वतंत्रता, चर्च-राज्य संबंध, हॉब्स की देन, इतिहास में हॉब्स का स्थान।

इकाई-2 जॉन लॉक

जीवन परिचय, प्रमुख रचनाएं, लॉक द्वारा मानव स्वभाव वर्णन, लॉक द्वारा प्राकृतिक अवस्था की व्याख्या, सामाजिक समझौता, राज्य की विशेषताएँ, राज्य धर्म पर लॉक के विचार, इतिहास में लॉक का स्थान।

इकाई-3 जीन जैक्यस रूसो

जीवन परिचय, मुख्य रचनाएँ, रूसो पर प्रभाव, रूसो की पद्धति, मानव स्वभाव, प्राकृतिक अवस्था, सामाजिक समझौता एवं राज्य का आविर्भाव, सामान्य इच्छा।

खण्ड-5 बुद्धिवाद के विरुद्ध प्रतिक्रिया

इकाई-1 मांटेस्क्यू

परिचय, राजनीतिक विचार, समाज की अवधारणा, जलवायु का सिद्धान्त, कानून के प्रति दृष्टिकोण, सरकार का वर्गीकरण, स्वतंत्रता एवं शक्ति, कुछ अन्य विचार।

इकाई-2 डेविस ह्यूम

बुद्धि की परीक्षा, प्राकृतिक विधान का विनाश, प्रकृति के तीन प्रमुख विधान, आज्ञापालन और वैधता, सम्पत्ति का सिद्धान्त, संतुलित संविधान की धारणा, अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्ध।

इकाई-3 बर्क

परिचय, बुद्धिवाद की आलोचना, फ्रान्सीसी क्रान्ति पर विचार, राज्य एवं इतिहास, प्राकृतिक विधान पर प्रहार, सरकार की वैधता, राजनीतिक की वैधता, राजनीति की प्रर्वती शक्तियाँ, संसदीय प्रतिनिधित्व और राजनीतिक दल।

PGPS/MAPS-02

प्राचीन भारतीय राजनीतिक चिन्तन

खण्ड-1 प्राचीन भारतीय राजनीतिक चिन्तन के अध्ययन के विभिन्न उपागम

इकाई-1 प्राचीन भारतीय राजनीतिक चिन्तन की अवधारणा

साम्राज्यवादी उपनिवेशवादी – पौर्वात्यवादी उपागम, राष्ट्रवादी उपागम-मार्क्सवादी एतिहासिक उपागम, समाजशास्त्रीय एवं नेतृत्व केन्द्रित उपागम, परम्परामूलक उपागन।

इकाई-2 प्रकृति और विशेषताएँ

चिन्तन की प्रकृति, प्रमख विशेषताएँ, आध्यात्मिकता, बौद्धिकता, तेजस्विता, बौद्ध राजनीतिक दर्शन, जैन राजनीतिक दर्शन, कुछ आलोचनाओं पर विचार।

इकाई-3 प्राचीन भारत में गणतन्त्र

प्राचीनगण – आदर्श उदाहरण, शासन प्रणाली, राजनीतिक संगठन, सामाजिक संगठन, आर्थिक व्यवस्था एवं व्यवसाय, साहित्य एवं शिक्षा देवता, अनुष्ठान एवं दर्शन, ग्राम एवं नगर, कृषि एवं खान-पान, गणराज्यों के पतन के कारण, गणतन्त्र-परवर्ती अवस्था।

इकाई-4 दक्षिण भारत की राजनीतिक संस्थाएँ

दक्षिण भारत-संक्षिप्त भौगोलिक एवं ऐतिहासिक परिचय, दक्षिण भारत-पुरातात्विक साक्ष्य, प्रमुख राजवंश-संक्षिप्त पृष्ठभूमि, संगम युग-समाजार्थिक जीवन एवं राजनीतिक संस्थाओं की शृंखला; सामाजिक संरचना प्रमुख वर्ग, प्रमुख वर्ग, शिक्षा एवं साहित्य-राज संस्थाओं का आधार; केन्द्रिय शासन, प्रतिनिधि परिषदें; सैन्य संगठन; राजस्व व्यवस्था-संस्थाओं के विकास एवं स्थायित्व का आधार, न्याय एवं दंड विधान, अधिकारी एवं कार्यलय-संस्थाओं का संचालन धार्मिक पुनर्स्थापन।

खण्ड-2 मनुस्मृति में प्रतिपादित राजनीतिक एवं सामाजिक सिद्धान्त

इकाई-1 वर्णाश्रम व्यवस्था

ब्राह्मण के धर्म, क्षत्रिय के धर्म, वैश्य के धर्म, शूद्र के धर्म; आश्रम व्यवस्था-ब्रह्मचर्याश्रम-गृहस्थाश्रम, वानप्रस्थाश्रम, सन्यासाश्रम।

इकाई-2 मनुसमृत्ति ने नारी धर्म

मनु के विवाह सम्बन्धी विचार, स्त्री-शिक्षा, स्त्री-धन।

इकाई-3 राजा मंत्रिपरिषद् एवं राष्ट्र

राजा के गुण, राजा के कर्तव्य, राजा की दिनचर्या, राजा पर नियंत्रण; मनु एवं राजा का दैवी अधिकार सिद्धान्त; मंत्रि परिषद्; विधि; राष्ट्र; दुर्ग।

इकाई-4 कोष, बल एवं मित्र

कोष – करों के प्रकार; बल, मित्र, दूत एवं चर; न्याय एवं दंड।

खण्ड-3 महाभारत में वर्णित राजनीतिक विचार एवं संस्थाएँ

इकाई-1 राजधर्म

राजशास्त्र के उद्देश्य, स्रोत एवं काल का वर्णन; राज्य के उद्भव संबंधी विचार दैवी सिद्धान्त, दैवी स्वरूप, मनु के दैवी विचारों से तुलना, पाश्चात्य विचारों से तूलना, सामाजिक समझौते से तुलना; पाश्चात्य सामाजिक विचारों से तुलना (हाब्स से तुलना, लॉक से तुलना, रूसों से तुलना); राज्य का सावयवी (साप्तांगिक) स्वरूप; राज्य के उद्देश्य; राजा का स्वरूप; राजधर्म अथवा राजा के कर्तव्य, उत्तराधिकार।

इकाई-2 कर प्रणाली एवं युद्ध

कर-प्रणाली (आवश्यकता एवं महत्व, विविध कर सिद्धान्त); आपातकालीन कर-वृद्धि का सिद्धान्त; करों के विविध प्रकार; आधुनिक कर-विषयक प्रणाली से तुलना; युद्ध के उद्देश्य; युद्ध करने योग्य अवस्था; युद्ध का स्वरूप; राजा (क्षत्रिय) का युद्ध में मरने से कल्याण होता है; युद्ध में शत्रुओं के प्रति व्यवहार; युद्ध-आवश्यक अंग।

इकाई-3 गणतंत्र

प्राचीन भारतीय राजशास्त्र में संघ या गण, महाभारत में राज्यों के विभिन्न प्रकार, संघ अथवा गण-राज्यों का संगठन, गणों की सफलता के लिए आवश्यक शर्तें, गणराज्यों के विकास के मार्ग में बाधाएँ, गणराज्यों के दोषों को निराकरण के उपाय।

इकाई-4 प्रशासनिक नीतियाँ

शासन का आधार-मंत्रि परिषद् मंत्रिपरिषद् की संरचना-संगठन एवं विशेषताएं, मंत्रि परिषद् की कार्यप्रणाली, प्रशासनिक पद्धति का विकास, महाभारत में प्रशासनिक व्यवस्था-सिद्धान्त एवं विशिष्टताएँ, राज्य का शासन-प्रबन्ध, न्याय प्रशासन, पर-राज्य संबंध अथवा मित्र (मण्डल सिद्धान्त, षाडगुण्य नीति), चार उपाय-साम, दान, भेद और दण्ड, राजनीति में व्यवहार के नियम।

खण्ड-4 कौटिल्य रचित अर्थशास्त्र

इकाई-1 धर्म एवं नीति पर कौटिल्य के विचार

धर्म एवं नीति की अवधारणा, धर्म की उत्पत्ति एवं अर्थ, धर्म पर कौटिल्य के विचार, नीति पर कौटिल्य के विचार, धर्म एवं नीति में सम्बन्ध।

इकाई-2 प्रशासनिक संगठन तथा गुप्तचर व्यवस्था

शासन का आदर्श, साम्राज्य संगठन; पृष्ठभूमि, जिसके फलस्वरूप मौर्य प्रशासनिक व्यवस्था अस्तित्व में आई; केन्द्रिय प्रशासन-(राजा, मंत्रिपरिषद्, नागरिक प्रशासन, सेना, न्याय-व्यवस्था, जनकल्याण, अन्य विभाग, गुप्तचर, राजस्व, इत्यादि); प्रान्तीय प्रशासन, जनपद तथा ग्रामीण प्रशासन गुप्तचर कार्य तथा प्रकार गुप्तचरों की नियुक्ति (स्थायी गुप्तचर-संस्था), गुप्तचरों की नियुक्ति (भ्रमणशील गुप्तचर-संचार), मंत्रयुद्ध और कूटयुद्ध में गुप्तचरों की भूमिका)।

इकाई-3 मंडल सिद्धान्त

मण्डल-सिद्धान्त, कौटिल्य और मंडल सिद्धान्त, षाड्गुण्य-मंत्र उपाय, दूत।

इकाई-4 कौटिल्य एवं मैकियावेली का एक तुलनात्मक अध्ययन

कौटिल्य कालीन भारत एवं मैकियावेली कालीन इटली की राजनीतिक परिस्थितियाँ, कौटिल्य एवं मैकियावेली के बीच समानताएँ, कौटिल्य एवं मैकियावेली के बीच असमानताएं।

खण्ड-5 शुक्रनीति एवं कामंदक नीति सार

इकाई-1 शुक्र का राजत्व तथा मंत्रीपरिषद् संबंधी विचार

राज्य संबंधी विचार, राजा संबंधी विचार, कर्मचारी संबंधी विचार, न्याय व्यवस्था संबंधी विचार, ग्राम के सुप्रबन्ध हेतु विचार, नगर के सुप्रबन्ध हेतु विचार, मंत्री संबंधी विचार, मंत्रीपरिषद् संबंधी विचार।

इकाई-2 कोष तथा सेना पर शुक्र के विचार

कोष की वृद्धि संबंधी विचार, नीतिनिपुणता संबंधी विचार, बल संबंधी विचार, सेना के प्रकार, अस्त्र-शस्त्र संबंधी विचार।

इकाई-3 कामन्दक के राजत्व संबंधी विचार

राज्य संबंधी विचार, राजा संबंधी विचार, आर्थिक व्यवस्था संबंधी विचार, मंत्र संबंधी विचार, कर्मचारी संबंधी विचार, कोष संबंधी विचार, सैन्य बल संबंधी विचार।

इकाई-4 कामन्दक के अन्तर्राज्य संबंधी विचार

मण्डल सिद्धान्त, मंत्र संबंधी विचार, उपाय संबंधी विचार, युद्ध संबंधी विचार।

PGPS/MAPS-03

तुलनात्मक राजनीति

खण्ड- 1 तुलनात्मक राजनीति की अवधारणा एवं उपागम

इकाई- 1 अर्थ, प्रकृति एवं क्षेत्र

अर्थ-तुलनात्मक राजनीति और तुलनात्मक सरकार में भेद हैं, परिभाषा; प्रकृति- ऊर्ध्वात्मक तुलनात्मक अध्ययन, क्षैतिज तुलना का अध्ययन, एक ही देश की विभिन्न समय की राष्ट्रीय सरकारों की तुलना, समकालीन विश्व की विविध सरकारों की क्षैतिज तुलना; विषय क्षेत्र- संस्थागत राजनीतिक व्यवहार, व्यवहारवादी दृष्टिकोण, राजनीतिक व्यवहार में मानकों का अध्ययन।

इकाई- 2 परम्परागत दृष्टिकोण

तुलनात्मक राजनीति के परम्परागत अध्ययन की विशेषताएं-संकीर्ण अध्ययन, स्थिरता, तुलना का अतुलनात्मक अध्ययन, वर्णनात्मक अध्ययन, आदर्शपरक अध्ययन, एक विषयक या प्रबन्धात्मक अध्ययन, विधिपरक औपचारिक-संस्थागत अध्ययन, आलोचनात्मक मूल्यांकन महत्व।

इकाई- 3 आधुनिक दृष्टिकोण

आधुनिक तुलनात्मक राजनीतिक विशेषताएँ – यथार्थपरक अध्ययन, विषय क्षेत्र व्यापक, अधिकाधिक तुलनात्मक अध्ययन, व्याख्यात्मक एवं विश्लेषणात्मक अध्ययन, व्यवहारवादी अध्ययन, व्यवस्थामुखी अध्ययन, समाजोन्मुखी अध्ययन, वैज्ञानिक पद्धति का समावेश, गैरपश्चिमी एवं गैर प्रजातांत्रिक अध्ययन का भी समावेश, सावयवी अध्ययन, आलोचना – अवधारणात्मक अस्पष्टता, विषय क्षेत्र की अत्यधिक व्यापकता, अतिव्यवहारवादी, विकासशील राजनीति पर अधिक बल; महत्व; आधुनिक तुलनात्मक राजनीति के विभिन्न उपागम – व्यवस्थात्मक राजनीतिक उपागम, संरचनात्मक प्रकार्यात्मक उपागम, राजनीतिक विकास उपागम, राजनीतिक आधुनिकीकरण उपागम, राजनीतिक संस्कृति उपागम, मार्क्सवादी उपागम।

खण्ड- 2 राजनीतिक विश्वलेषण के उपागम

इकाई- 1 व्यवस्था विश्लेषण

सिद्धान्त का उद्देश्य; सिद्धान्त का उदय, व्यवस्था का अर्थ, डेविड ईस्टन के राजनीतिक व्यवस्था पर विचार, राजनीतिक व्यवस्था की क्रियात्मकता- प्रबोधक-प्रक्रिया स्तर, रूपान्तरण स्तर, प्रतिसम्भरण स्तर चार्ट, आमण्ड और पावेल की

राजनीतिक व्यवस्था की व्याख्या; मिचैल की राजनीतिक व्यवस्था की व्याख्या चार्ट; ब्लाण्डेल की राजनीतिक व्यवस्था की व्याख्या चार्ट, राजनीतिक व्यवस्था उपागम की आलोचना; राजनीतिक व्यवस्था उपागम के लाभ।

इकाई- 2 संरचनात्मक-क्रियात्मक विश्लेषण

नए उपागम की आवश्यकता; सिद्धान्त का उदय, संरचनात्मक-क्रियातमक उपागम का अर्थ; संरचनात्मक-क्रियात्मक उपागम की विशेषताएं; आमण्ड के विचार; राजनीतिक व्यवस्था की संरचनात्मक-क्रियात्मक व्याख्या – राजनीतिक व्यवस्था के निवेश, रूपान्तरण प्रक्रिया, राजनीतिक व्यवस्था के निर्गत आमण्ड के मॉडल का चार्ट; संरचनात्मक-क्रियात्मक उपागम की आलोचना, संरचनात्मक-क्रियात्मक उपागम के गुण।

इकाई- 3 मार्क्सवादी विश्लेषण

मार्क्सवादी विश्लेषण का उदय; मार्क्सवादी विश्लेषण का आधार; मार्क्सवाद के सिद्धान्त-द्वन्द्वात्मक सिद्धान्त, द्वान्द्वात्मक भौतिकवाद का सिद्धान्त, इतिहास की आर्थिक व्याख्या, वर्ग संघर्ष का सिद्धान्त; मार्क्सवादी धारणा, मार्क्सवादी दृष्टिकोण की विशेषताएँ, व्यवहार में प्रयुक्तता, उपागम की उपयोगिता।

खण्ड- 3 शासन के रूप

इकाई- 1 संसदीय तथा अध्यक्षात्मक शासन प्रणालियाँ

संसदीय शासन प्रणाली – संसदीय शासन की विशेषताएँ, संसदीय शासन के गुण, संसदीय शासन के दोष; अध्यक्षात्मक शासन प्रणाली- अध्यक्षात्मक शासन की विशेषताँ, अध्यक्षात्मक शासन प्रणाली के गुण, अध्यथात्मक शासन प्रणाली के दोष।

इकाई- 2 एकात्मक तथा संरचनात्मक शासन प्रणालियाँ

एकात्मक शासन प्रणाली – एकात्मक शासन के गुण, एकात्मक शासन के दोष; संघात्मक शासन प्रणाली – संघ, संघ राज्य तथा संघीय शासन की विशेषताएं, संघात्मक शासन की विशेषतायें, संघ तथा परिसंघ, संघीय शासन के गुण, संघीय शासन के दोष।

इकाई- 3 प्रजातंत्र एवं तानाशाही

लोकतंत्र की परिभाषा - लोकतंत्र का संक्षिप्त इतिहास तथा विशेषताएं, लोकतंत्र के रूप, लोकतंत्र के गुण, लोकतंत्र के गुण, लोकतंत्र के दोष, लोकतंत्र की सफलता के लिए आवश्यक दशाएं; अधिनायकतंत्र अथवा तानाशाही –

तानाशाही की परिभाषा, तानाशाही की विशेषताएँ, अधिनायकतंत्रों / तानाशाही के गुण तथा दोष।

खण्ड-4 राजनीतिक प्रक्रियाएँ

इकाई-1 राजनीतिक विकास

राजनीतिक विकास की उपागम की आवश्यकता-राजनीतिक विकास : अर्थ एवं परिभाषा; राजनीतिक विकास : प्रकृति राजनीतिक विकास एवं राजनीतिक आधुनिकीकरण; राजनीतिक विकास की विशेषताएँ, राजनीतिक विकास-आलोचना समीक्षा।

इकाई-2 राजनीतिक सम्प्रेषण (संचार)

उत्पत्ति एवं अर्थ, मूल संकल्पनाएं, संग्राहक एवं संग्रहक व्यवस्थाएं, सूचना प्रवाह एवं प्रक्रियाएं, प्रतिसम्भरण, सकारात्मक प्रतिसम्भरण, लक्ष्य परिवर्तन प्रतिसम्भरण एवं अधिगम।

इकाई-3 राजनीतिक सहभागिता

अर्थ एवं परिभाषा, राजनीतिक सहभागिता के स्वरूप, राजनीतिक सहभागिता की प्रमुख क्रियाएं, राजनीतिक सहभागिता के आधार, राजनीतिक सहभागिता का महत्व।

खण्ड-4 राजनीतिक संस्थायें तथा संरचनायें

इकाई-1 राजनीतिक दल

राजनीतिक दल की परिभाषा, राजनीतिक दल के आवश्यक तत्त्व, जनतंत्र में राजनीतिक दलों का महत्व, जनतंत्रीय व्यवस्था में राजनीतिक दलों के कार्य, दल-पद्धति के गुण-दोष, दल-पद्धति के प्रकार।

इकाई-2 दबाव-समूह

दबाव-समूह : अर्थ एवं परिभाषा, दबाव समूह की विशेषताएं, दबाव समूह के प्रकार।

इकाई-3 प्रतिनिधित्व के सिद्धान्त

निर्वाचन तथा निर्वाचक, मताधिकार का अर्थ, मताधिकार के सिद्धान्त, वयस्क मताधिकार का अर्थ, वयस्क, मताधिकार के पक्ष-विपक्ष में तर्क, महिला मताधिकार का अर्थ, महिला मताधिकार के पक्ष- विपक्ष में तर्क, निर्वाचन की विभिन्न प्रणालियाँ, मतदान की प्रणालियाँ, निर्वाचन-क्षेत्र, अल्प-संख्यकों का प्रतिनिधित्व, अल्प संख्यकों के प्रतिनिधित्व की विविध प्रणालियाँ, व्यावसायिक प्रतिनिधित्व।

PGPS/MAPS-04

भारतीय शासन एवं राजनीति

खण्ड-1 भारतीय राजनीतिक व्यवस्था – एक परिचय

इकाई-1 भारतीय संविधान की रचना

संविधान सभा के गठन का विचार, संविधान सभा का निर्माण, संविधान सभा का गठन-आपत्तियाँ और आलोचनाएं, संविधान सभा के समक्ष चुनौतियाँ, संविधान निर्माण की प्रक्रिया।

इकाई-2 भारतीय संविधान की आधारभूत विशेषताएं

जन-संप्रभुता, लोकतंत्रात्मक गणराज्य, संविधान की विशालता, विदेशी सूत्रों से गृहीत संविधान, संघीय शासन व्यवस्था, संसदात्मक कार्यपालिका, न्यायपालिका की सर्वोच्चता, मूल अधिकार एवं मूल कर्त्तव्य, राज्य के नीति-निदेशक सिद्धान्त, संशोधन – विधि की विलक्षणता, संविधान की धर्म-निरपेक्षता।

इकाई-3 केन्द्र राज्य संबंध

विधायी संबंध, राज्य सूची में केन्द्रीय हस्तक्षेप, प्रशासनिक संबंध, वित्तीय संबंध, न्यायिक संबंध, दल प्रणाली और केन्द्र-राज्य संबंध, नियोजन आयोग और राष्ट्रीय विकास परिषद् की भूमिका, केन्द्र और राज्यों के बीच टकराव के मुद्दे, केन्द्र और राज्यों के संबंधों के पुनर्निरीक्षण सरकारिया आयोग की संस्तुतियाँ, केन्द्र-राज्य संबंध-एक समीक्षा।

खण्ड-1 भारतीय संविधान – वैचारिक तत्व

इकाई-1 संविधान की उद्देशिका, मूल अधिकार और मूल कर्तव्य

भारतीय संविधान की उद्देशिका का स्रोत, संविधान की उद्देशिका का स्वरूप, उद्देशिका का महत्व, मूल अधिकार और उनकी प्रकृति, संविधान द्वारा प्रदत्त मूल अधिकार, संपत्ति का अधिकार प्रारम्भ से वर्तमान तक, मूल अधिकारों में संशोधन-संविधान का मूल संरचना सिद्धान्त, मूल कर्त्तव्य।

इकाई-2 राज्य के नीति-निर्देशक सिद्धान्त

नीति-निर्देशक सिद्धान्तों की प्रकृति, नीति-निर्देशक सिद्धान्तों और मूल अधिकारों के बीच अंतर, नीति-निर्देशक सिद्धान्त बाध्यकारी क्यों नहीं? नीति-निर्देशक सिद्धान्तों और मूल अधिकारों के बीच संबंध, नीति-निर्देशक सिद्धान्तों का वर्गीकरण, नीति-निर्देशक सिद्धान्तों का औचित्य, नीति-निर्देशक सिद्धान्तों का औचित्य, नीति-निर्देशक सिद्धान्तों का कार्यान्वयन, नीति-निर्देशक सिद्धान्तों का बढ़ता हुआ महत्व।

इकाई- 3 संविधान-संशोधन और सामाजिक परिवर्तन

संविधान संसोधन की विधियाँ, भारतीय संविधान की संशोधन-प्रक्रिया, संशोधन-प्रक्रिया की विलक्षणताएँ, संशोधन-विधि का संशोधन, भारतीय संविधान के प्रमुख संशोधन, संविधानिक संशोधनों के लक्ष्य-एक समीक्षा।

खण्ड- 3 संघीय शासन

इकाई- 1 राष्ट्रीय

भारत का राष्ट्रपति, राष्ट्रपति का निर्वाचन, राष्ट्रपति का कार्यकाल, राष्ट्रपति की योग्यताएँ तथा शर्तें, महाभियोग, राष्ट्रपति की शक्तियाँ, राष्ट्रपति की संवैधानिक स्थिति, भारत का उपराष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति का निर्वाचन, कार्यकाल, उपराष्ट्रपति के कार्य।

इकाई- 2 प्रधानमंत्री तथा मंत्रिपरिषद्

प्रधानमंत्री और मंत्रीपरिषद्, प्रधानमंत्री की नियुक्ति, पदच्युति, प्रधानमंत्री की शक्तियाँ एवं कार्य, मंत्रिपरिषद, मंत्रिमण्डल की शक्तियाँ एवं कार्य, मंत्रिमण्डल की बैठकें, मंत्रिमण्डल की समितियाँ, मंत्रीपरिषद् का महत्व।

इकाई- 3 संसद

संसद, संसद का गठन, राज्यसभा की संरचना, लोकसभा की संरचना, सांसदों द्वारा शपथ, सांसदों के विशेषाधिकार एवं उन्मुक्तियाँ, संसद के पदाधिकारी, लोकसभा का अध्यक्ष तथा उपाध्यक्ष, सदन की समितियाँ, भारतीय संसद में विधि निर्माण प्रक्रिया, विधेयक का दूसरे सदन में भेजा जान, वित्त-विधेयक पारित करने की प्रक्रिया, संसद की शक्तियाँ एवं कृत्य, संसद के दोनों सदनों के मध्य पारस्परिक संबंध, संसद और मंत्रिपरिषद, संसद और मंत्रिपरिषद्, संसद और न्यायपालिका, व्यवस्थापिकाओं का ह्रास, भारतीय संसद का मूल्यांकन और निष्कर्ष

इकाई- 4 सर्वोच्च न्यायालय

सर्वोच्च न्यायालय, सर्वोच्च न्यायालय का गठन, सर्वोच्च न्यायालय का क्षेत्राधिकार, सर्वोच्च न्यायालय की पुनर्विलोकन की शक्ति, न्यायिक सक्रियता।

खण्ड- 4 दलीय राजनीति

इकाई- 1 दलीय व्यवस्था की प्रकृति एवं विशेषताएँ

राजनीतिक दलों की परिभाषा : अर्थ एवं प्रकृति अथवा स्वरूप, भारत में दलीय व्यवस्था का विकास, भारत में दलीय व्यवस्था की विशेषताएँ, राजनीतिक दलों की महत्ता।

इकाई-2 राष्ट्रीय दल एवं क्षेत्रीय दल

राष्ट्रीय दल-भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस या कांग्रेस (इ), भारतीय जनता पार्टी, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी), जनता दल / जनतापार्टी / जनता पार्टी (सेक्युलर); क्षेत्रीय दल; भारत में क्षेत्रीय दलों की भूमिका एवं वर्तमान प्रवृतियां।

इकाई-3 दबाव समूह

भारत में दबाव समूहों का विकास, भारतीय दबाव समूहों की विशेषताएँ, भारत में दबाव समूहों का वर्गीकरण-संस्थानात्मक दबाव समूह, समुदायात्मक दबाव समूह, असमुदायात्मक दबाव समूह, प्रदर्शनकारी दबाव समूह; दबाव समूहों में दोष।

खण्ड-5 भारतीय राजनीति में उभरती हुयी प्रवृत्तियाँ

इकाई-1 जाति एवं धर्म की भूमिका

भारतीय समाज में जाति-व्यवस्था-राजनीतिक व्यवस्था का जाति व्यवस्था पर प्रभाव, जाति-व्यवस्था का राजनीति पर प्रभाव, जाति की भूमिका धर्म और भारतीय राजनीतिक व्यवस्था-धर्मनिर्पेक्ष संविधान; धर्म और राजनीतिक दल।

इकाई-2 क्षेत्रीयतावाद एवं राष्ट्रीय एकीकरण

क्षेत्रीयतावाद : अर्थ और परिभाषा; क्षेत्रीयतावाद : उत्तरदायी कारण-भौगोलिक कारण, सांस्कृतिक कारण, ऐतिहासिक कारण, आर्थिक कारण, राजनीतिक कारण, कुछ अन्य कारण; क्षेत्रीयतावाद को रोकने के उपाय; राष्ट्रीय एकीकरण; आवश्यकता, राष्ट्रीय एकीकरण में बाधक तत्व-साम्प्रदायिकता, जातिवाद, भाषावाद, क्षेत्रीयवाद, आर्थिक असंतुलन, सामाजिक संरचना-राष्ट्रीय एकीकरण के उपाय।

इकाई-3 नेतृत्व का बदलता हुआ स्वरूप

नेतृत्व की आवश्यकता, नेतृत्व का अर्थ, नेतृत्व के गुण और प्रकृति, भारत में नेतृत्व कहाँ स्थित है, प्रधानमंत्री देश के नेता रूप में, प्रधानमंत्री की बदलती हुयी भूमिका।

इकाई-4 दल-बदल की राजनीति

दल-बदल : अर्थ एवं परिभाषा, दल-बदल : ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, दल-बदल : उत्तरदायी कारण- भारतीय दल प्रणाली का स्वरूप, विचारात्मक ध्रुवीकरण का अभाव, पद एवं धन का प्रलोभन, जन-साधारण की दल परिवर्तन के प्रति उदासीनता, कुछ अन्य कारण, दल-बदल का राजनीतिक व्यवस्था पर प्रभाव, दल-बदल रोकने के प्रयास, दल-बदल निरोधक कानून।

PGPS/MAPS-05

लोक प्रशासन

खण्ड-1 लोक प्रशासन का विकास

इकाई-1 लोक प्रशासन का अर्थ, परिभाषा, प्रकृति एवं क्षेत्र

लोक प्रशासन का अर्थ, लोक प्रशासन की परिभाषा, लोक प्रशासन की प्रकृति, लोक प्रशासन का क्षेत्र।

इकाई-2 लोक प्रशासन के विकास के चरण

लोक प्रशासन का विकास : प्रारम्भिक काल, लोक प्रशासन का विकास : आधुनिक काल, प्रथम चरण, द्वितीय चरण, तृतीय चरण, चतुर्थ चरण, पंचम चरण, भारत में लोक प्रशासन के अध्ययन का विकास।

इकाई-3 नवीन लोक प्रशासन

नवीन लोक प्रशासन के उद्भव के कारण, नवीन लोक प्रशासन के लक्ष्य, नवीन लोक प्रशासन का विकास, नवीन लोक प्रशासन की विशेषताएँ, नवीन लोक प्रशासन : संभावनाएँ।

खण्ड-2 लोक प्रशासन के विभिन्न सिद्धान्त

इकाई-1 वैज्ञानिक प्रबन्ध एवं नौकरशाही के सिद्धान्त

वैज्ञानिक प्रबंध की मूल अवधारणा, वैज्ञानिक प्रबंध सिद्धान्त की प्रमुख विशेषतायें/लक्षण, वैज्ञानिक प्रबंध की आलोचना, नौकरशाही की मूल अवधारणा, नौकरशाही प्रतिमान के प्रमुख लक्षण/विशेषतायें, नौकरशाही सिद्धान्त की आलोचना।

इकाई-2 परम्परावादी (शास्त्रीय) एवं मानव सम्बन्ध सिद्धान्त

परम्परावादी (शास्त्रीय) सिद्धान्त की मूल अवधारणा, परम्परावादी सिद्धान्त की प्रमुख विशेषतायें, परम्परावादी सिद्धान्त की आलोचना, मानव संबंध सिद्धान्त की प्रमुख विशेषतायें, मानव संबंध सिद्धान्त की आलोचना।

इकाई-3 व्यवस्था, परिस्थिति उपागम, निर्णय निर्माण

व्यवस्था उपागम की मूल अवधारणा एवं विशेषतायें, व्यवस्था उपागम की आलोचना, परिस्थिति उपागम की मूल अवधारणा एवं विशेषतायें, परिस्थिति उपागम की आलोचना, निर्णय निर्माण को प्रभावित करने वाले कारण एवं निर्णयन के प्रतिमान, निर्णय-निर्माण की आलोचना।

खण्ड-3 लोक प्रशासन के सिद्धान्त

इकाई-1 पदसोपान

पदसोपान का अर्थ एवं परिभाषा, पद सोपान के तत्व, पद सोपान की आवश्यकता, पद सोपान के प्रकार, पद सोपानीय व्यवस्था, पद सोपान के गुण और दोष, पद सोपान और स्वतन्त्र नियामक आयोग, नियंत्रण क्षेत्र का विस्तार, नियंत्रण क्षेत्र को निर्धारित करने वाले तत्व, नियंत्रण क्षेत्र और पदसोपान, नियंत्रण के क्षेत्र पर साइमन और ग्रेक्यूनस के विचार।

इकाई-2 आदेश की एकता

आदेश की एकता का अर्थ एवं परिभाषा, आदेश की एकता सिद्धान्त की विशेषताएं, आदेश की एकता सिद्धान्त का आलोचना, आदेश की एकता सिद्धान्त का महत्त्व, आदेश की एकता पर साइमन के विचार, समन्वय का अर्थ एवं परिभाषा, समन्वय की आवश्यकता एवं प्रकृति, समन्वय के सिद्धान्त : प्रकार एवं प्रणालियाँ, प्रभावकारी समन्वय की बाधाएँ, समन्वय सहयोग और नियन्त्रण भारतीय प्रशासन में समन्वय की आवश्यकता।

इकाई-3 प्रशासनिक व्यवहार

संचार की परिभाषा एवं प्रकृति, संचार के तत्व प्रक्रिया एवं प्रकार, संचार के माध्यम एवं बाधाएँ, अच्छे संचार के सिद्धान्त, जन सम्पर्क का अर्थ, एवं परिभाषा, जन सम्पर्क की अवधारणा एवं महत्त्व, जन सम्पर्क के साधन, नेतृत्व का अर्थ एवं परिभाषा, नेतृत्व की आवश्यकता तथा उपयोगिता, नेतृत्व के कार्य एवं गुण, नेतृत्व की विचारधारा, नेतृत्व के प्रकार, निर्णयन का अर्थ एवं परिभाषा, निर्णयन की विशेषताएं, निर्णय निर्धारण के घटक निर्णय कौन से उसके आधार एवं निर्णय लेने की तकनीक, निर्णयन की समस्याएँ और प्रतिमान, निर्णयन के प्रकार अभिप्रेरण का अर्थ एवं परिभाषा, अभिप्रेरणा की विशेषता एवं महत्त्व, अभिप्रेरणा के प्रकार एवं सिद्धान्त, मनोबल की परिभाषा एवं विशेषताएँ, मनोबल का तत्त्व एवं महत्व, अभिप्रेरणा, मनोबल तथा इसे प्रभावित करने वाले कारक, सच्चरित्रता का अर्थ एवं परिभाषा, प्रशासन में सच्चरित्रता के पतन के कारण, सच्चरित्रता बनाए रखने के उपाय।

खण्ड-4 विकास प्रशासन

इकाई-1 विकास प्रशासन अर्थ, स्वरूप और क्षेत्र

अवधारणा का विकास, विकास का अर्थ, विकास प्रशासन की परिभाषा, विकास प्रशासन के लक्षण, लोक प्रशासन तथा विकास प्रशासन, तुलनात्मक प्रशासन तथा विकास प्रशासन, विकास प्रशासन तथा विकास प्रशासन, विकास प्रशासन

तथा प्रशासनिक विकास, विकास प्रशासन की आवश्यक शर्तें, विकास प्रशासन का क्षेत्र, विकास प्रशासन के घटक, विकास प्रशासन का महत्व।

इकाई-2 विकास अधिकारी तंत्र

अधिकारी तन्त्र या नौकरशाही की अवधारणा, विकासशील देशों की व्यवस्था तथा वेबर की अवधारणा, फ्रेड रिग्ज तथा अधिकारीतन्त्र, विकास अधिकारीतन्त्र का उदय, विकासशील देशों में नौकरशाही के लक्षण, विकास अधिकारितन्त्र की भूमिका, विकास अधिकारीतन्त्र से अपेक्षाएँ।

इकाई-3 विकास प्रशासन में मुद्दे

विकास प्रशासन के समक्ष समस्याएँ, केन्द्रीकरण अथवा विकेन्द्रीकरण, राजनीति में जनता की सहभागिता, सामान्य अथवा विशेषज्ञ प्रशासक, गैर-अधिकारीतन्त्रीय संस्थाओं की आवश्यकता, अधिकारीतन्त्र का राजनीतिकरण, लाल-फीताशाही, भ्रष्टाचार।

खण्ड-5 प्रशासन पर नियंत्रण

इकाई-1 प्रशासन पर नियंत्रण की आवश्यकता एवं महत्व

प्रशासन पर नियंत्रण की आवश्यकता, प्रशासन पर नियंत्रण का प्रभाव-अर्थ, प्रकृति एवं स्तर-नियंत्रण का अर्थ, नियंत्रण की प्रकृति नियंत्रण के स्तर; प्रशासन पर नियंत्रण के प्रकार; प्रशासन पर नियंत्रण का प्रभाव; प्रशासन की समालोचना।

इकाई-2 प्रशासन पर विधायी, प्रशासनिक एवं न्यायिक नियंत्रण

प्रशासन पर नियंत्रण के विविध रूप : बाध्य नियंत्रण एवं आन्तरिक नियंत्रण; प्रशासन पर बाह्य नियंत्रण के विविध प्रकार-विधायी नियंत्रण के विविध आयाम एवं विधियाँ, कार्यपालिका नियंत्रण के विविध आयाम एवं विधियाँ, न्यायिक नियंत्रण के विविध आयाम एवं विधियाँ, प्रशासन पर जन-नियंत्रण; प्रशासन पर आन्तरिक नियंत्रणः प्रशासनिक नियंत्रण के विविध आयाम एवं विधियाँ, प्रशासन पर इन नियंत्रणों का मूल्यांकन।

इकाई-3 प्रशासन पर नियंत्रण के विषय-वस्तु क्षेत्र (Issue Areas) न्यायिक सक्रियता

प्रशासन पर नियंत्रण से संबंधित विषय-वस्तु क्षेत्र के प्रमुख बिन्दु, प्रशासन पर नियंत्रण से संबंधित विषय-वस्तु क्षेत्र की आलोचना, न्यायिक सक्रियता : पृष्ठभूमि एवं आवश्यकता, न्यायिक सक्रियता विचार के प्रमुख आयाम, न्यायिक सक्रियता का मूल्यांकन।

PGPS/MAPS-06

आधुनिक भारतीय राजनीतिक चिन्तन

खण्ड-1 भारतीय पुनर्जागरण और उदारवादी दृष्टिकोण

इकाई-1 राजा राममोहन राय

आरंभिक जीवन एवं शिक्षा-दीक्षा, भारत में आधुनिक शिक्षा की पहल, राममोहन राय के धार्मिक विचार, सामाजिक सुधार के लिए राममोहन राय के विचार, प्रेस एवं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के समर्थक, राममोहन राय, राममोहन राय के राजनैतिक विचार, न्यायिक प्रशासन में सुधार पर राममोहन राय की वकालत, राममोहन राय के आर्थिक विचार।

इकाई-2 महादेव गोविन्द रानाडे

जीवन परिचय, विचारक एवं जनसेवक के रूप में, रानाडे के चिन्तन का दार्शनिक आधार, रानाडे एवं समाज सुधार, रानाडे के राजनैतिक विचार, रानाडे के द्वारा अंग्रेजी शासन का मूल्यांकन, रानाडे एवं तिलक, रानाडे एवं गाँधी।

इकाई-3 गोपाल कृष्ण गोखले

तत्कालीन देश की परिस्थिति एवं गोखले के द्वारा तैयार भावी रणनीति, गोखले की राष्ट्र सेवा व्रत के प्रति वचनबद्धता, गोखले के राजनीतिक दर्शन, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस में गोखले की भूमिका गोखले के विचारों में स्वाशासन की अवधारणा, गोखले एवं राजनीतिक पद्धति, गोखले के आर्थिक संबंधी विचार, गोखले एवं महात्मा गाँधी।

खण्ड-2 आदर्शवादी दृष्टिकोण

इकाई-1 लोकमान्य तिलक

जीवन परिचय, तिलक के राजनीतिक चिन्तन की दार्शनिक पृष्ठभूमि, स्वराज की अवधारणा, राष्ट्रीयता का विचार, समाज सुधार, राजनीतिक पद्धति।

इकाई-2 अरविन्द घोष

जीवन परिचय, अरविन्द का दर्शन, इतिहास एवं समाज-दर्शन, राष्ट्रवाद के सिद्धान्त, राज्य संबंधी विचार।

इकाई-3 रवीन्द्र नाथ टैगोर

इतिहास दर्शन, टैगोर का जीवन दर्शन, राज्य एवं समाज, राष्ट्रीयता, अन्तर्राष्ट्रीयतावाद, ब्रिटिश शासन के प्रति दृष्टिकोण।

खण्ड-3 समाजवादी एवं साम्यवादी चिन्तन

इकाई-1 एम0 एन0 राय

भारत में साम्यवादी आन्दोलन का उद्भव एवं विकास, एम0 एन0 राय-राजनीतिक विचार – राय के 'संक्रमणकालीन भारत' के विषय में विचार, राय एवं कमिटार्न तथा उपनिवेशवाद, एम0 एन0 राय एवं गाँधीवाद, वैज्ञानिक राजनीति-भौतिकवाद का प्रभाव, राय एक रोमांटिक क्रांतिकारी के रूप में, राय एवं मार्क्सवाद- पक्ष एवं विपक्ष में तर्क, नवीन मानवतावाद, दलविहीन प्रजातंत्र पर बल।

इकाई-2 नरेन्द्र देव

भारत में समाजवादी आंदोलन का उद्‌भव एवं विकास, आचार्य नरेन्द्र देव-राजनीतिक एवं सामाजिक विचार, नरेन्द्र देव एवं मार्क्सवाद-(क) द्वन्द्ववाद (ख) वर्ग संघर्ष (ग) समाजवादी नैतिकता, समाजवादी कार्यक्रम एवं नरेन्द्र देव, समाजवाद एवं लोकतंत्र, राष्ट्रीय स्वतंत्रता, कृषकवाद एवं नरेन्द्र देव, गाँधीवाद एवं नरेन्द्र देव, साम्प्रदायिक एकता एवं सौहार्द, अन्तर्राष्ट्रीयतावाद एवं नरेन्द्र देव।

इकाई-3 डॉ0 राम मनोहर लोहिया

डॉ0 राम मनोहर लोहिया का व्यक्तित्व एवं चिन्तन : एक परिचय, डॉ0 राम मनोहर लोहिया के सामाजिक एवं राजनीतिक विचार-लोहिया का इतिहास का सिद्धान्त, पूँजीवाद एवं समाजवाद, डॉ0 लोहिया के समाजवाद की अवधारणा : सप्त क्रान्ति एवं एशियन समाजवाद की अवधारणा, राज्य व्यवस्था सम्बन्धी विचार, लोहिया की राष्ट्रीयता एवं अन्तर्राष्ट्रीयता सम्बन्धी विचार, अवसर, वादित एवं क्रान्ति, लोहिया का नया समाजवाद, भारतीय संस्कृतिक और लोहिया, विश्व संसद के समर्थक।

इकाई-4 जय प्रकाश नारायण

जय प्रकाश नारायण : व्यक्तित्व एवं चिन्तन, जय प्रकाश नारायण के राजनीतिक विचार, जय प्रकाश नारायण एवं भारत में मार्क्सवाद का अनुपालन, जय प्रकाश नारायण और समाजवाद, आधुनिक लोकतंत्र संबंधी विचार, लोकतांत्रिक समाज, जय प्रकाश नारायण एवं सर्वोदय दर्शन, परिवर्तन की कुंजी-लोक शक्ति, जय प्रकाश नारायण एवं समग्र क्रांति की अवधारणा, राष्ट्रवाद एवं अन्तर्राष्ट्रवाद संबंधी धारणा।

खण्ड-4 गांधीवाद चिन्तन

इकाई-1 महात्मा गाँधी के राजनीतिक विचार

राज्य सम्बन्धी विचार, सरकार सम्बन्धी विचार, स्वराज-अर्थ और उसके आयाम, नैतिक राजनीति, सत्य और अहिंसा, सत्याग्रह और निष्क्रिय प्रतिरोध, सर्वोदय, राष्ट्रवाद और अन्तर्राष्ट्रवाद, साम्राज्यवाद विरोध, धर्म और राजनीति।

इकाई-2 गाँधी का सामाजिक – आर्थिक दर्शन

गाँधी का सामाजिक दर्शन – अस्पृश्यता निवारण, वर्ण व्यवस्था का समर्थन, महिला उत्थान, साम्प्रदायिक एकता, धर्म सम्बन्धी विचार, गाँधी का आर्थिक दर्शन-ट्रस्टीशिप का सिद्धान्त, विकेन्द्रीकरण, प्रतिस्पर्धात्मक मशीनीकरण का विरोध, खादी ग्रामोद्योग एवं आर्थिक स्वावलम्बन, गाँधीजी और समाजवाद, ग्राम-विकास।

इकाई-3 गाँधी के आलोचक – सुभाषचन्द्र बोस, सावरकर

सुभाषचन्द्र बोस : राजनीति के आध्यात्मिकता का विरोध, मात्र अहिंसा के स्वराज संभव नहीं, निरपेक्ष नैतिकतावाद का विरोध, वर्ग संघर्ष अपरिहार्य, ऋषि श्रद्धाभाव का दुरुपयोग, सुभाष चन्द्र बोस के विचारों की समीक्षा, **विनायक दामोदर सावरकर :** राष्ट्रवाद की संकल्पना, अहिंसात्मक राजनीति अर्थहीन, 'हिन्दुत्व' राष्ट्र के लिये अपरिहार्य, सत्याग्रह की पद्धति अनुपयुक्त, 'मुस्लिम तुष्टीकरण' का विरोध।

इकाई-4 महामना पं0 मदन मोहन मालवीय

राजनीतिक विचारक, हिन्दू सांस्कृतिक राष्ट्रवाद, स्वदेशी के पक्षधर, स्वराज एवं आत्मनिर्णय के समर्थक, लोकतंत्रवादी, स्वतन्त्रता एवं संविधानवादी कार्यपद्धति के समर्थक, राष्ट्रीय पुनर्निर्माण के समर्थक।

खण्ड-5 स्वातंत्र्योत्तर चिन्तन

इकाई-1 सर्वोदय दर्शन

सर्वोदय का सिंहावलोकन; सर्वोदय की आधारभूत अवधारणा; सर्वोदय का अर्थशास्त्र; सर्वोदय की राजनीतिक मान्यताएँ, सर्वोदय; समाजवाद और मार्क्सवाद; भूदान आन्दोलन : आरम्भ और औचित्य; ग्रामदान, सामुदायिक विकास और पंचायती राज; भूदान और ग्रामदान की समीक्षा; सर्वोदय के अन्य सरोकार सर्वोदय – आचार्य कुल खादी, शांति सेना, देवनागरी, स्त्री शक्ति, गौरक्षा।

इकाई-2 जवाहर लाल नेहरू

जीवन वृत्त, व्यक्तित्व और कृतित्व, राष्ट्रवाद और उसका व्यापक परिप्रेक्ष्य, नेहरू और गाँधी, सहमति और असहमति के बिन्दु, नेहरू और जनतांत्रिक समाजवाद, मार्क्सवाद का विश्लेषण, जनतंत्र के प्रति निष्ठा, धर्म, धर्म-निरपेक्षता और साम्प्रदायिकता।

इकाई-3 डॉ0 भीमराव अम्बेडकर

जीवन वृत्त, व्यक्तित्व और कृतित्व; ऐतिहासिक, सामाजिक और परिप्रेक्ष्य में जाति-प्रथा-वर्ण व्यवस्था से जातियों का जन्म, अस्पृश्यता का अंत : धार्मिक संघर्ष की परिणति, जातिवादी समानता के संघर्ष में डॉ0 अम्बेडकर, जातिवादी असमानता का आत्मघाती असर, जातिवाद का उन्मूलन, धर्म का महत्व और बौद्ध धर्म की विशेषताएँ, बौद्ध धर्म और मार्क्सवाद; भारतीय परिप्रेक्ष्य में मार्क्सवाद; ''आर्थिक शोषण के विरुद्ध संरक्षण'' राष्ट्रवाद का स्वरूप और भारतीय राष्ट्रवाद।

इकाई-4 राजर्षि पुरुषोत्तम दास टण्डन

संक्षिप्त जीवन वृत्त,राजर्षि के आर्थिक विचार, भारतीय संस्कृति का बौद्धिक आधार, राजर्षि और राष्ट्रीय समस्याएँ, धार्मिक व्यक्तिगत विधि और धर्मान्तरण, राष्ट्रभाषा हिन्दी, देवनागरी लिपि और अंक, हिन्दुस्तानी और हिन्दी।

PGPS/MAPS-07

उपयोगिता और वैज्ञानिक उदारवाद

खण्ड-1 उपयोगितावाद और वैज्ञानिक उदारवाद

इकाई-1 जेरेमी बेन्थम (1748-1832)

बेन्थम की पुस्तकें, उपयोगितावाद का सिद्धान्त, राज्य की अवधारणा, बेन्थम का सुधारवाद, बेन्थम का महत्व।

इकाई-2 जान स्टुअर्ट मिल (1806-1873)

मिल की प्रमुख पुस्तकें एवं लेख, बेन्थम के उपयोगितावाद में मिल द्वारा संशोधन, मिल की स्वतन्त्रता की अवधारणा, मिल के प्रजातन्त्र सम्बन्धी विचार, प्रतिनिधि लोकतन्त्र पर मिल के विचार।

इकाई-3 हरबर्ट स्पेंसर (1820-1903)

स्पेंसर के राजनीतिक चिन्तन का दार्शनिक आधार, स्पेंसर का राजनीतिक दर्शन, स्पेंसर के प्राकृतिक अधिकार की अवधारणा, राज्य का सिद्धान्त स्पेन्सर की समालोचना।

खण्ड-2 प्रत्ययवादी दार्शनिक

इकाई-4 इमेनुअल काण्ट (1724-1804)

काण्ट और चिन्तन के क्षेत्र की समस्याएँ, काण्ट का समकालीन ऐतिहासिक परिदृश्य काण्ट का वैचारिक परिवेश, ज्ञान मीमांशा का सिद्धान्त, व्यावहारिक बुद्धि की मीमांसा, मानव स्वभाव की अवधारणा, प्राकृतिक अवस्था और सामाजिक प्रसंविदा, राज्य का औचित्य और समान स्वतन्त्रता का सिद्धान्त, राज्य की विशिष्टताएं, सम्प्रभुता का सिद्धान्त, गणतन्त्र का सिद्धान्त, शक्ति पृथक्करण की सिद्धान्त, प्रतिरोध का अधिकार, विचारों की स्वतन्त्रता अभिव्यक्ति एवं प्रचार-प्रसार, इतिहास दर्शन।

इकाई-5 जार्ज विल्हेल्म फ्रेडरिक हेगल (1770-1831)

हेगल का युग और उसकी चुनौतियाँ, चिन्ताजनक समस्याएँ, एतिहासिक परिदृश्य एवं उनसे अद्‌भूत समस्याएँ, दार्शनिक दृष्टि, द्वान्द्वात्मक तर्क शास्त्र, फेनामेनालाजी आफ माइल्ड और स्वामी-दास निदर्श, स्टोइकवाद और स्केप्टिकवाद का उदय, इतिहास दर्शन राज्य का सिद्धान्त, वस्तुनिष्ठ चित एवं उसकी अभिव्यक्तियों, मूर्त सार्वजनिकता का पूर्ण विग्रह : राज्य।

इकाई-6 टामस हिलग्रीन (1836-1884)

ग्रीन और उसका युग, ग्रीन के विचारों के स्रोत, ग्रीन की दार्शनिक दृष्टि, ग्रीन के राजनीतिक विचार, (अ) स्वतन्त्रता का सिद्धान्त, (ब) अधिकारों का सिद्धान्त, राज्य का सिद्धान्त सम्प्रभुता की अवधारणा, राज्य की प्रकृति, प्राकृतिक अधिकार, विधिक अधिकार और राज्य की संज्ञा का प्रतिरोध राज्य और उसके अन्तर्गत अन्य समूह, राज्य के कार्य, युद्ध पर ग्रीन के विचार।

खण्ड-3 मनोवैज्ञानिक सम्प्रदाय

इकाई-7 वाल्टर बेजहाँक (1826-1877)

वाल्टर बेजहाँक – संक्षिप्त परिचय, राजनीति और मनोविज्ञान, व्यक्तिगत स्वतन्त्रता, ब्रिटिश स्वतन्त्रता, ब्रिटिश संविधान की व्याख्या, बेजहॉट-उदारवादी या रूढ़िवादी।

इकाई-8 विलियम मैकडूल (1971-1935)

मैकडूल का मूल प्रवृत्तियों का सिद्धान्त, समूह मन का सिद्धान्त, राष्ट्र संबन्धी विचार, मूल्यांकन।

इकाई-9 ग्राहम वाल्स (1858-1932)

ग्राहम वाल्स की अध्ययन प्रणाली, मानव स्वभाव का विश्लेषण, लोकतन्त्र की समीक्षा, राज्य व शासन सम्बन्धी विचार ग्राहम वलास का महत्व, मनोवैज्ञानिक सम्प्रदाय का मूल्यांकन।

खण्ड-4 मार्क्स तथा मार्क्सवादी

इकाई-10 कार्लमार्क्स (1818-1883)

जीवन परिचय, द्वान्द्वात्मक भौतिकवाद, ऐतिहासिक भौतिकवाद, पूंजीवाद की शल्यक्रिया, वर्ग, वर्गीय चेतना एवं वर्ग संघर्ष, राज्य पर विचार, क्रान्ति एवं साम्यवादी समाज, मार्क्स के बाद मार्क्सवाद।

इकाई-11 लेनिन (1870-1924)

लेनिन-जीवन परिचय, लेनिन का मार्क्सवाद, पार्टी संगठन पर विचार, द्वन्द्वात्मक भौतकवाद का सिद्धान्त, पूँजीवाद का साम्राज्यवादी स्वरूप, सर्वहारा क्रान्ति की अवधारणा, समाजवादी पुननिर्माण की समस्याएँ।

इकाई-12 माओ (1893-1976)

जीवन परिचय, पार्टी और क्रान्तिकारी रणनीति, दार्शनिक विचार, चीन से समाजवादी पुर्ननिर्माण, माओ सोवियत रूप और अमेरिका, सांस्कृतिक क्रान्ति, माओ के बाद चीन।

खण्ड-5 विकासवादी तथा क्रान्तिकारी समाजवाद के सिद्धान्त

इकाई-13 फेबियनवाद

फेबियनवाद का उद्भव तथा विकास, फेबियनवाद के लक्ष्य, फेबियनवाद के मूल सिद्धान्त, फेबियवाद के साधन, फेबियनवाद की आलोचना।

इकाई-14 फेबियनवाद

श्रेणी समाजवाद का प्रादुर्भाव, श्रेणी समाजवाद की विशेषताएँ, श्रेणी समाजवाद के साधन, श्रेणी समाजवादी व्यवस्था की स्वरूप, श्रेणी समाजवाद की आलोचना।

इकाई-15 श्रमिक संघवाद

श्रमिक संघवाद का प्रादुर्भाव, श्रमिक संघवाद के मूल आधार, श्रमिक संघवाद के साधन, संघवादी समाज का स्वरूप, श्रमिक संघवाद की आलोचना, श्रमिक संघवाद में संशोधन।

इकाई-16 अराजकतावाद

अराजकतावाद का अर्थ, अराजकतावाद का विकास, अराजकतावाद की मान्यताएँ, अराजकतावाद के साधन, अराजकतावादी समाज का स्वरूप, अराजकतावाद की आलोचना।

PGPS/MAPS-08

राजनीति विज्ञान अंतर्राष्ट्रीय राजनीति पाठ्यक्रम

खण्ड-1 स्वरूप और उपागम

इकाई-1 अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति का अर्थ, स्वरूप एवं क्षेत्र

अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति का अर्थ, अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति की परिभाषा, अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति एवं अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्ध में अन्तर, अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति का स्वरूप, अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति का क्षेत्र।

इकाई-2 अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति के अध्ययन के उपागम

परम्परागत ऐतिहासिक संस्थात्मक उपागम, आदर्शवादी उपागम, यथार्थवादी उपागम, वैज्ञानिक व्यवहारवादी उपागम।

इकाई-3 अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति का शक्ति उपागम

शक्ति उपागम परिचयात्मक, शक्ति उपागम की मूल मान्यताएँ, मार्गेन्धाई और शक्ति उपागम, शक्ति उपागम से जुड़े, कुछ प्रमुख समकालीन विचारक, शक्ति उपागम की समालोचना।

खण्ड-2 अंतर्राष्ट्रीय राजनीति की मूल अवधारणाएँ

इकाई-4 राष्ट्रीय हित

अवधारणा का विकास, अवधारणा का अर्थ, अवधारणा के प्रकार, अवधारणा की अभिवृद्धि के साधन, अवधारणा तथा विदेशनीति।

इकाई-5 राष्ट्रीय शक्ति

शक्ति का अर्थ, शक्ति के प्रकार, शक्ति के तत्व, शक्ति के प्राकृतिक तत्व, शक्ति के सामाजिक तथा आर्थिक तत्व, प्रत्ययात्मक तत्व, शक्ति का मूल्यांकन।

इकाई-6 विदेश नीति

विदेशनीति का अर्थ, विदेशनीति के लक्ष्य, विदेशनीति के निर्धारक तत्व – आन्तरिक तत्व, विदेश नीति के निर्धारक तत्व-बाहरी तत्व, विदेश नीति के साधन, प्रचार का साधन, विदेशनीति के आर्थिक साधन, कूटनीति, विदेशनीति के साधन के रूप में, युद्ध : विदेशनीति के साधन के रूप में।

खण्ड-3 शक्ति का परिसीमन

इकाई-7 शक्ति संतुलन

शक्ति संतुलन का अर्थ, शक्ति संतुलन सिद्धान्त की मान्यताएँ एवं पूर्वापेक्षायें, शक्ति संतुलन सिद्धान्त का ऐतिहासिक विकास, शक्ति संतुलन स्थापित करने के

साधन, वर्तमान विश्व में शक्ति संतुलन की प्रासंगिकता, शक्ति सन्तुलन सिद्धान्त की आलोचना।

इकाई-8 सामूहिक सुरक्षा

सामूहिक सुरक्षा का अर्थ एवं परिभाषा, सामूहिक सुरक्षा की अपेक्षायें, सामूहिक सुरक्षा एवं शक्ति संतुलन, सामुहिक सुरक्षा एवं सामूहिक रक्षा, राष्ट्रसंघ के अन्तर्गत सामूहिक सुरक्षा व्यवस्था, संयुक्त राष्ट्र के अन्तर्गत, सामूहिक सुरक्षा व्यवस्था।

इकाई-9 निःशस्त्रीकरण और शस्त्र नियन्त्रण

शस्त्र स्पर्धा और उनके परिणाम, निःशस्त्रीकरण स्प. शस्त्र नियन्त्रण, निःशस्त्रीकरण एवं शस्त्र नियन्त्रण समझौतों का इतिहास, संयुक्त राष्ट्र और निःशस्त्रीकरण, निःशस्त्रीकरण तथा शस्त्र नियन्त्रण पर समझौते, निःशस्त्रीकरण के मार्ग की बाधायें।

खण्ड-4 अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति के प्रमुख आयाम

इकाई-10 शीत युद्ध

शीत युद्ध की उत्पत्ति एवं कारण, शीत युद्ध की प्रभारी।

इकाई-11 तनाव शैथिल्य तथा नवशीत युद्ध

तनाव शैथिल्य : अर्थ एवं परिभाषा, तनाव शैथिल्य के कारण, तनाव शैथिल्य के विकास के विभिन्न चरण, अन्तर्राष्ट्रीय, राजनीति पर तनाव शैथिल्य का प्रभाव, नवशीत युद्ध, नवशीत युद्ध का अर्थ, पुराने तथा नये शीतयुद्ध में अन्तर, नवशीत युद्ध काल की प्रमुख घटनाएँ, नवशीत युद्ध के परिणाम।

इकाई-12 गुट निरपेक्ष आन्दोलन तथा तीसरी दुनिया

गुट निरपेक्षता का अर्थ, प्रमुख विशेषताएँ, गुट निरपेक्ष स्पष्ट होने की अर्हताएं, आन्दोलन, आन्दोलन का इतिहास, आन्दोलन की उपलब्धियों, आन्दोलन की दुर्बलताएँ, आन्दोलन के समक्ष चुनौतियाँ, आन्दोलन की प्रासंगिकता, तीसरी दुनिया।

इकाई-13 शीत युद्धोतर विश्व व्यवस्था

शीत युद्धोत्तर विश्व व्यवस्था, वैश्वीकरण अथवा वैश्विक व्यवस्था, वैश्वीकरण के युग में राष्ट्र राज्य।

खण्ड-5 प्रमुखशक्तियों के वैदेशिक नीति एवं भारत

इकाई-14 अमेरिकी विदेशनीति की सामान्य विशेषताएँ तथा वैश्विक परिवेश में उसकी भूमिका।

अमेरिका का महाशक्ति के रूप में उदय, अमेरिकी विदेश नीति के लक्ष्य,

विभिन्न राष्ट्रपतियों के कार्यकाल में अमेरिकी विदेशनीति की मुख्य विशेषताएँ, प्रवृत्तियाँ, अमेरिकी विदेश नीति की आधुनिक प्रवृत्तियाँ।

इकाई-15 ब्रिटेन एवं फ्रांस की विदेश नीति की सामान्य विशेषताएँ-

ब्रिटिश विदेश नीति के आधारभूत तत्व, (प्रथम भाग ब्रिटेन की विदेश नीति) विश्व की प्रमुख शक्तियों के परिप्रेक्ष्य में ब्रिटेन की विदेशनीति – ब्रिटेन अमेरिका, प्रमुख सहयोगी के रूप में, पाश्चात्य देशों के साथ क्षेत्रीय योजनाओं की नीति, ब्रिटेन एवं फ्रांस (पूर्व सोवियत संघ), ब्रिटेन एवं रूस (पूर्व सोवियत संघ), ब्रिटेन तथा चीन, ब्रिटेन तथा भारत, ब्रिटेन एवं विश्व के अन्य क्षेत्र।

इकाई-15 फ्रांस की विदेश नीति (द्वितीय भाग)

जनरल डिमॉल युग, जार्ज पोम्पिू काल, जिस्कार युग, फ्रेंकोइस मित्तरों युग, भारत में मित्तरों युग फ्रांस व पूर्व सोवियत संघ, फ्रांस और अन्य देश, मित्तरों युग-एक सिंहवलोकन, जेम्स शिराक युग।

इकाई-16 रूप एवं चीन की विदेश नीति की सामान्य विशेषताएँ (प्रथम भाग- रूस की विदेश नीति)

रूसी विदेश नीति के सम्मुख प्रमुख चुनौतियाँ, सोवियत संघ के विघटन के बाद रूसी विदेश नीति के आधार तथा प्राथमिकताएँ रूस एवं अमेरिका, रूस एवं अन्य पश्चिमी यूरोप के राष्ट्र, रूस तथा उत्तर अटलांटिक सन्धि संगठन, रूस तथा चीन, रूस तथा जापान, रुस तथा भारत, रूस तथा 'राष्ट्रकुल' रूस की अन्य नीति।

इकाई-16 द्वितीय भाग : चीन की विदेशनीति

चीनी विदेशनीति के लक्ष्य, चीनी विदेश नीति के साधन, चीनी विदेश नीति : अवस्थाएँ एवं परिप्रेक्ष्य, चीन-अमेरिका सम्बन्ध, चीन और रुस सम्बन्ध एशिया, अफ्रीका एवं लेटिन अमेरिका के प्रति चीन की विदेशनीति, चीन और भारत, चीन एवं अन्य राष्ट्र, चीनी विदेश नीति की उपलब्धियों चीनी विदेश नीति की आलोचना, चीनी विदेश नीति का मूल्यांकन।

इकाई-17 भारत की विदेश नीति : मुख्य निर्धारक तत्व तथा वैश्विक परिवेश में उसकी भूमिका

भारतीय विदेश नीति से सम्बन्धित ऐतिहासिक तथ्य, भारतीय विदेश नीति के उद्देश्य, भारतीय विदेश नीति के लक्ष्य, भारतीय विदेश नीति के निर्धारक तत्व, भारतीय विदेश नीति के अध्ययन के विभिन्न काल खण्ड प्रथम खण्ड, द्वितीय काल खण्ड, तृतीय काल खण्ड, चतुर्थ काल खण्ड, भारतीय विदेश नीति एवं वैश्वीकरण, भारतीय विदेश नीति एवं चुनौतियाँ, भारतीय विदेश नीति का मूल्यांकन।

MAPS-09
अन्तर्राष्ट्रीय विधि

खण्ड-1 अन्तर्राष्ट्रीय विधि की अवधारणा

इकाई-1 अन्तर्राष्ट्रीय विधि का अर्थ प्रकृति एवं क्षेत्र

1. अन्तर्राष्ट्रीय विधि का अर्थ
2. अन्तर्राष्ट्रीय विधि की प्रकृति
3. अन्तर्राष्ट्रीय विधि व राष्ट्रीय विधि में अन्तर
4. अन्तर्राष्ट्रीय विधि का क्षेत्र।

इकाई-2 अन्तर्राष्ट्रीय विधि के स्रोत तथा अन्तर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय विधि के बीच संबंध

1. अन्तर्राष्ट्रीय विधि के स्रोत
2. अन्तर्राष्ट्रीय विधि और राष्ट्रीय विधि
3. अन्तर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय विधियों के संबंध में विभिन्न देशों का व्यवहार।

इकाई-3 अन्तर्राष्ट्रीय विधि के 'विषय'

1. अन्तर्राष्ट्रीय विधि के विषय।

खण्ड-2 शांति की विधि-।

इकाई-1 राज्य का प्रदेश तथा क्षेत्राधिकार एवं प्रदेश प्राप्त करने तथा खोने के प्रकार

1. राज्य का प्रदेश
2. क्षेत्राधिकार
3. प्रदेश प्राप्त करने तथा खोने के प्रकार।

इकाई-2 राष्ट्रीयता, प्रत्यर्पण एवं हस्तक्षेप

1. राष्ट्रीयता की प्रकृति
2. राष्ट्रीयता-प्राप्ति के प्रकार
3. राष्ट्रीयता खोने के प्रकार
4. दोहरी राष्ट्रीयता
5. राज्य विहीनता

6. प्रत्यर्पण
7. प्रत्यर्पण की प्रक्रिया
8. प्रत्यर्पण हेतु आवश्यक दशाएं
9. प्रत्यर्पण हेतु आवश्यक दशाएं
10. राजनीतिक अपराध और प्रत्यर्पण
11. हस्तक्षेप
12. हस्तक्षेप के प्रकार
13. हस्तक्षेप न करने का सिद्धान्त
14. हस्तक्षेप के आधार
15. हस्तक्षेप से संबंधित प्रमुख सिद्धान्त

इकाई-3 मान्यता राज्य-उत्तराधिकार तथा राजनयिक प्रतिनिधि

1. मान्यता के सिद्धान्त
2. मान्यता प्राप्त करने के आधार
3. मान्यता के विभिन्न रूप
4. निर्वासित सरकार की मान्यता
5. युद्धावस्था की मान्यता
6. अभिद्रोह की मान्यता
7. मान्यता का परिणाम
8. भारत की मान्यता विषयक नीति
9. राज्य – उत्तराधिकार
10. राज्य उत्तराधिकार के परिणाम
11. राजनयिक प्रतिनिधि की श्रेणियाँ
12. राजनयिक प्रतिनिधियों की नियुक्ति
13. राजनयिक प्रतिनिधियों के कार्य
14. राजनयिक प्रतिनिधियों की उन्मुक्तियाँ तथा विशेषाधिकार

तृतीय खण्ड - शान्ति विधि-II

इकाई-1 संधि विधि

1. संधि का अर्थ
2. संधि के रूप

3. संधियों का निर्माण
4. संधि-विधि के सामान्य नियम
5. संधियों का पुनरीक्षण तथा संशोधन
6. संधियों की अमान्यता
7. संधियों की समाप्ति
8. संधियों का निर्वचन

इकाई-2 विवादों का निपटारा

1. विवादों के निपटारे के शान्तिपूर्ण ढंग
2. संयुक्त राष्ट्र के तत्वाधान में विवादों का निस्तारण
3. बाध्यकारी या अवपीडक उपाय

इकाई-3 मानव अधिकारों का अन्तर्राष्ट्रीय संरक्षण

1. मानव अधिकार की परिभाषा
2. मानव अधिकारों का साधारणीकरण
3. संयुक्त राष्ट्र चार्टर में मानव अधिकारों के प्रावधान
4. मानव अधिकार आयोग
5. मानव अधिकार के संयुक्त राष्ट्र उच्चायुक्त
6. मानव अधिकार की सार्वभौम घोषणा
7. घोषणा का विधिक प्रभाव
8. मानव अधिकार की अन्तर्राष्ट्रीय प्रसंविदायें
9. संविदाओं का मूल्यांकन

चतुर्थ खण्ड - युद्ध के नियम

इकाई-1 युद्ध के नियम

1. युद्ध की परिभाषा
2. गैर-युद्धीय सशस्त्र संघर्ष
3. युद्ध का वैधिक नियमन
4. शत्रु चरित्रता
5. युद्ध की समाप्ति

6. युद्ध की समाप्ति तथा पूर्वावस्था

इकाई-2 स्थल युद्ध के नियम

1. स्थल युद्ध के नियम
2. समुद्री युद्ध के कानून
3. हवाई युद्ध के नियम

इकाई-3 युद्ध बन्दी

1. युद्ध बन्दी
2. अधिग्रहण न्यायालय

पंचम खण्ड - तटस्थता विधि

इकाई-1 तटस्थता तथा तटस्थ राज्यों के अधिकार एवं कर्त्तव्य

1. तटस्थता का अर्थ
2. सशस्त्र संघर्षों में तटस्थता
3. तटस्थता का विकास
4. तटस्थता का युक्ति संगत आधार
5. तटस्थता तथा तटस्थीकरण में अन्तर
6. तटस्थ राज्यों के अधिकार और कर्त्तव्य

इकाई-2 निरीक्षण और तलाशी का अधिकार, संकटाधिकार, नाकाबन्दी, विनिषिद्ध

1. अतटस्थ सेवा परिचय
2. निरीक्षण तथा तलाशी का अधिकार
3. संकटाधिकार
4. नाकाबन्दी तथा उसके विभिन्न आयाम
5. विनिषिद्ध माल
6. विनिषिद्ध माल के प्रकार
7. सतत् यात्रा का सिद्धान्त
8. विनिषिद्ध माल के वहन का परिणाम

इकाई-3 संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अन्तर्गत तटस्थता

1. संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अन्तर्गत तटस्थता
2. संयुक्त राष्ट्र और विश्व शान्ति
3. सशस्त्र बल के प्रयोग को शामिल करने वाले उपाय
4. सयुक्त राष्ट्र की महासभा की भूमिका
5. महासचिव की भूमिका
6. शान्ति के लिए कार्यसूची
7. निवारक कूटनीति
8. शान्ति कायम रखना
9. उत्तर संघर्ष शान्ति निर्माण

MAPS-11

भारत के राज्य राजनीति उ0 प्र0 के विशिष्ट सन्दर्भ में

इकाई- 1 भारतीय राजनीति के अध्ययन के विभिन्न दृष्टिकोण
[APPROACHES OF THE STUDY OF INDIAN POLITICS]

दृष्टिकोण से अभिप्रायः भारतीय राजनीति : अध्ययन के विभिन्न दृष्टिकोण; निष्कर्ष।

इकाई- 2 संविधान निर्मात्री सभा की पृष्ठभूमि [संगठन (संरचना) एवं कार्य प्रणाली]
[BACKGROUND OF THE CONSTITUENT ASSEMBLY (COMPOSITION AND WORKING)]

संविधान सभा से तात्पर्य; भारत में संविधान सभा की अवधारणा का विकास; कैबिनेट मिशन योजना और संविधान सभा का निर्माण; संविधान सभा का गठनः चुनाव; संविधान सभा के प्रमुख सदस्य : प्रमुख संविधान-निर्माता; संविधान निर्माण की कहानी; संविधान सभा के विवादास्पद प्रसंग, संविधान निर्माण की समस्याएँ; संविधान निर्माण की प्रक्रिया; आलोचनात्मक टिप्पणियां; ग्रेनविल ऑस्टिन के विचार; संविधान सभा का दृष्टिकोण निष्कर्ष।

इकाई- 3 भारतीय संविधान के स्त्रोत एवं विशेषताएं
[SOURCES AND SALITENT FEATURES OF THE INDIAN CONSTITUTION]

भारतीय संविधान के स्त्रोत; भारतीय संविधान की विशेषताएं; संविधान के मूल ढाँचे या आधारभूत सिद्धान्त की धारणा; भारतीय संविधान की क्षमताएँ संविधान का राजनीतिक दर्शन।

इकाई- 4 भारतीय राजनीति के समाजशास्त्रीय एवं पारिस्थितिकीय आधार
[SOCIOLOGICAL AND ECOLOGICAL BASES OF THE INDIAN POLIICS]

भारतीय राजनीति के समाजशास्त्रीय अध्येयता; भारतीय राजनीति का समाजशास्त्रीय दृष्टि से अध्ययन : औचित्य; भारतीय राजनीति के समाजशास्त्रीय एवं पारिस्थितिकीय आधार तत्व; भारतीय राजनीति के सामाजिक आधार; निष्कर्ष।

इकाई-5 वैचारिक आधार : प्रस्तावना (उद्देशिका)

[IDEOLOGICAL CONSTENTS : PREAMBLE]

प्रस्तावना का अर्थ और महत्व : रचना प्रक्रिया; मौलिक रूप; 42वें संवैधानिक संशोधन के बाद प्रस्तावना; प्रस्तावना के मुख्य लक्षण; संविधान की आत्मा; प्रस्तावना में संशोधन मूल्यांकन; निष्कर्ष।

इकाई-6 वैचारिक आधार : मौलिक अधिकार

[IDEOLOGICAL CONTENTS : FUNDAMENTAL RIGHTS]

मौलिक अधिकारों की आवश्यकता और महत्व; मौलिक अधिकारों का महत्व; भारतीय संविधान में मौलिक अधिकारों के उल्लेख की आवश्यकता; मौलिक अधिकार का अर्थ; भारतीय संविधान के अधिकार-पत्र की विशेषताएं; भारत में मौलिक अधिकारों की माँग; संविधान द्वारा प्रदत्त मौलिक अधिकार : समानता का अधिकार; स्वतन्त्रता का अधिकार;शोषण के विरुद्ध अधिकार; धार्मिक स्वतन्त्रता का अधिकार; संस्कृति और शिक्षा सम्बन्धी अधिकार; संवैधानिक उपाचरों का अधिकार; सम्पत्ति का अधिकार; वर्तमान स्थिति; मौलिक अधिकारों का मूल्यांकन; मौलिक अधिकारों में वृद्धि; मौलिक अधिकारों से सम्बन्धित सिद्धान्त; मूल कर्तव्य; कर्तव्यों का मूल्यांकन; मूल कतव्यों का अनुपालन; मौलिक अधिकार, संसद और सवोच्च न्यायालय, संवैधानिक संशोधनों को चुनौती और सर्वोच्च न्यायालय का ऐतिहासिक निर्णय।

इकाई-7 वैचारिक आधार : राज्य-नीति के निदेशक सिद्धान्त

[IDEOLOGICAL CONTENTS : DIRECTIVE PRINCIPLES OF STATE POLICY]

निदेशक सिद्धान्तों का अर्थ और उद्देश्य; निदेशक सिद्धान्तों तथा मौलिक अधिकारों में अन्तर मौलिक अधिकारों तथा निदेशक सिद्धान्तों के बीच सम्बन्ध; निदेशक सिद्धान्तों का वर्गीकरण; नीति निदेशक सिद्धान्तों की आलोचना नीति निदेशक सिद्धान्तों का महत्व; निदेशक सिद्धान्तों का क्रियान्वयन और उपलब्धियाँ।

इकाई-8 वैचारिक आधार : पंथनिरपेक्षता

[IDEOLOGICAL CONTENTS : SECULARISM]

पंथनिरपेक्षता से अभिप्राय; पंथनिरपेक्ष सिद्धान्त : ऐतिहासिक पृष्ठभूमि; पंथनिरपेक्षता की धारणा एवं गांधी और नेहरू की विरासत; भारत में पंथनिरेपक्षता क्यों? भारतीय संविधान में पंथनिरपेक्षता सम्बन्धी प्रावधान; उच्चतम न्यायालय द्वारा एनसीईआरटी पाठ्यक्रम के मामले में मूल्य आधारित

शिक्षा का समर्थन; भारतीय संविधान में पंथनिरपेक्ष प्रावधानों का स्वरूप; भारतीय पंथनिरपेक्षता; व्यावहारिक पक्ष; भारतीय पंथनिरपेक्षताः समस्याएं और चुनौतियाँ।

इकाई-9 संसदीय प्रणाली का भारतीय प्रतिमान : संसदीय व्यवस्था के सिद्धान्त और व्यवहार के विशेष सन्दर्भ में : 1976-2008 के दशकों में अवतरित भारतीय राजनीतिक व्यवस्था

[INDIA'S PARLIAMENTARY MODEL : WITH SPECIAL REFERENCE TO THE THEORY AND PRACTICE OF PARLIAMENTARY SYSTEM OF GOVERNMENT : THE EMERGING POLITICAL SYSTEM IN THE 1976-2008]

संसदात्मक *बनाम* अध्यक्षात्मक शासन : अभिप्राय; संसदीय शासन व्यवस्थाः सैद्धान्तिक अभिधारणाएं; भारत में संसदीय व्यवस्था का ऐतिहासिक विकास; भारत में संसदीय प्रणाली अपनाएं जाने के कारण; भारत में संसदीय प्रणाली अपनाए जाने के कारणों की शव परीक्षा; भारत में संसदीय प्रणाली का व्यावहारिक पहलू; संसदीय प्रणाली का भारतीय प्रतिमान (मॉडल) : 1976-2008 के दशकों में अवतरित भारतीय राजनीतिक व्यवस्था; निष्कर्ष।

इकाई-10 भारतीय राजनीतिक व्यवस्था का स्वरूप

[THE NATURE OF THE INDIAN POLITICAL SYSTEM]

राजनीतिक व्यवस्था से अभिप्राय; भारतीय राजनीतिक व्यवस्था; भारतीय राजव्यवस्था के निर्धारक तत्व; भारतीय राजव्यवस्था का स्वरूप; वंशवाद का बढ़ता वर्चस्व; भारतीय राजव्यवस्था : निरन्तरता और परिवर्तन के दौर से; निष्कर्ष; भारतीय राजनीति का माफियाकरण; निष्कर्ष।

इकाई-11 सामाजिक परिवर्तन के उपकरण के रूप में संविधान संशोधन प्रक्रिया

[CONSTITUTIONAL AMENDMENT PROCESS AS AN INSTRUMENT OF SOCIAL CHANGE]

भारतीय संविधान : नम्यता और अनम्यता (लचीलेपन और कठोरता) का सामंजस्य; भारत के संविधान में संशोधन-प्रक्रिया; संशोधन पद्धति की आलोचना; संविधान संशोधन प्रक्रिया; कतिपय विशेषताएं; भारतीय संविधान में महत्वपूर्ण संशोधन; 42वें संवैधानिक संशोधन, 1976; संविधान संशोधन की राजनीतिक; संविधान संशोधन और सामाजिक परिवर्तन संसद तथा संविधान संशोधन; संविधान संशोधन और संविधान सभा का विचार भारतीय संविधान का पुनर्निरीक्षण : कितना बदले और क्यों।

इकाई-12 भारतीय संघ व्यवस्था : स्वरूप
[INDIAN FEDERAL SYSTEM : NATURE]

भारतीय संघ का स्वरूप : विवादास्पद विषय; भारत में संघवाद के अध्ययन के प्रति दृष्टिकोण; संघात्मक दृष्टिकोण; भारतीय संविधान के संघात्मक लक्षण : संविधान का स्वरूप संघात्मक है; भारतीय संविधान के एकात्मक लक्षणः संविधान द्वारा शक्तिशाली केन्द्र की स्थापना, व्यवहार में भारतीय संघवाद; क्या भारत को सच्चा संघ कहना ठीक है? संविधान ने एक शक्तिशाली केन्द्रीय शासन की स्थापना क्यों की है? भारतीय संघवाद के निर्धारक तत्व; भारत में संघवाद के प्रतिमान (मॉडल्स)-(1) भारत में सहयोगी संघवाद का प्रतिमान (2) भारत में सौदेबाजी वाली संघ व्यवस्था का प्रतिमान; (3) भारत में एकात्मक संघवाद का प्रतिमान; निष्कर्ष।

इकाई-13 भारतीय संघ व्यवस्था में केन्द्र-राज्य सम्बन्ध

[CENTRE – STATE RELATIONS IN INDIAN FEDREAL SYSTEM]

भारतीय संघ के केन्द्र-राज्य विधायी सम्बन्ध; भारतीय संघ में केन्द्र-राज्य प्रशासनिक सम्बन्ध; केन्द्र-राज्य विवादस्पद क्षेत्रः कतिपय प्रशासनिक मामले केन्द्र-राज्य प्रशासनिक समायोजन के उपकरण भारतीय संघ में केन्द्र-राज्य वित्तीय सम्बन्ध; केन्द्र-राज्य तनाव क्षेत्रः वित्तीय तथा योजना सम्बन्धी विषय; केन्द्र-राज्य सम्बन्धों की विशेषताएं केन्द्र-राज्य सम्बन्धों में टकराव की स्थिति।

परिशिष्ट : केन्द्र-राज्य सम्बन्धों पर सरकारिया आयोग प्रतिवेदन

[SARKARIA PANEL REPORT ON CENTRE-RELATIONS]

इकाई-14 नियोजित आर्थिक विकास और भारतीय राजनीति : संघवाद के विशेष सन्दर्भ में

[PLANNED ECONOMIC DEVELOMENT AND POLITICS IN INDIA: WITH SPECIAL REFERENCE TO THE INDIAN FEDERAL SYSTEM]

नियोजन के उद्देश्य : भारत में नियोजन की आवश्यकता भारत में नियोजन; भारत में योजना आयोग; राष्ट्रीय विकास परिषद; भारत में आर्थिक नियोजन के राजनीतिक परिणाम; भारत में संघवाद पर नियोजन के प्रभाव; निष्कर्ष।

इकाई-15 दलीय व्यवस्था एवं भारतीय संघवाद
[PARTY SYSTEM AND INDIAN FEDERALISM]

भारत में एक-दल प्रधान एवं संघवाद : भारत में संघवाद : राजनीतिक दलों में

दृष्टिकोण; दलीय व्यवस्था एवं भारतीय संघवाद के बदलते आयाम; संघवाद का निर्धारक : सत्तारूढ़ दल का संगठनात्मक ढांचा; निष्कर्ष।

इकाई-16 भारत में राज्य स्वायत्तता की मांग : संघवादी व्यवस्था का मूल्यांकन

[DEMAND FOR STATE AUTONOMY IN INDIA : EVALUATION OF THE FEDERAL SYSTEM]

राज्यों की स्वायत्तता का अर्थ, राज्य स्वायत्तता की मांग : कैसी और किस तरफ से? जम्मू-कश्मीर : स्वायत्तता समिति रिपोर्ट; राज्य स्वायत्तता के समर्थन में तर्क; राज्य स्वायत्तता के विपक्ष में तर्क; राज्यों पर केन्द्रीय नियन्त्रण के उपकरण; यह कहना गलत है कि प्रतिष्ठित नगरपालिकाएं मात्र हैं; राज्य स्वायत्तता; कितनी और क्यों ? निष्कर्ष।

इकाई-17 भारतीय राष्ट्रपति : निर्वाचन पद्धति और राष्ट्रपति चुनाव की राजनीति

[INDIAN PRESIDENT : ELECTION METHOD AND POLITICS PRESIDENTIAL ELECTION]

गतिशील कार्यपालिका राष्ट्रपीत का निर्वाचन महाभियोग की प्रक्रिया; भारत में राष्ट्रपति चयन की राजनीति।

इकाई-18 राष्ट्रपति की शक्तियाँ : उभरता स्वरूप

[POWERS OF THE PRESIDENT : EMERGING NATURE]

राष्ट्रपति की शक्तियाँ एवं कार्य; (1) साधारण परिस्थितियों में प्रयुक्त शान्तिकालीन शक्तियाँ; (2) असाधारण परिस्थिति में प्रयुक्त आपातकालीन शक्तियाँ; आपातकालीन शक्तियाँ; आपातकालीन घोषणा (26 जून, 1975); संकटकालीन शक्तियों का मूल्यांकन; आपातकालीन शक्तियों का औचित्य; राष्ट्रपति तथा मन्त्रिपरिषद; 42वें संवैधानिक संशोधन के अनुसार राष्ट्रपति की स्थिति : उपराष्ट्रपति का पद तथा स्थिति; भारत के राष्ट्रपति तथा उपराष्ट्रपति : संक्षिप्त तुलना।

इकाई-19 राष्ट्रपति और प्रधानमन्त्री : सम्बन्धों का एक अध्ययन

[THE PRESIDENT AND THE PRIME MINISTER: A STUDY OF RELATIONSHIPS]

प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति के सम्बन्धों के बारे में वैधानिक तथा राजनीतिक दृष्टिकोण; प्रधानमन्त्री और राष्ट्रपति के सम्बन्धों पर संविधान सभा; 42वाँ और 44वाँ संवैधानिक संशोधन; राष्ट्रपति का राजनीतिक प्रभाव; भारत में राष्ट्रपति और प्रधानमन्त्री के सम्बन्ध : भारतीय राजनीति का विवादास्पद प्रसंग; निर्धारक तत्व।

इकाई-20 भारत में संघीय मन्त्रिपरिषद : उभरती भूमिका

[THE UNION COUNCIL OF MINISTERS IN INDIA : EMERGING ROLE]

मन्त्रिमण्डलात्मक शासन के लक्षण; मन्त्रिपरिषद का निर्माण; मन्त्रिपरिषद् और मन्त्रिमण्डल में अन्तर; मन्त्रिमण्डल की शक्तियाँ और कार्य; भारतीय मन्त्रिपरिषद की कुछ मुख्य विशेषताएं; मन्त्रिमण्डल तथा संसद; सैद्धान्तिक दृष्टिकोण; व्यावहारिक दृष्टिकोण।

इकाई-21 भारत में प्रधानमन्त्री का पद तथा स्थिति : प्रधानमन्त्रीय शासन की अवधारणा

[THE OFFICE AND THE POSITION OF THE PRIME MINISTER IN INDIA : THE CONCEPT OF PRIME MINISTERIAL SYSTEM]

भारत में प्रधानमन्त्री शासन प्रणाली; भारत में प्रधानमन्त्री चयन की राजनीति और उसकी नियुक्ति; प्रधानमन्त्री की गद्दी पर बैठने वालों की संख्या (1947 से 1989 तक 9 और 1989 से 2008 तक 9); प्रधानमन्त्री का चयन (मई,2004) प्रधानमन्त्री के अधिकार और कार्य; भारत में प्रधानमन्त्रीः व्यक्तित्व का अध्ययन; प्रधानमन्त्री की स्थिति निष्कर्ष।

इकाई-22 भारतीय संसद तथा उसकी कार्य-प्रणाली

[THE INDIAN PARLIAMENT AND ITS WORKING]

भारतीय संसद की संवैधानिक स्थिति; भारतीय संसद के कार्य एवं शक्तियाँ; संसद का गठन; राज्यसभा का गठन; राज्यसभा के कार्य और शक्तियाँ : लोकसभा और राज्यसभा में सम्बन्ध; राज्यसभा का आलोचनात्मक मूल्यांकन; व्यवहार में लोकसभा तथा राज्यसभा में सम्बन्धः राज्यसभा का महत्व और औचित्य; लोकसभा; संसद सदस्यों के विशेषाधिकार लोकसभा के अध्यक्ष का पद; अध्यक्ष की वास्तविक स्थिति; ब्रिटिश और अमरीकी अध्यक्ष से तुलना; लोकसभा की शक्तियाँ और कार्य; भारत में संसदीय समितियाँ; विभागों से सम्बन्धित समितियाँ; भारतीय संसदीय समितियों की स्थिति; भारतीय संसद में कानून बनाने की प्रक्रिया; भारतीय संसद में विपक्ष की भूमिका; विरोधी दलों की भूमिका का विश्लेषण संसद की बदलती भूमिका; समीक्षा; निष्कर्ष।

इकाई-23 सर्वोच्च न्यायालय : न्यायिक पुनर्विलोकन एवं न्यायिक सक्रियतावाद

[SUPER COURT : JUDICIAL REVIEW AND JUDICIAL ACTIVISM]

सर्वोच्च न्यायालय की आवश्यकता क्यों? सर्वोच्च न्यायालय का संगठन; सर्वोच्च न्यायालय का अवस्थापन; सर्वोच्च न्यायालय का क्षेत्राधिकार; न्यायपालिका की स्वतन्त्रता; भारत में न्यायिक पुनर्विलोकन या संविधान के संरक्षक के रूप में सर्वोच्च न्यायालय; भारत में न्यायिक पुनर्विलोकन : प्रकृति और सीमाएं; न्यायिक पुनर्विलोकन की आलोचना; सार्वजनिक हित (जन-हित) संरक्षण से सम्बन्धित मामले; भारतीय सर्वोच्च न्यायालय का बदलता हुआ दृष्टिरकोण; न्यायिक सक्रियतावाद न्यायिक सक्रियता का नया उभरता दौर; शहंशाह नहीं है जजः सरकार चलाने की कोशिश न करें; निष्कर्ष।

इकाई-24 भारत में नौकरशाही : प्रशासन की प्रकृति एवं भूमिका

[BUREAUCRACY IN INDIA : NATURE AND ROLE OF ADMINISTRATION]

नौकरशाही से अभिप्राय; विशेषताएं; लोकसेवाओं के कार्य; भारत में नौकरशाही का ढांचा; भारत में प्रशासक-मंत्री सम्बन्ध; प्रतिबद्ध, नौकरशाहीः भारतीय सन्दर्भ; प्रतिबद्ध नौकरशाही की धारणा और उसका मूल्यांकन; प्रचलित प्रशासनिक संरचना; प्रतिबद्धता क्यों नहीं? प्रतिबद्ध नौकरशाही : कुछ खतरे; प्रतिबद्धता : भारतीय सन्दर्भ; नौकरशाही का राजनीतिकरण; भारतीय नौकरशाही : शक्तिशाली हित समूह के रूप में; विशेषज्ञ प्रशासकों की आवश्यकता; नौकरशाही की भूमिका।

इकाई-25 संघ लोक सेवा आयोग : संगठन, शक्तियां और भूमिका

[THE UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION : ORGANIZATION, POWERS AND ROLE]

लोक सेवा आयोग की आवश्यकता; ऐतिहासिक पृष्ठभूमि; संघ तथा राज्यों के लिए लोक सेवा आयोगः संगठन; संघ लोक सेवा आयोग का स्टाफ; कार्य; प्रतिवेदन; स्वतन्त्रता; आयोग की सलाहकारी भूमिका; लोक सेवा आयोग का दुर्बल पक्ष; बदलती भूमिका लोक सेवा आयोगों के कार्यों में सुधार; निष्कर्ष।

इकाई-26 भारत में दलीय व्यवस्था का स्वरूप

[NATURE OF THE PARTY SYSTEM IN INDIA]

राजनीतिक दलों का अर्थ एवं परिभाषा; राजनीतिक दलों के लिए विशेषताएं अथवा तत्व; राजनीतिक दलों के आधार; राजनीतिक दलों के कार्य; राजनीतिक

दलों का विचारधाराजन्य रूप; एलेन बाल द्वारा राजनीतिक दलों का वर्गीकरण; भारत में दल व्यवस्था; भारत में दलीय व्यवस्था की विशेषताएं; भारत में राजनीतिक दलों की समस्याएं।

इकाई-27 भारत में प्रमुख राष्ट्रीय दलों की विचारधारा व कार्यक्रम [IDEOLOGY AND PRORAMME OF THE MAJOR NARIONAL PARTIES IN INDIA]

भारत में राजनीतिक दलों की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि; भारतीय राजनीतिक दलों का वर्गीकरण; एक दल प्रभुत्व तथा स्थायित्व; प्रमुख राष्ट्रीय राजनीतिक दल और उनके कार्यक्रम; कांग्रेस पार्टी : कांग्रेस (इ); भारतीय जनता पार्टी; बहुजन समाज पार्टी (बसपा); साम्यवादी दल; साम्यवादी दल (मार्क्सवादी)।

इकाई-28 भारत में क्षेत्रीय और राज्य स्तर की पार्टियां [REGIONAL AND STATE PARTIES IN INDIA]

क्षेत्रीय और राज्य स्तरीय दलों की विशेषताएं; राज्य स्तरीय दलों की सफलता का मूल आधारः शक्तिशाली नेतृत्व; केन्द्र-राज्य विवाद से ही राज्यस्तरीय दलों की स्थापना; राज्य स्तरीय दलों का औचित्य; भारत में प्रमुख राज्य स्तरीय दल; अन्य राज्यों के क्षेत्रीय और राज्य स्तर के दलों की परिदृश्य।

इकाई-29 भारतीय राजनीति में दबाव समूह [PRESSURE GROUPS IN INDIAN POLITICS]

दबाव समूह : अर्थ एवं परिभाषा; दबाव समूहों का महत्व; दबाव समूह एवं राजनीतिक दल; दबाव समूहों के तरीके; भारतीय राजनीति में दबाव समूह; दबाव समूहों के प्रकार; विदेशी लॉबीज की भूमिका; भारतीय दबाव समूहों की विशेषताएं; दबाव समूहों की आलोचना।

इकाई-30 जाति और भारतीय राजनीति [THE CASTE AND INDIAN POLITICS]

जाति का परम्परागत अर्थ एवं रूप; जाति का राजनीति से सम्पर्क सूत्र; जाति का राजनीतिक रूपः रजनी कोठारी का दृष्टिकोण; जाति एवं राजनीति : अनिल भट्ट के निष्कर्ष; जाति और राजनीति में अन्तःक्रिया : सैद्धान्तिक आधार; जाति के राजनीतिकरण की विशेषताएं; जाति के राजनीतिकरण का विवेचन भारतीय राजनीति में 'जाति' की भूमिका; जाति की भूमिका : वरदान या अभिशाप।

इकाई-31 भारतीय राजनीति में साम्प्रदायिकता और धर्म
[COMMUNALISM AND RELIGION IN INDIAN POLITICS]

साम्प्रदायिकता का अर्थ; भारतीय राजनीति में साम्प्रदायिकता का उदय; भारत में साम्प्रदायिक राजनीति का विकास; भारत में साम्प्रदायिकता का सैद्धान्तिक आमुख : प्रभा दीक्षित का दृष्टिकोण; साम्प्रदायिकता के दुष्परिणाम; धर्म और राजनीति में अन्तः क्रिया; साम्प्रदायिकता को दूर करने के सुझाव; धर्म की राजनीतिक भूमिका : निष्कर्ष।

इकाई-32 भारतीय राजनीति में क्षेत्रीयवाद : पंजाब और असम आन्दोलन के विशेष सन्दर्भ में
[REGIONALISM IN INDIAN POLITICS : WITH SPECIAL REFERENCE TO PUNJAB AND ASSAM MOVEMENT]

क्षेत्रीयतावाद का अर्थ; भारत में क्षेत्रीयतावाद : ऐतिहासिक विरासत; भारतीय राजनीति में क्षेत्रीयतावाद के कारण; भारतीय राजनीति में क्षेत्रीयतावाद : विश्लेषण; 1. क्षेत्रीयतावाद और पृथक् राज्यों की माँग; 2. क्षेत्रीयतावाद बनाम अन्तर्राज्यीय झगड़े; 3. क्षेत्रीयतावाद और स्वायत्तता की मांग; 4. क्षेत्रीयतावाद और केन्द्र-राज्य संघर्ष; 5. क्षेत्रीयतावाद के सन्दर्भ में उत्तर-दक्षिण की भावनाएं; 6. क्षेत्रीयतावाद के सन्दर्भ में भाषावाद; 7. क्षेत्रीयतावाद और भारतीय संघ से पृथक् होने की प्रवृत्ति; 8. क्षेत्रीयतावाद और क्षेत्रीय राजनीतिक दलों का अभ्युदय; पंजाब में क्षेत्रीय और साम्प्रदायिक आन्दोलन (1980-93) तथा आनन्दपुर साहिब प्रस्ताव; आसम आन्दोलन (1979-1985); बोडो समस्या का अन्त; भूमि-पुत्र की धारणा; क्षेत्रीयतावाद के दुष्परिणाम; क्षेत्रीयतावाद को रोकने के उपाय; क्षेत्रीयतावाद : आलोचनात्मक मूल्यांकन।

इकाई-33 भारतीय राजनीति में भाषा
[LANGUAGE IN INDIAN POLITICS]

भारत में राजनीति और भाषा : अन्त;क्रिया; निष्कर्ष।

इकाई-34 राज्य राजनीति में राज्यपाल की भूमिका
[THE ROLE OF GOVERNMENT IN STATE POLITICS]

राज्य की कार्यपालिका का वैधानिक प्रधान : राज्यपाल; नियुक्त राज्यपाल, निर्वाचित क्यों नहीं? राज्यपाल की नियुक्ति के सम्बन्ध में कुछ परम्पराएं; राज्यपाल की शक्तियाँ; राज्यपाल की स्थिति या भूमिका; राज्यपालों के लिए

निर्देश-पत्र; त्रिशंकु विधायिकाओं के सम्बन्ध में राज्यपाल सम्मेलन; राज्यपाल पद से सम्बन्धित कतिपय महत्वपूर्ण विवाद।

इकाई-35 राज्य-मन्त्रिपरिषद तथा राज्य राजनीति में मुख्यमंत्री [THE COUNCIL OF MINISTERS AND THE OFFICE OF THE CHIEF MINISTER IN STATE POLITICS]

राज्य-मन्त्रिपरिषद; राज्यपाल और मन्त्रिपरिषद; मन्त्रिपरिषद और विधानमण्डल; अल्पमत मन्त्रिमण्डल; संयुक्त मन्त्रिमण्डल या मिली-जुली गठबंधन सरकार; मुख्यमंत्री; नियुक्ति; चयन की राजनीति; कार्य एवं शक्तियाँ; मुख्यमन्त्री और मन्त्रिपरिषद; मुख्यमन्त्री और विधानमण्डल; मुख्यमन्त्री और राज्यपाल; मुख्यमन्त्री की वास्तविक स्थिति।

इकाई-36 राज्य-विधानमण्डल और उसकी कार्य-प्रणाली [STATE LEGISLATURE ANS ITS WORKING]

राज्य विधानसभा; विधान परिषद्; संगठन; विधानसभा का अध्यक्ष; शक्तियाँ एवं कार्य; विधानसभा और विधान परिषद् की शक्तियों की तुलना; राज्य विधानमण्डलों की शक्तियों पर प्रतिबन्ध; कानून निर्माण की प्रक्रिया; वित्त विधेयक; भारत में राज्य विधानसभाओं के विघटन की राजनीति; विधानसभाओं का विघटन, 1977, 1980, 1992; निष्कर्ष।

इकाई-37 भारत में राज्यों की राजनीति : पृष्ठभूमि एवं परिपार्श्व [STATE POLITICS IN INDIA : BACKGROUND AND PROFILE]

राज्यों का संघः देशी रियासतों का एकीकरण; रियासतों का भारत में विलय; राज्यों का पुनर्गठन; राज्य पुनर्गठन आयोग का गठन; राज्य तथा संघ राज्य क्षेत्रों के सम्बन्ध में सांविधानिक प्रावधान; भारतीय राज्यों का परिपार्श्व।

इकाई-38 राज्य राजनीति के अध्ययन का सैद्धान्तिक आधार [THEORETICAL FRAME WORK FOR THE STUDY OF STATE POLITICS]

उपागम और सिद्धान्त : अभिप्राय; राज्य राजनीति के प्रारम्भिक अध्ययन-अनुसंधान : दुर्बलताएं; राज्य राजनीति के सैद्धान्तिक आमुख की आवश्यकता; भारत में राज्य राजनीति : सैद्धान्तिक आमुख।

इकाई-39 राज्य राजनीति के सामाजिक-आर्थिक निर्धारक
[SOCIO-ECONOMIC DETERMINATS OF STATE POLITICS]

राज्य राजनीति का महत्व; राज्य राजनीति के निर्धारक तत्व।

इकाई-40 भारत में राज्यों की राजनीति : प्रकृति, प्रारूप एवं उभरती प्रवृत्तियां
[STATE POLITICS IN IDNIA : NATURE, PATTERNS AND EMERGING TRENDS]

राज्यों की राजनीति : प्रकृति अथवा लक्षण; राज्य राजनीति के विभिन्न प्रारूप और काल; राज्य राजनीति के उभरते प्रारूप; उत्तर प्रदेश की राज्य राजनीति : एक प्रारूप; भारत में राज्यों की राजनीति : उभरती प्रवृत्तियाँ।

इकाई-41 राष्ट्रीय राजनीति का राज्य राजनीति पर प्रभाव
[IMPACT OF NATIONAL POLITICS ON STATE POLITICS]

इकाई-42 विभिन्न राज्यों में मानव सूचकांक : एक तुलनात्मक दृष्टिकोण
[HUMAN DEVELOPMENT INDEX IN DIFFERENT STATE : A COMPARATIVE PERSPECTIVE]

क्षेत्रीय विकास असन्तुलन का मापन; भारत की पहली मानव विकास रिपोर्ट।

इकाई-43 भारत में पंचायती राज की राजनीति
[POLITICS OF PANCHAYATI RAJ IN INDIA]

भारत में पंचायती राज की भूमिका; बलवन्तराय मेहता समिति प्रतिवेदन; पंचायती राज का अशोक मेहता मॉडल; पंचायती राज : उतार-चढ़ाव; पंचायती राज का नया प्रतिमान : 73वां संविधान संशोधन; पंचायती राज संस्थाओं के चुनावों में मतदाताओं का दृष्टिकोण; पंचायती राज की उपलब्धियां एवं समस्याएं; पंचायती राज की राजनीति।

इकाई-44 भारत में दल-बदल की राजनीति
[DEFECTION – POLITICS IN INDIA]

राजनीतिक दल-बदल की परिभाषा; दल-बदल : ऐतिहासिक पृष्ठभूमि; चतुर्थ आम चुनाव और दल-बदल; पाचवं, छठे, और सातवें आम चुनावों के बाद राजनीतिक दल-बदल, दल-बदल की राजनीति का विश्लेषण; दल-बदल के कारण; दल-बदल और उसके राजनीतिक परिणाम; दल-बदल रोकने के उपाय;

जनता पार्टी सरकार के प्रयत्न; दल-बदल रोकने हेतु 25वां संविधान संशोधन अधिनियम; 91वां संवैधानिक संशोधन, 2003 और दल-बदल।

इकाई-45 भारत में मिलीजुली सरकारों का राजनीति [POLITICS OF COLATION GOVERNMENTS IN INDIA]

संसदीय व्यवस्था : एकदलीय सरकार और मिलीजुली सरकार; मिलीजुली सरकारों के लक्षण; मिलीजुली सरकारों या संयुक्त सरकारों के विभिन्न प्रतिमान; अन्य देशों में मिलीजुली सरकारें; भारतीय राजनीति और मिलीजुली सरकारें राज्यों के स्तर पर मिलीजुली सरकारें : विभिन्न काल राज्य स्तर की मिलीजुली सरकारों की विशेषताएं और राजनीतिक व्यवस्था पर इन सरकारों का प्रभाव; केन्द्र में मिलीजुली सरकारें; डॉ0 मनमोहन सिंह के नेतृत्व में गठबन्धन सरकार (22मई, 2004 से); मिलीजुली सरकारें : सुझाव और निष्कर्ष; गठबन्धन सरकारों की भूमिकाः विश्लेषण।

इकाई-46 भारत में चुनावी राजनीति और मतदान व्यवहार : 1952-2004 [ELECTORAL POLITICS AND VOTING BEHAVJOUR IN INDIA : 1952-2004]

चुनावों का महत्व और राजनीतिकरण की प्रक्रिया; भारत में चुनावी राजनीति का एक अध्ययन; प्रथम आम चुनाव; द्वितीय आम चुनाव; तृतीय आम चुनाव; चतुर्थ आम चुनाव; चतुर्थ आम चुनाव में कांग्रेस की असफलता के कारण; राष्ट्रीय कांग्रेस का विभाजन और लोकसभा के मध्यावधि चुनाव; 1971 के चुनाव के बाद लोकसभा में राजनीतिक दलों की स्थितिः छठी लोकसभा के चुनाव; कांग्रेस की पराजय के लिए उत्तरदायी तत्व; सातवीं लोकसभा के चुनाव; इन्दिरा कांग्रेस की विजय और जनता पार्टी की पराजय के कारण; आठवीं लोकसभा के चुनाव; इन्दिरा कांग्रेस की भारी विजय के कारण; नौवीं लोकसभा के चुनाव; दसवीं लोकसभा के चुनाव 11वीं लोकसभा के चुनाव; 12वीं लोकसभा के चुनाव; 13वीं लोकसभा के चुनाव; 14वीं लोकसभा के चुनाव; मतदान व्यवहार :समीक्षा; मतदान व्यवहार के अध्ययन में कठिनाइयां; मतदान व्यवहार को प्रभावित करने वाले तत्व; भारतीय मतदाता की जागरूकता।

इकाई-47 14वीं लोकसभा के चुनाव : जनादेश, 2004 [ELECTION FOR 14th LOK SABHA : MANDATE, 2004]

14वीं लोकसभा के चुनाव : परिपार्श्व : जनादेश, 2004; तथ्यों का विश्लेषण; प्रमुख लक्षण; जनादेश, 2004 प्रवृत्तियां।

इकाई-48 भारत में चुनाव सुधार : कतिपय सुझाव

[ELECTORAL REFORMS IN INDIA : SUGGESTIONS]

तारकुंडे समति की सिफारिशें; लोक प्रतिनिधित्व (संशोधन) अधिनियम, 1996 द्वारा अधिनियम किए गए चुनावी सुधारों पर प्रस्ताव; चुनाव सुधारों पर अतिरिक्त प्रस्तावों का सार; चुनाव सुधार हेतु निर्वाचन आयोग का दृष्टिकोण जिन पर राजनीतिक दलों के साथ चर्चा जारी।

इकाई-49 भारत में निर्वाचन आयोग : संगठन, कार्य एवं भूमिका

[THE ELECTION COMMISSION IN INDIA : ORGANIZATION, FUNCTIONS AND ROLE]

भारत में निर्वाचन आयोग : संरचना एवं संगठन; बहुसदस्यीय निर्वाचन आयोग; चुनाव आयोग के कार्य; क्या निर्वाचन आयोग एक निष्पक्ष और स्वतन्त्र संस्था है? निर्वाचन आयोग : आलोचना टी. एन. शेषन की विवादास्पद भूमिका; निर्वाचन आयोग के पुनर्गठन हेतु सुझाव; निर्वाचन आयोग की निष्पक्षता?

इकाई-50 भारत में अल्पसंख्यकों, अनुसूचित जातियों एवं अन्य पिछड़े वर्गो की राजनीति

[POLITICS OF MINORITIES, SCHEDULES CASTES AND OTHER BACKWARD CASTES]

अल्पसंख्यकों की राजनीति; अल्पसंख्यकों से अभिप्राय; अल्पसंख्यकों का कल्याण; भारत में अल्पसंख्यकों की श्रेणियां; भारत में धर्म पर आधारित अल्पसंख्यक; मुस्लिम अल्पसंख्यक; ईसाई अल्प संख्यक; सिख अल्पसंख्यक; भारत में भाषा पर आधारित अल्पसंख्यक; भारत में अनुसूचित जाति एवं जनजातियों की राजनीति; पिछड़े वर्गों, अनुसूचित जातियों एवं जनजातियों की पहचान; अनुसूचित जातियों एवं जनजातियों के लिए आरक्षण एवं सुविधाएं; पिछड़ी जाति आयोग : मण्डल आयोग की रिपोर्ट पर विवाद; आरक्षण की राजनीति; अनुसूचित जातियों की राजनीतिक भूमिका।

इकाई-51 भारत में हिंसा एवं आतंकवाद की राजनीति

[POLITICS OF VIOLENCE AND TERRORISM]

आन्दोलन की राजनीति से अभिप्राय; भारत में आन्दोलन की राजनीति; वामपंथी उग्रवाद : सेना संघर्ष; आन्दोलन के कारण; भारत में आन्दोलनों का विशेषताएं; आन्दोलन के परिणाम और उनको समाप्त करने के उपाय; भारत में आतंकवाद; जम्मू-कश्मीर राज्य में आतंकवाद; भारत में आतंकवाद की रोकथाम हेतु किए गए उपाय; आतंकवाद की समाप्ति या आतंकवाद को नियंत्रित करने के उपाय।

इकाई-52 भारतीय राजनीति : भाषा और शैली
[INDIAN POLITICS : IDIOMS AND STYLE]

भारतीय राजनीति की शैली : मॉरिस जोन्स मॉडल; मॉरिस जोन्स के विचारों का आलोचनात्मक मूल्यांकन; भारतीय राजनीतिक की शैलीगत विशेषताएं।

इकाई-53 भारतीय राजनीति में आधुनिकता और परम्परा
[INDIAN POLITICS : MODERNITY AND TRADITION]

परम्परावादी राजनीतिक व्यवस्था के लक्षण; भारतीय राजनीतिक व्यवस्था में परम्परावादिता के तत्व; आधुनिक राजनीतिक व्यवस्था के लक्षण; भारतीय राजनीतिक व्यवस्था में आधुनिकता के तत्व; भारत का राजनीतिक आधुनिकीकरण; ऐतिहासिक विकास; निष्कर्ष।

इकाई-54 भारत की राजनीतिक संस्कृति
[POLITICAL CULTURE OF INDIA]

राजनीतिक संस्कृति के अभिप्राय; भारत की राजनीतिक संस्कृति; अभिप्राय; भारत की राजनीतिक संस्कृति के आधार; मायरन वीनर के विचार : भारत की राजनीतिक संस्कृति : विशेषताएं।

इकाई-55 लोकतन्त्र और राष्ट्रीय एकीकरण
[DEMOCRACY AND NATIONAL INTEGRATION]

राष्ट्रीय एकता के मार्ग में बाधाएं; राष्ट्रीय एकता की रुकावटों का निराकरण; आर्थिक विकास और एकता; राष्ट्रीय एकीकरण की दिशा में किए गए प्रयत्न।

इकाई-56 राजनीति का अपराधीकरण
[CRIMINALISATION OF POLITICS]

राजनीति के अपराधीकरण का आशय; राजनीति का अपराधीकरण : उदय और निरन्तर बढ़ते हुए दुष्टक्र के कारण; राजनीति का अपराधीकरण : बढ़ते हुए चरण और वर्तमान स्थिति; राजनीति के अपराधीकरण के दुष्परिणाम; राजनीति का अपराधीकरण : स्थिति में सुधार हेतु उपाय।

इकाई-57 भारत में पुलिस प्रशासन : कानून और व्यवस्था के सन्दर्भ में
[POLITICAL ADMINISTRATION IN INDIA : IN THE CONTEXT OF LAW AND ORDER]

भारत में पुलिस प्रशासन में केन्द्रीय सरकार की भूमिका; राज्यों में पुलिस

प्रशासन; जिला पुलिस प्रशासन; भारतीय पुलिस व्यवस्था; चारित्रिक विशेषताएं; भारतीय पुलिस : विकास की दुविधाएं; भारत में पुलिस की बदलती हुई भूमिका : सुधार और प्रतिबद्धता; कानून और व्यवस्था की अभिधारणाओं से तात्पर्य; कानून और व्यवस्था की बिगड़ती स्थिति : आंकड़ों के सन्दर्भ में; कानून – व्यवस्था की स्तिति बिगड़ने के कारण; कानून-व्यवस्था प्रशासन में सुधार : कतिप सुझाव; निष्कर्ष।

इकाई-58 भारत में लोकतन्त्र : सबल और दुर्बल पक्ष [INDIA'S DEMOCRACY : THE STRONG AND THE WEAK POINTS]

भारत में लोकतन्त्र; भारत में संसदीय लोकतन्त्र की दुर्बलताएं; भारतीय लोकतन्त्र के सबल तत्व; संसदीय लोकतन्त्र को सुदृढ़ बनाने हेतु सुझाव; भारत में लोकतन्त्र का भविष्य।

इकाई-59 भारत में संसदीय लोकतन्त्र का विकल्प : अध्यक्षीय लोकतन्त्र का मॉडल [ALTERNATIVE OF PARLIAMENTARY DEMOCRACY IN INDIA : THE CASE FOR PRESIDENTIAL DEMOCRACY]

भारत में संसदीय शासन-प्रणाली : औचित्य भारत में संसदीय व्यवस्था का क्रियान्वयन; अनुभवात्मक त्रुटियां; भारत के लिए वैकल्पिक ढांचे की तलाश : प्रोफेसर वी. आर. मेहता के विचार; भारत के लिए अध्यक्षात्मक व्यवस्था का प्रतिमान : विकल्प; शासन में अमरीकी व फ्रेंच (मॉडल); भारत के लिए फ्रेंच मॉडल की उपयुक्तता; राष्ट्रपति प्रणाली भारत के लिए विकल्प नहीं हो सकती; भारत में संसदीय प्रणाली की क्षमताएं।

इकाई-60 भारतीय संविधान की कार्यप्रणाली की समीक्षा [REVIEW OF THE WORKING OF THE INDIAN CONSTITUTION]

आयोग के गठन का उद्देश्य; संविधान समीक्षा आयोग का प्रतिवेदनः प्रमुख सिफारिशें; उच्च पदों पर नियुक्तियाँ; भटकाव के संकेत।

MAPS-12

अन्तर्राष्ट्रीय संगठन

इकाई- 1 अन्तर्राष्ट्रीय संगठन : विषय प्रवेश

अन्तर्राष्ट्रीय संगठन का अर्थ, अन्तर्राष्ट्रीय संगठन की आवश्यकता, अन्तर्राष्ट्रीय संगठन के विकास में सहायक तत्व, अन्तर्राष्ट्रीय संगठन के उद्देश्य, अन्तर्राष्ट्रीय संगठन के आधार, अन्तर्राष्ट्रीय संगठन के विकास की पूर्वापेक्षायें।

इकाई- 2 अन्तर्राष्ट्रीय संगठन : परिभाषा एवं प्रकृति

अन्तर्राष्ट्रीय संगठन की परिभाषा, अन्तर्राष्ट्रीय संगठन की विशेषताएं, अन्तर्राष्ट्रीय संगठन का वर्गीकरण, अन्तर्राष्ट्रीय संगठन की प्रकृति, अन्तर्राष्ट्रीय संगठन का समकालीन अध्ययन।

इकाई- 3 अन्तर्राष्ट्रीय संगठन का विकास

अन्तर्राष्ट्रीय संगठन का सैद्धान्तिक विकास – शान्ति योजनाएँ, अन्तर्राष्ट्रीय संगठन का सांस्थानिक विकास-प्रारम्भिक युग से 1815 तक, 1815 से 1920 तक- कंसर्ट ऑफ यूरोप, हेग सम्मेलन, अन्तर्राष्ट्रीय प्रशासकीय संघ।

इकाई- 4 राष्ट्र संघ की स्थापना

राष्ट्र संघ के विचार का जन्म और विकास, शान्ति योजनायें, पेरिस शान्ति सम्मेलन, राष्ट्र संघ की स्थापना, राष्ट्र संघ की प्रकृति, राष्ट्रसंघ की संविदा, राष्ट्र संघ की सदस्यता।

इकाई- 5 राष्ट्र संघ का संगठन : सभा

सभा की संरचना, बैठक, मतदान प्रणाली, समितियाँ, सभा के कार्य एवं शक्तियाँ, सभा की भूमिका।

इकाई- 6 राष्ट्र संघ की परिषद

संरचना, अधिवेशन, मतदान, कार्य एवं शक्तियाँ, भूमिका।

इकाई- 7 राष्ट्र संघ का सचिवालय

सचिवालय का संगठन, सचिवालय के कार्य, महासचिव के कार्य एवं भूमिका।

इकाई- 8 स्थायी अन्तर्राष्ट्रीय न्यायालय

न्यायालय की स्थापना, न्यायालय की संरचना, न्यायालय के कार्य, न्यायालय का क्षेत्राधिकार, न्यायालय का मूल्यांकन।

इकाई-9 मैंडेट व्यवस्था

मैंडेट व्यवस्था का प्रयोजन, मैंडेट व्यवस्था का सिद्धान्त, मैंडेट प्रदेशों का वर्गीकरण, मैंडेट प्रदेशों पर राष्ट्र संघ का नियन्त्रण, स्थायी मैंडेट आयोग, मैंडेट व्यवस्था का मूल्यांकन।

इकाई-10 राष्ट्र संघ के अन्तर्गत अन्तर्राष्ट्रीय विवादों का शांतिपूर्ण समाधान

अन्तर्राष्ट्रीय विवादों के शान्तिपूर्ण समाधान का अर्थ एवं प्रयोजन, अन्तर्राष्ट्रीय विवादों के प्रकार, विवादों के समाधान के प्रकार, विवादों के शान्तिपूर्ण समाधान के साधन, राष्ट्र संघ संविदा में शान्तिपूर्ण समाधान की व्यवस्था, व्यवस्था का मूल्यांकन।

इकाई-11 राष्ट्र संघ के अन्तर्गत प्रवर्तन कार्यवाही अथवा सामूहिक सुरक्षा व्यवस्था

प्रवर्तन कार्यवाही का अर्थ एवं प्रयोजन, सामूहिक सुरक्षा का सिद्धान्त, राष्ट्र संघ संविदा में प्रवर्तन कार्यवाही की व्यवस्था, व्यवस्था का मूल्यांकन, संविदा के शान्तिपूर्ण समाधान एवं सामूहिक सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने हेतु अन्य महत्वपूर्ण प्रयास।

इकाई-12 राष्ट्र संघ के कार्यों का मूल्यांकन

राष्ट्र संघ की उपलब्धियाँ एवं असफलतायें, राष्ट्र संघ की असफलता के कारण- सांविधानिक दोष, संगठन सम्बन्धी दोष, सदस्यों का दोष, निष्कर्ष।

इकाई-13 संयुक्त राष्ट्र की स्थापना

संयुक्त राष्ट्र के विचार का जन्म और विकास, युद्धोत्तर अन्तर्राष्ट्रीय संगठन के सम्बन्ध में सरकारी घोषणायें व सम्मेलन – लंदन की घोषणा, अटलांटिक चार्टर, संयुक्त राष्ट्र घोषणा, मास्को घोषणा, तेरहान सम्मेलन, डम्बार्टन-ओक्स सम्मेलन, याल्टा सम्मेलन, सेनफ्रांसिस्को सम्मेलन, संयुक्त राष्ट्र की स्थापना।

इकाई-14 संयुक्त राष्ट्र का चार्टर

प्रस्तावना, संयुक्त राष्ट्र के उद्देश्य, संयुक्त राष्ट्र के सिद्धान्त, राष्ट्रसंघ तथा संयुक्त राष्ट्र समानतायें एवं असमानतायें।

इकाई-15 संयुक्त राष्ट्र में सदस्यता की समस्या

सदस्यता, सदस्यता के प्रकार, सदस्यता की शर्तें, सदस्यता की समस्या, साम्यवादी चीन के प्रतिनिधित्व की समस्या, विभाजित राज्यों की समस्या, सदस्यता का निलम्बन एवं परित्याग, सदस्यों का निष्कासन।

इकाई-16 संयुक्त राष्ट्र के प्रधान अंग : महासभा

महासभा का अर्थ एवं प्रयोजन, संरचना, अधिवेशन, समितियाँ, मतदान

प्रणाली, महासभा में गुटीय क्रियाकलाप, कार्य एवं शक्तियाँ, महासभा की बदलती भूमिका, मूल्यांकन।

इकाई-17 सुरक्षा परिषद

संरचना, बैठक, समितियाँ व सहायक अंग, मतदान प्रणाली, निषेधाधिकार (वीटो) की समस्या, वीटों प्रयोग का बदलता प्रतिमान, सुरक्षा परिषद के कार्य एवं शक्तियाँ, कार्यों का मूल्यांकन, सुरक्षा परिषद शीत युद्ध के पश्चात्।

इकाई-18 आर्थिक एवं सामाजिक परिषद

संरचना, मतदान प्रणाली, सहायक अंग, परिषद के कार्य एवं शक्तियां, कार्यों का मूल्यांकन।

इकाई-19 अन्तर्राष्ट्रीय न्यायालय

संरचना, न्यायधीशों की योग्यता, कार्यावधि एवं निर्वाचन, न्यायालय के कार्य : न्यायिक एवं परामर्शात्मक कार्य, न्यायालय का क्षेत्राधिकार : एच्छिक व वैकल्पिक अनिवार्य क्षेत्राधिकार, न्यायिक निर्णयों को लागू करने की व्यवस्था, न्यायालय द्वारा निर्णीत महत्वपूर्ण विवाद, मूल्यांकन।

इकाई-20 सचिवालय

सचिवालय का संगठन, कर्मचारियों का चयन, सचिवालय का स्वतन्त्र व अन्तर्राष्ट्रीय स्वरूप, सचिवालय के कार्य, महासचिव की नियुक्ति, कार्यकाल, कार्य एवं शक्तियाँ, महासचिव पद को शक्तिशाली बनाने वाले कारक, शीत युद्धोत्तर काल में महासचिव की भूमिका।

इकाई-21 न्यास परिषद

न्यास सिद्धान्त एवं न्यास व्यवस्था के प्रदेश, न्यास समझौते, न्यास परिषदः संरचना, मतदान प्रणाली, कार्य एवं शक्तियाँ, मूल्यांकन, अस्वशासित प्रदेशों के सम्बन्ध में संयुक्त राष्ट्र की व्यवस्था।

इकाई-22 विशिष्ट अभिकरण

विशिष्ट अभिकरण का अर्थ एवं प्रयोजन, सामान्य लक्षण, वर्गीकरण, अन्तर्राष्ट्रीय श्रम संगठन, अन्तर्राष्ट्रीय दूर संचार संघ, अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष, अन्तर्राष्ट्रीय पुनर्निर्माण तथा विकास बैंक (विश्व बैंक), अन्तर्राष्ट्रीय नागरिक विमानन संगठन, अन्तर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा अभिकरण, खाद्य एवं कृषि संगठन, संयुक्त राष्ट्र शिक्षा, विज्ञान तथा संस्कृति सम्बन्धी संगठन (यूनेस्को) संर्वदेशीय डाक संघ, विश्व मौसम विज्ञान सम्बन्धी संगठन, विश्व स्वास्थ्य संगठन।

इकाई-23 संयुक्त राष्ट्र और निरस्त्रीकरण

निरस्त्रीकरण का उद्देश्य, इतिहास, चार्टर में निरस्त्रीकरण सम्बन्धी व्यवस्था, संयुक्त राष्ट्र द्वारा पारित शस्त्र परिसीमन और निरस्त्रीकरण समझौते, शस्त्र नियंत्रण एवं निरस्त्रीकरण पर महाशक्तियों के मध्य सम्पन्न प्रमुख द्विपक्षीय समझौते, बहुपक्षीय समझौते, निरस्त्रीकरण के क्षेत्र में संयुक्त राष्ट्र की भूमिका, मूल्यांकन।

इकाई-24 संयुक्त राष्ट्र के अन्तर्गत अन्तर्राष्ट्रीय विवादों का शान्तिपूर्ण समाधान

शान्ति समाधान की प्रक्रियायें, शान्ति समाधान में सुरक्षा परिषद, महासभा एवं अन्तर्राष्ट्रीय न्यायालय की भूमिका, मूल्यांकन।

इकाई-25 संयुक्त राष्ट्र के अन्तर्गत प्रवर्तन कार्यवाही

प्रवर्तन कार्यवाही का अर्थ एवं उद्देश्य, चार्टर में प्रवर्तन कार्यवाही सम्बन्धी प्रमुख प्रावधान आक्रमण व आक्रमणकारी राज्य व निर्धारण, शान्ति स्थापना के प्राविधिक उपाय, आर्थिक दण्ड व्यवस्था, सैनिक दण्ड व्यवस्था, संयुक्त राष्ट्र की प्रवर्तन कार्यवाही अथवा सामूहिक सुरक्षा व्यवस्था का मूल्यांकन।

इकाई-26 संयुक्त राष्ट्र शान्ति परिरक्षा अथवा 'यू.एन. पीस कीपिंग'

शान्ति परिरक्षा का अर्थ एवं उद्देश्य, शान्ति सेनाओं का गठन, पारम्परिक शान्ति सेनायें, शान्ति सेनाओं की दूसरी पीढ़ी, शीत युद्धोत्तर काल में शान्ति सेनायें।

इकाई-27 संयुक्त राष्ट्र एवं अन्तर्राष्ट्रीय विधि

अन्तर्राष्ट्रीय संगठन एवं अन्तर्राष्ट्रीय विधि, अन्तर्राष्ट्रीय विधि के विकास में संयुक्त राष्ट्र का योगदान, मूल्यांकन।

इकाई-28 संयुक्त राष्ट्र और मानव अधिकार

मानव अधिकार, चार्टर की व्यवस्था, मानव अधिकारों का अन्तर्राष्ट्रीय बिल, मानव अधिकार सम्बन्धी समझौते, मानव अधिकार के क्षेत्र में संयुक्त राष्ट्र के क्रियाकलापों का मूल्यांकन।

इकाई-29 संयुक्त राष्ट्र चार्टर में संशोधन की समस्या एवं सम्भावना

औपचारिक संशोधन प्रक्रिया, संयुक्त राष्ट्र व्यवस्था में अनौपचारिक परिवर्तन, संयुक्त राष्ट्र में सुधार प्रस्ताव।

इकाई-30 संयुक्त राष्ट्र : एक आलोचनात्मक मूल्यांकन

संयुक्त राष्ट्र की उपलब्धियाँ – राजनीतिक विवादों का समाधान, युद्धों की रोकथाम, उपनिवेशवाद का उन्मूलन, मानवाधिकारों को प्रोत्साहन, संयुक्त राष्ट्र के सीमाबन्ध, संयुक्त राष्ट्र : शीत युद्ध के पश्चात, निष्कर्ष।

इकाई-31 क्षेत्रीय संगठन

क्षेत्र, क्षेत्रवाद एवं क्षेत्रीय संगठनों का वर्गीकरण-क्षेत्रीय प्रतिरक्षा संगठन, क्षेत्रीय आर्थिक संगठन एवं बहुद्देशीय क्षेत्रीय संगठन, क्षेत्रीयतावाद एवं सार्वभौमवाद, क्षेत्रीय संगठनों का इतिहास, संयुक्त राष्ट्र और क्षेत्रीय संगठन, प्रमुख क्षेत्रीय संगठनों – नाटो एवं यूरोपीय संघ का मूल्यांकन।

इकाई-32 दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संघ (दक्षेस)

दक्षिण एशिया, दक्षिण एशिया में क्षेत्रीय सहयोग, 'दक्षेश' के उद्देश्य, सिद्धांत, संरचना, शिखर सम्मेलन, गतिविधियाँ एवं उपलब्धियाँ, मूल्यांकन।

इकाई-33 विश्व व्यापार संगठन

'गैट', 'गैट' एवं विश्व व्यापार संगठन में अन्तर, विश्व व्यापार संगठन के उद्देश्य, कार्य, संरचना, मन्त्रिस्तरीय सम्मेलन, मूल्यांकन।

PGSTAT-01

Mathematical Analysis

Unit-1 Integral as a function of a parameter. Differentiation within sign of integration. Fourier series, Functions of bounded variation. Absolutely continuous functions. Riemann Satieties integral Basic theorems.

Unit-2 Metric spaces, Open and closed sets, Convergence of Sequences. Completeness of R^n . Baire's theorem, Contor's ternary set as example of a perfect set which is new here dense.

Unit-3 Continuous and uniform continuity of a function from a Metric space to a Metric space. Compact spaces and compact sets. Continuity and compactness.

PGSTAT-02

Probability and Distribution

Unit-1 Probability space of a random experiment, probability measures, random variable as a measurable function, -field induced by a sequence of random variables, decomposition of distribution functions in purely discrete, absolutely continuous and singular components.

Unit-2 C_1 – inequality, Cauchy-Sehwart/inequality. Holder inequality. Minkowski inequality. Jensen inequality. 1 yapunas inequality. Kolmogorov inequality. Hajek-Renyki inequality. Sequence of distribution functions. Helly Bray theorem.

Unit-3 Different types of convergence of sequence of random variables, distribution function of random vectors. Weak and strong law of large numbers. Klinnchin. Borel and Kolmopomy theorems. Borel Cantelli lemmas and Zero-one Law.

Unit -4 Characteristic function, inversion theorem, Continuity theorem, One dimensional central limit problem : Lindeberg-levy. Lyapunov. Lindeberg-levyapunov. Lindeberg-Feller theorems.

PGSTAT-03

Statistical Inference

Unit-1 Estimation : Sufficiency, Completeness, Rao-Blackwell theorem,

Lehman Scheffe theorem, Cramer-Rao inequality, minimal sufficiency. Completeness Bounded complelteness, Aneittary statistics.

Unit -2 Basu's theorem onindepenence of Statistics, Exponential family. Bhattacharya bound. Chapman Robbins and Kiefer (CRK) bound. Maximum likelihoodestimation. Zehna theorem for invariance, Cramer theorem for weak consistency, asymptotic normality.

Unit -3 BAN and CAN estimators, asymptotic efficiency, relation between confidence estimation and hypotesis testing. Generalized Neyman Pearson lemma, UMP tests for distributions with MPR. I.R. tests and their properties. UMPU tests, similar regions, Neyman structure, Invariant tests.

PGSTAT-04
Linear Models and Design f Experiments

Unit-1 Linear Estimation – estimable functions, estimation and error space. Best linear unbiased estimate (BLUE). Markos theorem, distribution of quadratic form, Estimable linear hypothesis, generalized F and t tests.

Unit -2 Analysis of Variance Two-way classification with equal number of observations per cell and Tukey's test, general two way classification. Analysis of covariance, 2^n, 3^2 and 3^3 factorial experiments, complete and partial confounding.

Unit -3 Balanced Incomplete Block Design (BIBD). Construction of BIBD, intra block and inter block analysis, split plot design.

PGSTAT-05
Survey Sampling

Unit-1 Sampling theory : stratified sampling, post-stratification and deep stratification, methods of allocation.

Unit -2 Ratio and regression estimators, double sampling in ratio and regression estimation, cluster sampling with equal cluster sampling with equal clusters, two stage and multi stage and multi-stage sampling, non-sampling errors.

Unit -3 Varying probability sampling with and without replacement, cumulative total and Lahiri's methods of selection. Estimation of population mean. Desraj ordered estimates. Horwi tz-thempson estimator. Midzuno and Narain system of sampling.

PGSTAT-08
Stochastic Process

Unit-1 Two state Markov sequences, Markov chains, determination of n-stop transition probabilities. Chapman Kolmogorove equations, first return and first passage probabilities.

Unit -2 Classification of states, communicating states, periodicity, stationary probability distributions and limit theorems for ergodic chains, continuous time.

Unit -3 Markov processes Poisson (point) process, birth and deth processes, random walk and gambler's problems.

PGSTAT-09
Decision Theory

Unit-1 Decision theoretic problem as a game, basic elements, optimal decision rules, unbiasedness, invariance, ordering. Bayes and minimax principles, generalized Bayes roles, extended Bayes roles.

Unit -2 Admissibility, completeness, minimal complete class, separating and supporting hyperplane theorems, minimax theorem, complete class theorem, equatizer roles, examples, multiple decision problems.

PGSTAT-10
Multivariate Analysis

Unit-1 Multivariate normal distribution Characteristic function, Maximum likelihood estimators of the mean vector and covariance matrix.

Unit -2 Multiple and partial correlation coefficients and their null sampling distributions. Wishart distribution, Hoffeling's 1^2 Mahalanobis D^2 and their applications, Discriminant analysis.

PGSTAT - 07 (P)

Practicals based on PGSTAT - 03, 04 & 05

PGSTAT-11
Nonparametric

Unit-1 Order statistics, Distribution of maximum, minimum and r-th order statistic, joint distribution of r-th and s-th order statistic, distribution of range, confidence intervals for quantiles.

Unit -2 Determine limits, sign test, Wilcoxon test, Median test, Run test, one sample and two sample location tests.

Unit -3 Application of U-statistic to rank tests, One sample and two sample reintegers Simirons tests Run tests, Pitman ARE.

PGSTAT-12
Econometries

Unit-1 Linear regression model assumptions, estimation of parameters by least squares and maximum likelihood methods, tests of hypothesis and confidence estimation for regression coefficient.

Unit -2 R^2 and adjusted R^2. point and interval redictors, use of dummy variables, estimation of parameters by generalized least squares in models with non spherical disturbances.

Unit -3 Seemingly unrelated regression equation (SURE) model and its estimation, simultaneous equations model, concept of structural and reduced forms, problem of identification, rank and order conditions of identifiability, indirect least squares two stage least square.

PGSTAT-13
Demography

F. Ram & K. B. Pathak : Technique, of Demographic analysis.

PGSTAT-04
Practical Based on 10, 11, 12 and 13.

PGBCH-04

Semester –II

Nutrition and Physiology

1. **Basic Concepts -** Function of nutrients, Measurement of caloric value of food. Basal metabolic rate (BMR); factors affecting BMR. Recommended dietary allowances.
2. **Elements of Nutrition –** Dietary requirements of carbohydrates, lipids and proteins. Concepts of protein quality. Essential amino acids, essential fatty acids and their physiological functions.
3. **Vitamins and Minerals –** Dietary sources, biochemical functions, requirements and deficiency diseases associated with vitamin B complex.
4. **Introduction to Physiology. Blood –** Composition and functions of plasma, erythrocytes, Leucocytes and thrombocytes. Blood coagulation.
5. **Digestive system –** Compositions, functions and regulation of saliva, gastric, pancreatic, intestinal and bile secretions.
6. **Respiration -** Air passages and lung structure, work of breathing and its regulations.

PGBCH-05

Bioenergetics and Metabolism

1. **Bioenergetics –** General concepts, Biological oxidation – reduction reactions, redox potentials, High energy phosphate compounds – ATP, Phosphate group transfer.
2. **Coenxymes and Cofactors –** Types and functions of NAD^+, FAD, Pyridoxal phosphate and B_{12} coenzymes.
3. **Carbohydrate Metabolism –** Glycolysis, Fermentation, TCA cycle, electron transport chain, oxidative phsophorhlation, gluconeogenesis, Energetics and regulation of metabolic cycles.
4. **Amino acids –** Types and classification, General reactions of amino acids metabolism, transamination, decarboxylation,

deamination. Special metabolism of methionine, tryptophan and leucine.

5. **Urea Cycle –** Metabolism and regulation.

PGBCH-06

Semester –II

Practicals based on PCBCH 04 and PCBCH-05

1. Tests for amino acids
2. Separation and identification for amino acids by paper chromatography.
3. Ascorbic acid (Vitamin C) Measurement by titrimetric method using dye DCPIP.
4. Microscopic study of blood cells.
5. Urea estimation of biological samples by colorimetic method

Semester III

PCBCH – 07 Microbiology and Immunology

PCBCH – 08 Enzymology and Enzyme Technology

PCBCH – 09 Practical based on PCBCH-07 and PCBHC-08

Semester IV

PCBCH – 10 Basic Biotechnology

PCBCH – 11 Industrial Biochemistry

PCBCH – 12 Practical based on PCBCH-10 and PCBCH-11

PGD-ESD

POST GRADUATE DIPLOMA IN ENVIRONMENT AND SUSTAINABLE DEVELOPMENT

PGD-ESD – 01

Integrated Environmental Management : Rural and Urban

Block-01 : Evolving Concepts and Principles.

Unit-01:

Integrated Environmental Management, Sustainable Development, Principles for Sustainable Development Pathways to Substainability , Approaches to Sustainable Development, Considering social, Economic and human capital for sustainable development.

Unit -02: Integrating Environemnt in to Rural Development -

Rural Development, Paradigms of Rural Development, Managing Common Goods, Policies and Planning for rural diversification, Managing Health and Environment, Management of Drinking Water and Sanitation, Education, Land Holding and Tenure.

Unit -03: Integrating Environment into Urban Development-

City life, The city as a System, Site and Location, city Planning and the Environment, Pollution in the city, Bringing Nature to the city, Solid waste Management, Human Settlement – Slums, Security and shelters, Urban planning and the shelter sector, Development and Evictions, Transparency and Participation in Governance,

Unit -04: Environmental Management Systems-

Environmental Management System, Initial Environmental Examination/Review (IEE) Environmental Impact Assessment, Environmental Auditing (EA), ISO 14000, National Environmental Quality Standards.

Block -2 : Sectoral Approaches

Unit -05 Sustainable Agriculture-

Agriculture : Traditional to Modern Farming, Systems, Sustainable Agriculture : Philosophy, Basic Concepts, Goals, Elements and Practices,

Unit -06: Sustainable Forestry Management-

Forest Management, Productivity Management, Community Forestry, Farm Forestry, Logging and Forest Industries, Need for Sustainable Forest Management Policy, What need to be done, The Development Sustainable Forestry Context, South Asia.

Unit -07; Water Resource Management -

Coastal Resources, Wetland resources, Aquaculture Resources, Integrated Irrigation Management,

Unit -08: Industrial Waste Management-

Industrial Waste Management, Waste Management Policy at Enterprise Level, Motivation and Barriers,

Block -3: Dimensional Approaches

Unit -09: Economic Dimensions-

How resource can be used, Internalizing the Externalities, Discount Factor, Cost Benefit, analysis, cost Espectiveness Analysis, Market based incentives and disincentives.

Unit -10: Technological Dimensions

Technology and Environment, Perspectives, Relationship of Technology with socio-economic Factors, Environmental Technology, Role of Environmental Sociology, Cooperation between the Socio-environmental Sciences and Technology, Encouragement of Regional Level Development, Six perspectives: a response, the context, the conclusion.

Unit -11: Soco-Cultural Dimensions

Community, Participation and Community Mobilization, People's Involvement and Empowerment, Women

Development, Gender and Feminism, Involving male and female communities in integrated environmental management.

Unit -12: Ethical And Moral Dimensions

Ethical use of Natural Resources, Three views about Nature, Attitudes Towards Nature, Environmental Justice, Environmental Racism, Religious Teachings about Environment.

Block -4: Governance Approach

Unit -13: Legal Framework-

Constitutional provisions, Environmental Legislations, Environmental law, Environmental Regulations, Environmental Tribunals, Public interest litigations,

Unit -14: Policy Framework-

Policy Development or life cycle of Policy, Implementation stage, Policy instruments, Criteria for choosing instrument.

Unit -15: Institutional Framework-

Agenda 21, Role of institutions in Environemntal Management, Framework of Institutions Environmental Institutions of Pakistan.

Unit -16: Social Framework-

Role of Private Sector and Civil Societies in Environmentaal Management, How public could be engaged, How Individual can Make Difference, Environmental Education, Collective Actions.

PGD-ESD – 02

TOWARDS PARTICIPATORY MANAGEMENT

Block-01 : Genesis and Concepts Participatory Management

Unit-01: Introduction

Introduciton to the Basic concepts of Participatory Management and Development, Philosophy of the Participatory Approach, Participation as a Process of Consultation, Visual Tools and Materials Help Participatory Modes of Ineraction and Empowerment, Approaches and Methods for Participatory Management and Development, When Do You Use the Participatory Approach?, Participatory Rural Appraisal (Pra) as a Basic Tool for Participatory Management and Development, Application of the PRA Tools in the Development Projects, Constraints and Barriers of Participatory Management and Development.

Unit -02: Historical Perspective

Historical Perspective of the Participatory Management and Development, Background and Evolution of Participatory Development, History of Participatory Management and Development Approach in South Asia .(Pakistan, India and Bangladesh).

Unit -03: State Policies and Programmes

Introduction, Present Policies and Programmes of Pakistan, Paksitan's National Conservation Strategy, Elements of the National Conservation Strategy Objectives, Operating Principles and Instruments, Implementation, Arrangements, Action Agenda and Implementation Strategy , Elements of the General Organizational Model for NCS Implementation, Operating Principles, Co-operation with community organizations and NGOs, NCS core programmes and community organizations, Institutional Arrangements, structure of

Community Organisation and Support systems, Financial Arrangements, Lessons in Community Management.

Unit -04: Models of Participatory Management in South Asia

Why Models? Are Models Helpful or not?, Role of Participatory Management Models in Good Governance, Models of Participatory Management Approaches in South Asia.

Block -2: Approaches and Practices

Unit -05: Participatory Approaches to Environment and Development

Introduction, Participatory Approaches, Participatory Development, What has Gone Wrong? The Lesson in Clear, Principles for Participation, Constraints to Participation, Overcoming Constraints to Participation, Community Organization, Necessary Conditions for social Organization, Participatory Learning. Advantages of Organization, Disadvantages of NOT Norganizing, Functions of Organisations, Salient Features of an Exemplary Community Organization, Threats to Community Organization, Community Organization and Women, Significance of Particpatory Approaches in Empowering People for sustainable Development.

Unit -06: A Model of Urban Development: Orangi Pilot Project:

Background, About Orangi Area and People, Background of Orangi Pilot Project (Opp), Programs Details, Autonomous Institutions of OPP, About OPP staff, OPP Strategy, Finest Achievement of OPP.

Unit -07: Women's Participation in Community Decision Making

Introduction, Women in Development, Overall Approach, Programmes, Education and Communication; Women, Population and health, Women and Water, Five Needs which can Enhance Women's Participation in Community Decision Making, Role of women in NGOs for the Protection of Environment.

Unit -08: Practical Action

Introduction, The Challenge, Field Practice and Ethics, Practical Action, Reversals and Reality, Reversals in Learning, Putting the First last, so what? Start.

Block -3: Programmes and Services

Unit -09: Organizational Change for sustainable Development.

Introduction, The Creation of capacity for change, Contexts of change, Managing Organizational change, Leadership, Innovators and Organizational Culture, Process of Organizational change, case studies of Organizational change, working groups.

Unit -10: Women Participation in Development

Introduction, Linkages between Women and Environment, Women in Environment and Development, Role of Women in Development , Enhancing Women's Participation in Economic Development,

Unit -11: Youth Participation in Development

Background, Yough in Development work-History and Traditions, What is Youth in Development Work? Youth in Development Work as a Profession, Models and Approaches to Youth in Development work, Social Change in Youth in Development work, Applying Freire's ideas to Youth in Development work, What Concerns Young People? Opportunities for Young People, Youth --- Our goals in working with them, Youth as initiators, Youth as activists.

Unit -12: South Asia cooperative Environment Programme (SACEP).

Introduction, Aims, Functions, Organizational Arrangement of SACEP, Financial Arrangements, Programme and Activities.

Block -4: Participatory Resources Management

Unit -13: Participatory Forest Resource Management

What is forestry, What is Participatory?, What type of partnership? What are the orgin of Participatory Forestry?, The Decentralization Debate in the Forestry

Sector, The Development Sustainable Forestry Context : South Asia.

Unit -14: Participatory Management of Mountain Ecosystems

Introduciton, Fragility of Mountain Eco-systems, Ecological Role of Mountains; Soil, Vegetation and Agriculture, Biodiversity, Socio-Economic Considerations, Environmental Awareness, Legal and Institutional Mechanisms, Socio Economic Priorities, Sustainable Agriculture, Management of Biodiversity, Infrastructure Industry and Energy, Tourism and Urganization, Networking, Sustainable Mountain Development, the long Term Vision on sustainable Development of the Hindu Kush-Himalayas, High Priority Issues, Long-term Goals for sustainable Development of the HKH, The roles of Different Agencies and Institutions.

Unit -15: Participatory Coastal Resource Management

Introduction, Integrated Coastal Management – In Theory and in Practice, Integrated coastal Management a tool for sustainable Development, Defining the Coastal Zone, Essential Elements of Integrated Coastal Management, Putting Theory into Practice: Examination of Coastal Zone Planning in the Indus Delta, Pakistan; General Integrated Coastal Management Practice in South Asia Region, Integrated Coastal Management : South Asia.

Unit -16: Participatory Irrigation Management and Wetland Conservation

Introduction, Problems in Irrigation Management, The Participatory Approach, Irrigation and Poverty, Gender and Participatory Irrigation Management, Participation in the Irrigation Sector, Water Management , Wetland Resources, Integrated Wetland Management, Integrated Wetland and River Basin Management.

PGD-ESD – 03

AGRICULTURE AND ENVIRONMENT

Block-01 : Environment-Agriculture Relationship.

Unit-01: The Evolution of Agriculture

Agriculture in the Pre-Industrial Era, Agriculture in the Post-Industrial Era, Modern Agriculture,

Unit -02: Agro-Ecosystems

Concept of Agro-ecosystems, Components and Interactions of an Agro-ecosystem, Agro-climatic-Zones.

Unit -03: Impact of Agriculture on Environment

Impact on Natural Resources, Impact on climate change.

Unit -04: Impact of Environment on Agriculture

Environmental Stresses, Climate change and Agriculture, Ozone, Hole and Ultraviolet Radiations.

Unit -05: Sustainability

The New Paradigm, Concept of Sustainability, Parameters of Sustainable Agriculture, Approaches for sustainable Agriculture.

Block - 2: Agro-Environmental Resources: Issues & Challenges

Unit -06: Land

Land Use Dynamics, Land Degradation (Soil Erosion, Soil Health, Problem Soils).

Unit -07: Water

The Hydrological Cycle, Water Resources and Agriculture, Water Stress Conditions, Water Quality, watershed Management.

Unit -08: Biodiversity

Components of Biodiversity, Importance of Biodiversity for Agriculture, Lose of Biodiversity: Threat of Agriculture, Conservation of Biodiversity.

Unit -09: Energy.

The Energy Scenario in Agriculture, Renewable,

energy Resources, Socio-economic aspects of Energy in Rural Areas, Energy Conservations and Management.

Unit -10: OFF-Farm Inputs

Fertilizers and chemicals, Pesticides, Farm Machinery, Off-Farm Inputs and Air Quality.

Block -3: Strategies for Eco-Friendly Agriculture

Unit -11: Integrated Resource Management

Soil, water and Energy Management, Nutrient Management, Biodiversity Management.

Unit -12: Integrated Farming Systems

Farming System, Organic Farming, Organic Farming-Biodiversity Linkages.

Unit -13: Integrated Disease, Pest and Weed Management

What is integrated Pest Management, From Traditional Pest Control to the IPM Era, Components of IPM, IPM Initiatives.

Unit -14: Society and Agriculture

Infrastructure Development, Policy Support, Institutional Capacity Building, People's Participation: Some Case Studies.

Block - 4: Towards A Greener Future

Unit -15: Imperatives

Food Security, Ecological Security, Technology Transfer and Technologies for Resource Poor Farmers.

Unit -16: New Technologies

Biotechnology in Agriculture, Space, Information and Communication Technologies in Agriculture, What is Post Harvest Technology.

Unit -17: Agriculture Waste Management

Use of Crop Residues, Economy through Recycling, Recycling of Animal Wastes, Reducing Post Harvest Wastage.

Unit -18: Alternative Agriculture

Components of Alternative Agriculture, Agro-forestry, Social Forestry, Plantation Crop, Herbal and Medicinal Plants, Agri-Processing.

PGD-ESD – 04

UNDERSTANDING THE ENVIRONMENT

Block-01 : Introduction to the Environment.

Unit-01: Introduction to the Environment

Concept of Environment, Limits and Size of Environment, Types of Environment, Significance of the Environment, Concept of Biosphere and Ecosystem.

Unit -02: The Lithosphere

Structure and Composition of the Earth, Components of the Lithosphere, Properties of Soil, Classification of Soils, Soil biota and soil Fertility, Beneficial effect of Organic matter on soil characteristics and productivity.

Block -2: The Atmosphere

Unit -03: The Atmosphere

Composition of Air, Atmospheric Pressure, Solar Radiation, Radioactive Processes in the Atmosphere, Seasonal and Daily Variations, Temperature Profile, Transport Mechanisms, Weather and Climate, Enhanced Global Warming, Ozone Layer Depletion.

Block -3: Hydrosphere

Unit -04: Hydrosphere

The Structure of the water molecule and its specific properties, The hydrologic cycle (water cycle), Composition of hydrosphere, Freshwater environment, Estuaries, The Oceans.

PGD-ESD – 05

GLOGALIZATION AND ENVIRONMENT

Block-01 : Global Concerns.

Unit-01: Environmental Dimensions of Globalization

Glogalization and Global Change, Globalization and Environment, Global Environmental Interventions.

Unit -02: Environmental Calamities

Natural Calamities, Earth quakes, Floods, Droughts, Cyclones, Preparedness and Management.

Unit -03: Man Made Disasters

Man-Made Disasters, Toxic wastes, Wars and population displacement, Nuclear weapons, Industrial Accidents, Global Warming, Ozone depletion.

Unit -04: MNCs, TNCs and Developing Countries

North-South Divide, TNCs in the era of Neo-Liberal Economic Globalization, Role of IFTs, Flexible production Impact on Labour and Environment, Technology Concerns, Environmental Standards.

Block -2: Global Responses

Unit -05: International Summits and Declaration

Treaties, Protocols and Declarations, History of Environmental Negotiations, some important Declarations, From Declaration to Implementation, Global Environment Facility.

Unit -06: International Environmental Laws & Agreements

General Principles of International Environmental law. International Environmental Policy – South Perspectives, Important International Environmental Agreements, Environmental Laws – Their implication of South Asia.

Unit -07: U.N. Agencies Role

Structure of the United Nations, UN's Environmental Agenda, UN Agencies Role, Obstacles for an effective UN Role, Future Role of UN, Bretton Woods Institutions.

Unit -08: Environment in Multilateral Perspective

International Standards and Environmental Trade, Trade-Environment Trade of – Policy Initiation, WTO and Environment, Work Programme on Committee on Trade and Environment, The Role of the World Bank, Multilateral Agreements.

Block – 3: Global Movements Experiences

Unit -09: South Asian Response to Environmental Concerns.

Environmental concerns and Developing Countries, Environmental Concerns of South Asia, South Asian Response to Environmental Concerns, Governmental Commitment towards Environmental Concerns in South Asia.

Unit -10: Non Governmental Agencies Initiatives

Origin, Structure and Ideology of NGOs, NGOs and MNC's Links, NGOs versus Socio-Political Movements, Alternative NGO's.

Unit -11: People's Initiatives

Distinction between NGOs and people's initiative , Globalization : People's Response, Pakistan's experience, Bangladesh experience.

Unit -12: Case Studies and Alternatives

Globalization and Implications, Globalization Debates, Lessons from the Past, South Asian Scenario, People Resistance, Alternatives, Summing up.

PGD-ESD – 06

SUSTAINABLE DEVELOPMENT ISSUES AND CHALLENGES

Block-01: Introduction to Sustainable Development.

Unit-01: What is Sustainable Development

Introduction, Meaning of Sustainability, Development and Sustainable Development, Origins of Sustainable Development, Definitions of Sustainable Development (Dimensions and Concepts),

Unit -02: Parameters of Sustainable Development

Introduction, Concepts of Carrying Capacity, Inter-generation Equity and Justice (Global, Regional and Country levels), Intra-generational Equity and Justice (Global, Regional and Country levels), Gender Disparity, Diversity (Social, Cultural Knowledge Bio).

Unit -03: Approaches to the study of sustainable Development.

Introduction, Positivist Approach, Multi-dimensional Approach, Eco-System Approach, Indigenous Views.

Unit -04: Issues and Challenges

Introduction, Sustainable Economic Growth, Achieving Sustainable Livelihood, Responsibilities and making them pay.

Block -2: Development Issues

Unit -05: Natural Resource Exploitation

Introduction, Historical Perspective and stages of Development, Sector-wise Parameters of Sustainable Development, Defence and Armament, Quest for Comfort.

Unit -06: Patterns of Industrialisation

Introduction, Industrialisation Historical Perspective, Industrialisation: Regional Perspective, Forms of Industrialisation, Impact of Globalization.

Unit -07: Inequitable Growth

Indicators of Inequality, Development and Exclusion, Bridging the Gap.

Unit -08: Regional And Global Issues

Regional Issue, Global Issue

Block -3: Initiatives Towards Sustainable Development

Unit -09: State Initiatives

Legislative Measures, Judicial Interpretations, Institutional Mechanisms.

Unit -10: Regional Initiatives

Initiatives by Regional Organisations, SAARC Initiatives, Institutional Mechanisms.

Unit -11: Global Initiatives

Major Conferences on Environment and Development, International Conventions/ Agreements on Sustainable Development, International Agencies, Roadblocks to Gloal Initiatives.

Unit -12: Civil Societies and Community Initiatives

Rio-Scattle&Geneva, Civil Society Initiative in the Regional Context, Country Based civil societies Initiatives.

Block -4: Strategy for Sustainable Development

Unit -13: Community Knowledge

Traditional knowledge, Modern Scientific knowledge, Integration of Scientific and Traditional knowledge for sustainable Development,

Unit -14: Harness Technology

Concept of Harness Technoloy, Human Resource Development, Agriculture, Industry, Natural Resources, Harnessing Technology: The Asian Context.

Unit -15: Innovative Practices

Innovation and Industry, Recycling and Reuse, Innovative practices in Agriculture and Forestry, Community Participation, Water and Energy, Information and Communication Technology

Unit -16: Cooperation and Partnership

Participation of the Government, Non-Governmental Organisations, Cooperatives and sustainable Development, Technology Networks, Regional Cooperation and Partnership in South Asia, People's Participation and Movements.

PGD-ESD – 07

ENERGY AND ENVIRONMENT

Block-01 : Energy and Environment : Current Concern.

Unit-01: Energy and Development The Energy Economy

Energy in Relation to Economic Development, Energy Demand of Growing Population and Industrialization, Earth's Energy Resource Bases, 'Carrying Capacity' of Earth's Energy Base,

Unit -02: Energy Consumption

Pattern of Energy Consumption, World Energy Demand and Future Projection, Energy Units and the Growth of Electricity Consumption,

Unit -03: Energy Production Technologies

Renewable and Nonrenewable Sources of Energy, Hydel (hydroelectric) Power.

Unit -04: Environmental Impact of Energy Production and Use

Climate Change and Global Warming, Deforestation, and its impact on Global warming, Problem of Mega Dam, Nuclear Hazards and impact of Globalization,

Unit -05: The North South Debate

Issue of desperate Needs and Consumption , Global Agreements and Agreements and Arrangements,

Block -2 Energy Policy, Planning And Administration

Unit -06: Energy Policy and Administration

Aspects of Energy and Environmental Policies, Interrelationship between Energy, Environment and Development, International Energy and Environmental Policies.

Unit -07: Policy Issue in Energy Use and Environmental Planning

Mainstream Approaches to energy Use and Environmental Planning, Models of Energy and Environment, Issue of Energy and Environment.

Unit -08: Political Economy of energy and the Environment

Political Economy of Energy, Complexity of society in Environmental Relationship, Energy consumption and its Historical Events.

Unit -09: Energy Policy Alternative

Alternative Energy Policy, Energy Policy for a Sustainable world.

Block -3: Economics of Energy and Environment

Unit -10: Economic Approaches to Energy Problem, Introduction to Energy and Environmental Economics, Economic Approaches to Energy Problem

Unit -11: Micro-Economic Perspective and Macro Linkage.

Economics of Demand and Supply of Energy, Macro Linkage of Energy and Economy, Economics of Climate change.

Unit -12: Social Control of Energy:

Public Policies Related to Energy Facilities Development, Initiatives in Control of Energy, Energy Conservation: Home Energy Saving, Energy and the Poor.

Block -4: Energy Sustainability and Environment

Unit -13: Renewable Energy Resources and Technologies

Renevable Energy – Solar and Wind, Renewable Energy Bio-mass and small Hydro, Renewable Energy Resources and Technologies, Advantages of REnewable over conventional Technologies,

Unit -14: Energy Services and Efficiency Improvement

Energy Services, Linking Supply and Demand, Energy Efficiency Improvement supply side, Energy Efficiency Improvement Demand Side, Energy Conservation- Use of Energy Efficient Appliances and Buildings.

Unit -15: Sustainable Energy for Clean Environment

Changing Existing Patterns of Energy use, 'Cleaning – up' of Fossil and Nuclear Technologies, Switching to Removable Energy sources, Future Energy Scenarios.

PGD-ESD – 08

NATURAL RESOURCE MANAGEMENT PHYSICAL AND BIOTIC

Block-01 : Introduction to Physical & Biological Resources.

Unit-01: Introduction to Natural Resources

Geographical setting, Physical Feature and Geology, Climate and Hydrology, People, key issues in Natural Resource Management, Conservation and protection.

Unit -02: Natural Resources : Physical

Energy Resources, Land resources, Water resources, Mineral resources and solid waste.

Unit -03: Natural Resources : Biotic Introduction to Biological Diversity.

Introducing Biodiversity, Defining biodiversity, Measuring biodiversity, Biodiversity vs. components of biodiversity, Biodiversity vs. biological resources.

Unit -04: Distribution of global biodiversity part -1

Factors affecting the global distribution of species, Geological eras and Fossils, Classification of Global habitat types.

Unit -05: Distribution of Global biodiversity Part – II

Biogeographic regions, Generalised methods of habital classification, The continuity of ecological units, Biodiversity hot spots, methods of prioritizing global biodiversity hot spots.

Block -2: Systematic of Species Diversity (Part –I)

Unit -06: Systemetic of species Diversity (Part –II).

Grouping and naming arganisms, Diversity among the different groups.

Unit -07: Systematics of species diversity Part-II Plant Kingdom.

Unit -08: Systematic of Species diversity Part – III

Diversity in the animal kingdom (Kingdom Animalia). The Vertebrates.

Unit -09: The Value of biodiversity

Use values of biodiversity, Biodiversity and economics.

Unit -10: Resource use of biodiversity – Part – I

Resource value of biodiversity, Biodiversity and Food use, Genetic Resources, wood products

Unit -11: Resource Use of biodiversity – Part – II

Medicinal and other health security uses, Ornamental uses, Energy sources, Domestic Animals, Hunting, Recreation and tourism, Raw material for industry, Scientific use.

Block -3: Loss of Global Biodiversity

Unit -12: Loss of Global Biodiversity

Causes of global biodiversity loss, Major impacts of biodiversity loss, Threatened species, causes of species extinction, Habitats vulnerable to greater species extinction, Estimating rates of species extinction.

Unit -13: Conserving biodiversity Part –I

The concept of conserving biodiversity, The different levels of biodiversity conservation, Different types of protected areas, Different approaches to conserving biodiversity, Cultural and religious beliefs, In-situ conservation of species.

Unit -14: Conserving biodiversity

Ex-situ conservation of species, Translocations, introductions and reintroductions, Reconciling the species and ecosystem based approaches,

Unit -15: Planning Communication for biodiversity conservation

What is meant by communication for biodiversity Conservation, Scope of communication in biodiversity conservation, Two main types of Communication, Targeting biodiversity communication Two major groups, Step by step approach to biodiversity communication planning , organizations dealing with environmental communication.

Block -4: Ecotourism and Biodiversity Conservation

Unit -16: Ecotourism and Biodiversity Conservation status of world tourism, Evolution of tourism, Nature tourism, Negative impacts of nature tourism, Ecotourism, Scope of ecotourism in biodiversity conservasion, Areas with best potential for ecotourism, Maintaining standards, for ecotourism.

Unit -17: Management approaches for biodiversity Conservation (1).

Managing biodiversity in protected areas, Protecting biodiversity outside protected areas.

Unit -18: Management approaches for biodiversity Conservation (2).

Sustainable use of biological resources, environmental impact assessment as management tool, Biodiversity surveys and assessments, Inventorying cultural / socio-economic –biological features, The ecosystem approach

to protected area management, Interated Landscape approach to conservation, The role of Flagship species in bio-diversity conservation.

Unit -19: Management Plans for protected areas to conserve biodiversity.

Management plans, Annual operational plans or action plans, Project plans, site plans, Implementation of protected area management operation, Evaluating the effectiveness of management.

PGD-ESD – 09

ENVIRONMENT AND DEVELOPMENT

Block-01: Environment and its Component.

Unit-01: Introduction to Environment

Unit -02: Structure of the Earth.

Unit -03: Lithosphere

Unit -04: Hydrosphere (Hydrological Cycle, Water Quality)

Unit -05: Atmosphere Troposphere, Stratosphere, Mesosphere, Thermosphere, Composition of the Atmosphere, Beyond the Atmosphere,

Unit -06: Biosphere

Block-2: Development Perspective for the Developing Countries

Unit -01: What is Development

Sustainable Development, Environmental Concerns and sustainability, Economic activity and the environment.

Unit -02: Special Economic Challenges

Poverty, Unemployment, Food Supply, Education, Human Health and Nutrition, Air Quality, Water Quality, Population, Demographic Transition, Development, Define Sustainability and its nature, Narrate the Major Events in Environmental Protection, the Principles and Development Strategies of Sustainable Development.

Unit -03: Ecological Economics

Difference between neoclassical and ecological economics and how each discipline views ecological processes and natural resources, Different types and categories of resources, supply and demand after prices and technological progress, position on limit to growth and economic carrying capacity of our environment, Internal and external costs, market approaches to pollution control, cost benefit analysis, GNP and alternative ways to measure values of natural resources and real social progress , The role of business and some possible strategies for achieving future sustainability.

Block -3: Importance and Practice of Resource Management for Sustainable Development

Unit -01: Sustainable Resource Management

Sustainable Resource Management, Conservation and Management Land Resources, Desertification, Drought, water resource Management, Coastal Management, Bio-diversity.

Unit -02: Conservation or Preservation

Who conserve wildlife, conservation and climate change, Conservation in context, Undisturbed Environments and Habitats, Protected Areas, Nature Reserves, National Parks, Bio-sphere Reserves, Wilderness, Protected Species, Trade in Endangered Species, captive Breeding and Reintroduction, Gene Books.

Block-4: Role of Major Groups in the Protection of Environment for Development.

Unit -01: International Organisations

General Assembly, Security Council, Economic and Social Council (ECOSOC), Trusteeship Council, International Court of Justice (ICJ), UN Specialized Agencies.

Unit -02: UN Special Bodies / Functional Commissions/ Regional Commissions.

Special Bodies, UN Environmental Programme, Functional Commission, Regional Economic Commission, Regional and Sub regional Organization.

Unit -03: The Function and Role of International Organizations

Unit -04: Role of Non-Governmental Organizations

Unit -05: International Union for the Conservation of Nature (IUCN).

Unit -06: Role of the Individuals

Block-5: Environment Law and Measures to Protect Environment for Development

Unit -01: Basic Instruments of International Environmental Law.

Unit -02: The United Nations Conference on Environment and Development.

Unit -03: Environmental Policy and Enforcement of Legal Mechanism.

Unit -04: Environmental Education And Training.

Guiding Principles, International Environments and Environmental Education, Environmental Training, Training opportunities in UN System.

Unit -05: Environmental Ethics

Respect for Plants and Animals, Respect for Endangered Species, Respect for Ecosystems.